हनुमानगढ़ जंक्शन
सोमवार 1 जुलाई 2024
आषाढ़ कृष्ण दशमी सम्वत् 2081
वर्ष 54 |अंक 177| ₹ 4.00 | पृष्ठ 12
फोन : 269443, मो. 94140-95543, 99585-95529
Email: dainiktej@gmail.com
आरएनआई रजि. नं. 23549/71, पोस्टल रजि. नं.गंगानगर/29/2024-2026

# तेज

संस्थापक स्व. डॉ. तेजनारायण शर्मा
राजस्थान, पंजाब, हरियाणा का लोकप्रिय दैनिक

**शेयर बाजार**

| | | |
|---|---|---|
| सेंसेक्स | 79,032.73 | -210.45 |
| निफ्टी | 24,010.60 | -33.90 |
| डॉलर | 83.36 | |

**हनुमानगढ़ का तापमान**

न्यूनतम 31° अधिकतम 38°

# ओलंपिक में कुछ चीजें पहली बार दिखेंगी: मोदी

## चार माह बाद पीएम ने फिर की 'मन की बात', चुनाव से लेकर हूल दिवस, रथयात्रा, अमरनाथ यात्रा, कुवैत रेडियो पर हिंदी शो सहित अन्य मसलों पर की चर्चा

**नई दिल्ली.** प्रधानमंत्री मोदी ने करीब चार महीने बाद रेडियो प्रोग्राम 'मन की बात' की। इस दौरान उन्होंने लोकसभा चुनाव, हूल दिवस, रथयात्रा-अमरनाथ यात्रा, कुवैत रेडियो के हिंदी शो, लोकल प्रोडक्ट्स, पर्यावरण दिवस और योग दिवस पर बात की। पीएम ने 26 जुलाई से होने वाले पेरिस ओलिंपिक में जाने वाली भारतीय टीम को शुभकामनाएं दीं और कहा कि इस बार ओलिंपिक में कुछ चीजें पहली बार देखने को मिलेंगी। खिलाड़ी भी अलग लेवल का रोमांच दिखाएंगे। इससे पहले मन की बात 110वां एपिसोड फरवरी में टेलिकास्ट हुआ था। तब पीएम मोदी ने कहा था कि राजनीतिक मर्यादा के चलते लोकसभा चुनाव के दौरान 3 महीने 'मन की बात' का प्रसारण नहीं होगा। मोदी ने लोकसभा चुनाव के लिए देशवासियों और

चुनाव आयोग को धन्यवाद दिया। साथ ही कहा कि जनता ने संविधान और देश की लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं पर अटूट विश्वास दोहराया है। 2024 का चुनाव, दुनिया का सबसे बड़ा चुनाव था। दुनिया के किसी भी देश में इतना बड़ा चुनाव कभी नहीं हुआ, जिसमें 65 करोड़ लोगों ने वोट डाले हैं।

प्रधानमंत्री ने 'हूल दिवस' पर कहा कि यह दिन वीर सिद्धो-कान्हू के साहस से जुड़ा है इन्होंने विदेशी शासकों का विरोध किया था। साथ ही झारखंड के संथाल परगना से हजारों संथाली साथियों को एकजुट करके अंग्रेजों से 1855 में विदेशी शासकों के खिलाफहथियार उठाए थे। उन्होंने 26 जुलाई से शुरू हो पेरिस ओलिंपिक में जाने वाले खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। पीएम ने कहा कि हमारे खिलाड़ी टोक्यो ओलिंपिक के बाद से ही तैयारियों में जुटे थे, इसलिए इस बार कुछ चीजें पहली बार देखने मिलेंगी। मोदी ने बताया कि पिछले महीने जम्मू-कश्मीर के पुलवामा से स्नो पीस की पहली खेप लंदन भेजी गई। कश्मीर में उगने वाली एग्जॉटिक वेजिटेबल्स को दुनिया के नक्शे पर लाने चकूरा गांव के अब्दुल राशीद मीर ने स्नो पीस उगाने का काम शुरू किया। यह कश्मीर से लंदन तक पहुंचने लगी है। 7 जुलाई को होने वाली जगन्नाथ पुरी की रथयात्रा, जम्मू कश्मीर की अमरनाथ यात्रा और पंढरपुर वारी की यात्राओं में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दीं।

### मां के नाम से लगाएं एक पौधा

पीएम ने विश्व पर्यावरण दिवस पर शुरू किए अभियान एक पेड़ मां के नाम का जिक्र किया। उन्होंने बताया, 'मैंने भी एक पेड़ अपनी मां के नाम लगाया है।' पिछले दस साल में बढ़े फॉरेस्ट कवर और अमृत महोत्सव के दौरान बनाए गए 60 हजार से ज्यादा सरोवरों की चर्चा की। उन्होंने मां के नाम पर पेड़ लगाने ... शेष पेज 9 पर

# 65 लाख से अधिक किसानों के खातों में डाले 653 करोड़

## मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का शुभारम्भ, करीब 80 हजार किसानों को मिला 350 करोड़ का अल्पकालीन फसली ऋण

**जयपुर.** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि देश के लिए अन्न उपजाने वाले किसान भाइयों को सशक्त बनाना हमारी डबल इंजन सरकार की प्राथमिकता है। राज्य सरकार द्वारा किसान कल्याण की दिशा में कई कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि किसान की समृद्धि से ही विकसित एवं खुशहाल राजस्थान का सपना साकार होगा। हमारी सरकार संकल्प पत्र के सभी वादों को पूरा कर रही है। मुख्यमंत्री शर्मा रविवार को टोंक की कृषि उपज मंडी में 'मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना' के राज्यस्तरीय शुभारम्भ समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत प्रदेश के किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 6 हजार रुपये की राशि के साथ ही, 2 हजार रुपये अतिरिक्त दिए जाएंगे। इसी क्रम में आज राज्य सरकार की ओर से एक हजार रुपये की पहली किस्त के तौर पर 65 लाख से अधिक किसानों के खातों में 653 करोड़ रुपये सीधे जमा किए गए हैं। शर्मा ने कहा कि किसान भाइयों को सम्मान और संबल देने की प्रेरणा हमें प्रधानमंत्री ... शेष पेज 9 पर

### केन्द्रीय योजनाओं से प्रदेश के किसान हो रहे लाभान्वित

शर्मा ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किसान कल्याण के लिए अनेक योजनाएं शुरू की हैं, जिनका लाभ प्रदेश के किसानों को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत लगभग 1 हजार 400 करोड़ रुपये के बीमा क्लेम का वितरण किया गया तथा 9 हजार पीएम किसान समृद्धि केंद्र स्थापित किए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा सहकारी क्षेत्र में विश्व की सबसे बड़ी विकेन्द्रीकृत अनाज भंडारण योजना चलाई जा रही है।

### किसानों की जल और बिजली आवश्यकता होगी पूरी

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में किसानों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध करवाकर खेती-किसानी को मजबूत बनाने का राज्य सरकार का संकल्प है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के 21 जिलों में पानी की समस्या दूर करने के लिए ईआरसीपी को संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना में शामिल कर भारत सरकार एवं मध्य प्रदेश के साथ एमओयू हुआ है। मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान-2.0 के तहत आगामी 4 वर्षों में 5 लाख जल संग्रहण ढांचे बनाए जाएंगे तथा 20 हजार फार्म पौण्ड स्थापित कर वर्षा का जल संग्रहित किया जाएगा।

### बीज खरीदने के काम आएगी यह किस्त...

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने समारोह में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न जिलों के लाभार्थी किसानों से संवाद किया। डूंगरपुर के किसान शंकर लाल ने कहा कि पहले पीएम किसान सम्मान निधि के तहत 6 हजार रुपये मिलते थे। अब मुख्यमंत्री किसान सम्मन निधि के रूप में 8 हजार रुपये मिलेंगे। बढ़ी हुई राशि की पहली किस्त मिलने से बहुत खुशी हो रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री को सामाजिक पेंशन योजना के तहत प्रतिमाह 1150 रुपये की आर्थिक सहायता के लिए भी धन्यवाद दिया। भरतपुर के किसान राकेश शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि में बढोतरी से उन्हें बहुत खुशी हो रही है। ... शेष पेज 9 पर

# बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए सरकार कटिबद्ध: भजनलाल

### मुख्यमंत्री ने तीन अभियानों का किया आगाज, कहा- साकार करेंगे 'स्वस्थ राजस्थान' का संकल्प

**जयपुर.** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेशवासियों को उच्च गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाना राज्य सरकार की प्रतिबद्धता है। इसके लिए आवश्यक है कि राज्य का प्रत्येक नागरिक सेहतमंद हो, तभी 'स्वस्थ राजस्थान' का संकल्प साकार होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेशवासियों की सेहत का रिकॉर्ड ऑनलाइन उपलब्ध होने से उन्हें त्वरित और बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध होंगी और अनावश्यक स्वास्थ्य जांचों एवं दवाओं पर होने वाले खर्च से भी बचा जा सकेगा। शर्मा ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर चिकित्सा विभाग के तीन अभियानों का शुभारम्भ किया। उन्होंने पोलियो दिवस के अवसर पर 5 वर्ष

तक के बच्चों को पल्स पोलियो की खुराक पिलाकर प्रदेश में 'राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान' की शुरूआत की। उन्होंने 'स्टॉप डायरिया अभियान-2024' एवं आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत 'आभा आईडी बनाओ' अभियान का भी शुभारम्भ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री शर्मा तथा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने तीनों अभियानों के पोस्टर्स का विमोचन कर लाभार्थियों को आभा आईडी कार्ड प्रदान किए तथा बच्चों को ओआरएस के पैकेट एवं जिंक की गोलियां बांटी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश में निचले स्तर तक ऐसा सिस्टम विकसित किया जाए, जिससे हर बच्चे के जन्म के साथ ही उसका एक यूनिक हैल्थ आईडी नम्बर जनरेट हो जाए और भविष्य में उसके स्वास्थ्य से संबंधित हर जानकारी उस आईडी के तहत दर्ज की जाए। शर्मा ने कहा कि मरीज के स्वास्थ्य का पुराना रिकॉर्ड उपलब्ध होने से चिकित्सकों को उनका इलाज करने में बहुत सहूलियत होगी। कार्यक्रम में एनएचएम के मिशन निदेशक डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी, अतिरिक्त मिशन निदेशक अरूण गर्ग, निदेशक जन स्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश माथुर, सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी, अधीक्षक डॉ. सुशील भाटी एवं निदेशक आरसीएच सुनीत सिंह राणावत सहित चिकित्सा एवं स्वास्थ्य... शेष पेज 9 पर

# बिजली का मंत्री पानी पर बहस की दे रहा चुनौती: डोटासरा

## पीसीसी चीफ के निशाने पर भजनलाल सरकार कहा-राजस्थान में है पोपाबाई का राज

**जयपुर.** कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने बीजेपी और राज्य सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि राजस्थान में तो पोपाबाई का राज आ गया है। किसी मंत्री को कुछ पता नहीं है क्या चल रहा है। कौन जनसुनवाई करेगा, कौन समाधान करेगा।

बीजेपी ने जनसुनवाई की नौटंकी की तो मंत्रियों ने धता बता दिया कि भागो हम नहीं मानते। मंत्रियों को पता नहीं है करना क्या है। बिजली का मंत्री पानी पर बहस की चुनौती दे रहा है। सरकार ने इन 7 महीनों में खुद की निकाली भर्ती में 7 लोगों को भी नौकरी नहीं दी। सीएम खुद ही अपनी पीठ थपथपा रहे हैं। डोटासरा ने कहा- इस सरकार में भारी खींचतान है। यह जो स्थिति है, वो ढाई साल बाद बनती है। इस सरकार में तो 6 महीने में ही खींचतान चालू हो गई है। इन्होंने 10-10 दिन तो मंत्री को ढूंढने में लगा

दिए। कौन मंत्री रहे, कौन मुख्यमंत्री रहे, लेकिन काम तो करें। ये तो काम ही नहीं कर पा रहे।

### पता नहीं कब पर्ची बदल जाए

डोटासरा ने कहा-सीएम झुंझुनूं में कह रहे थे, यमुना का पानी लाएंगे। अब कब ला देंगे, ला दीजिए, पता नहीं कब पर्ची बदल जाए और दिल्ली से फरमान आ ... शेष पेज 9 पर

# रन फॉर विकसित भारत में लिया हिस्सा

### सीए दिवस पर रक्तदान शिविर आज

तेज | रिपोर्टर हनुमानगढ़

द इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया हनुमानगढ़ शाखा की ओर से रविवार को सीए रन फॉर विकसित भारत थीम के तहत टाउन में भारत माता चौक पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सीए मेंबर्स व सीए स्टूडेंट ने विकसित राष्ट्र के सपने को बढ़ावा देने के लिए साथ मिलकर 4 किलोमीटर की दौड़ में हिस्सा लिया। हनुमानगढ़ शाखा के अध्यक्ष सीए प्रफुल कुमार कोचर ने सीए सदस्यों एवं स्टूडेंट को बताया कि विकसित भारत अभियान बहुत महत्वपूर्ण है। भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए आईसीएआई व उनके सीए मेंबर्स का बहुत बड़ा योगदान है। सचिव सीए राजेश गोयल ने बताया कि 1 जुलाई को सीए दिवस पर आईसीएआई की हनुमानगढ़ शाखा में टाउन के महात्मा गांधी स्मृति राजकीय जिला चिकित्सालय की टीम की ओर से रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिनेन्द्र कोचर, रोहित मूंदड़ा, अंकित गिल्होत्रा, अंकुश सिंगला, गौरव बाघला, संजय सिहाग, शशांक सिंगला, सुशील मित्तल, तुषार गोयल, वैभव जैन, साहिल गोयल, गौरव डूमरा, वासुदेव पारीक, विनय जिंदल, यश मित्तल आदि ने रन फॉर विकसित भारत कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

# उप चुनाव की तैयारी में जुटी भाजपा, बनाई रणनीति

### नाराज नेताओं को मनाने पर जोर, जीत के फार्मूले पर चर्चा

**जयपुर.** राजस्थान में होने वाले विधानसभा उपचुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी ने अपनी रणनीति बनानी शुरू कर दी है। रविवार को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने 5 सीटों झुंझुनू, दौसा, देवली उनियारा, खींवसर और चौरासी पर होने वाले उपचुनावों को लेकर अहम बैठक बुलाई। इस बैठक में स्थानीय नेताओं और पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। साथ ही जीत के फॉर्मूले पर चर्चा की। पार्टी ने फैसला किया है कि स्थानीय स्तर पर मिले फीडबैक के आधार पर ही टिकट दिए जाएंगे। साथ ही नाराज नेताओं को मनाने की कोशिश की जाएगी। भाजपा ने उपचुनाव की तैयारियों में पूरी ताकत झोंक दी है। चौरासी सीट के लिए हुई बैठक में पूर्व सांसद कनक मल कटारा और सुशील कटारा समेत कई नेता मौजूद रहे। वहीं, खींवसर सीट के लिए ज्योति मिर्धा और अन्य पदाधिकारियों से राय ली गई। इन बैठकों में यह तय किया गया कि स्थानीय मुद्दों और जनता की राय को प्राथमिकता दी जाएगी। टिकट वितरण में भी स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं की राय को महत्व दिया जाएगा। पार्टी ने यह भी साफकिया है कि जो नेता नाराज हैं, उन्हें मनाने की कोशिश की जाएगी और उपचुनाव में सभी एकजुट होकर चुनाव प्रचार करेंगे। इसके अलावा, पार्टी ने यह भी तय किया है कि उपचुनाव से पहले राजस्थान सरकार की योजनाओं का जमकर प्रचार किया जाएगा। इससे लोगों को यह बताया जा सकेगा कि कांग्रेस सरकार ने अपने वादे पूरे नहीं किए हैं। बैठक... शेष पेज 9 पर

# गुणवत्ता में कोताही बर्दाश्त नहीं: दीया

## उप मुख्यमंत्री ने पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को दी नसीहत, कहा-खराब सड़कों की तत्काल हो मरम्मत

**जयपुर.** उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने रविवार को सचिवालय में सार्वजनिक निर्माण विभाग की समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उन्होंने डिफेक्ट लायबिलिटी पीरियड में खराब होने वाली सड़कों को जल्द से जल्द ठेकेदारों से दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि कई बार ऐसी शिकायतें मिलती हैं कि सड़क बनाने के कुछ दिनों बाद ही खराब हो गई। ऐसे में यह सुनिश्चित करें कि डिफेक्ट लायबिलिटी पीरियड में अगर सड़क के निर्माण कार्य में या गुणवत्ता संबंधित शिकायत मिलती है तो संबंधित ठेकेदार से उसको तत्काल ठीक करवाया जाए। इसके प्रॉपर मॉनिटरिंग भी की जाए। ताकि आम जनता को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना... शेष पेज 9 पर

# अपने बच्चे की सुरक्षा में चूक ना होने दें, उन्हें जरूर पिलाएं पोलियो की दवा: विधायक बंसल

» जिला कलक्टर कानाराम सहित जनप्रतिनिधियों ने नौनिहालों को पोलियो की दवा पिलाकर हमेशा के लिए किया पोलियो मुक्त

तेज | रिपोर्टर हनुमानगढ़

राष्ट्रीय पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान के अंतर्गत रविवार 30 जून को सुरेशिया स्थित शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में स्थापित पोलियो बूथ पर विधायक गणेशराज बंसल, जिला कलक्टर कानाराम, भाजपा नेता अमित सहू, भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र पारीक सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने उपस्थित बच्चों को पोलियो की दवा पिलाकर जिला स्तरीय कार्यक्रम का विधिवत शुभारम्भ किया। इस अवसर पर उनके साथ सीएमएचओ डॉ. नवनीत शर्मा, एसीएमएचओ डॉ. ज्योति धींगड़ा, डीपीओ श्रीमती रचना चौधरी सहित अन्य चिकित्सकों ने भी 0 से 5 वर्ष तक की आयु के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई। जिले में आज 1 लाख 41 हजार 664 बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई गई। हनुमानगढ़ विधायक गणेशराज बंसल ने कहा कि पोलियो के खिलाफ बच्चों के सुरक्षा कवच को मजबूत बनाने के लिए 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलायें। भारत पोलियो मुक्त जरूर है, लेकिन पड़ोसी देशों में अभी भी इसके मामले देखने को मिल रहे हैं, इसलिये अपने बच्चे की सुरक्षा में चूक ना होने दें। उन्हें हर बार पोलियो की दवा अवश्य पिलायें। उन्होंने पोलियो दवा पिलाने के महत्व के बारे में जानकारी दी। भाजपा युवा नेता अमित सहू एवं भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र पारीक ने भी बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई एवं अधिक से अधिक बच्चों को दो बूंद जिंदगी की पिलाने की अपील की। जिला कलक्टर कानाराम ने सभी जिलेवासियों को अभियान अंतर्गत 0 से 5 वर्ष तक की आयु के सभी बच्चों को पोलियो की दवा अवश्य पिलाने की अपील की। उन्होंने उपस्थित अभिभावकों से कहा कि हमें अपने रिश्तेदारों, परिजनों, मित्रों एवं पड़ोसियों को पोलियो अभियान की जानकारी देनी चाहिए और अधिक से अधिक छोटे बच्चों को पोलियो की ... शेष पेज 9 पर

# सरांवावाला में निरंतर जारी है यज्ञ की परंपरा, सेवादार करते है मंगल कामना

**तेज रिपोर्टर. पीलीबंगा।** बीते लगभग 6 दशक से ग्राम सरांवावाला में यज्ञ करने की परंपरा निरंतर चल रही है। सेवादार जसविंदर सिंह का बिट्टू सरा ने बताया कि ग्राम के गुवाड़ में एक बड़ (पीपल) का पेड़ लगा हुआ है। इसके नीचे बीते 60 वर्षों से यह अनूठी परंपरा चल रही है। ग्राम पंचायत एवम आसपास की खुशहाली की मंगल कामना करते हुए सेवादारों द्वारा यज्ञ करते हुए मीठे चावल का प्रसाद बांटा जाता है। प्रतिवर्ष आषाढ़ माह में यह कार्यक्रम निर्धारित तिथि को आयोजित होता है। इसमें ग्रामीण स्वेच्छा से दान करते हुए अपने आहुति इस यज्ञ में देते हैं। रविवार को भी ग्राम में यह धार्मिक अनुष्ठान हुआ। इसमें सेवादार बिटू सरां, दिलाबाग सरां, निशान सिंह बराड़, कश्मीर सिंह भुल्लर, गुरजीत सिंह भुल्लर, नक्षत्र सिंह, दिलबाग सिंह वानर, प्रगट सिंह बराड़ आदि मौजूद थे।

# जन्मदिन पर एक पौधा लगाकर प्रारंभ किया एक पेड़ मेरा भी अभियान

**तेज रिपोर्टर. पीलीबंगा।** वृक्ष मित्र संस्था के अध्यक्ष इकबाल सिंह सोनी ने अपने जन्म दिवस के मौके पर एक पौधा लगाकर संस्था के एक पेड़ मेरा भी अभियान की रविवार को शुरुआत की। आकाश जोशी ने बताया कि संस्था के इस अभियान के तहत घरों में होने वाले विशेष अवसर एवं अन्य कार्यक्रमों पर संबंधित व्यक्ति, संस्था अथवा एजेंसी से पौधा लगाकर नियमित रूप से उसकी देखभाल करने का संकल्प दिया जाएगा। इसके अलावा कस्बे की सार्वजनिक स्थानों पर भी नियमित रूप से पौधे लगाकर एवं पूर्व में लगे हुए पौधों की देखभाल करने की भी कार्य योजना संस्था द्वारा बनाई गई है।

# बच्चों को पिलाई गई पोलियो की दवाई



**तेज रिपोर्टर. चारणवासी।** रविवार को गांव के उप स्वास्थ्य केंद्र में अभियान के तहत एएनएम छिंद्रकौर, सोहनपाल ज्याणी, रोशनी, सुशीला, मनोहरी, धापा सहित ने पांच साल तक के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई। दिन भर में 109 बच्चों को दवा पिलाई। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने गर्मी को देखते हुए केंद्र से दूर घरों के बच्चों को घर-घर जाकर दवा पिलाई। आज भी घर-घर चिकित्सा व आंगनबाड़ी की टीमें दवा पिलाएगी। गांव रतनपुरा के राउमावि में एएनएम मनीषा पूनियां, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता संतोष शर्मा, आशा, प्रमिला, संतोष सुथार ने 80 बच्चों को दवा पिलाई।

# जब सीएमएचओ ने देखी ओपीडी



**तेज रिपोर्टर. श्रीगंगानगर।** रविवार अलसुबह सीएमएचओ डॉ. अजय सिंगला को एक कॉल आई कि यूपीएससी नंबर 2 में अभी तक चिकित्सक नहीं पहुंचे हैं। सीएमएचओ डॉ. सिंगला सेंटर के नजदीक ही थे तो सबसे पहले वहां पहुंचे और मरीजों का चेकअप शुरू कर दिया। इसके चलते उन्होंने अपना निर्धारित टूर छोड़ कर व्यवस्था संभाली। वहीं इस दौरान चिकित्सक से बात की तो जानकारी मिली कि चिकित्सक तो आई हुई हैं लेकिन वे पोलियो अभियान की व्यवस्था देख रही हैं। सीएमएचओ डॉ. सिंगला के इस कदम की स्टाफ सहित आमजन साधुवाद कर रहा है।

# सरपंच बराड़ ने पिलाई पोलियो रोधी दवा



**तेज रिपोर्टर. डींगवाला।** पंचायत मुख्यालय के बूथ संख्या 37 और 38 पर एएनएम राज कौर,शारदा देवी,सावित्री देवी,सरोज रानी आदि ने 0 से 5 वर्ष तक के छोटे बच्चों को पोलियो से बचाव की दवा पिलाकर आगामी दो दिन तक घर घर जाकर दवा से वंचित बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाने की भी जानकारी दी। वही पंचायत डबली बास कुतुब में रविवार को सरपंच जगतार सिंह बराड़ व पूर्व सहकारी समिति अध्यक्ष करनैल सिंह, हरप्रीत सिंह सहित आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओ ने दवा पिलाई।

# हेरोइन सहित दो तस्कर गिरफ्तार

**तेज रिपोर्टर. पीलीबंगा।** पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो तस्करों को 150 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया है। पकड़ी गई हेरोइन की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 75 लाख रुपये आंकी गई है। सीआई भूपसिंह सहारण ने बताया कि दोनों हेरोइन तस्करों को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर लिया है।मामले की जांच गोलूवाला थानाधिकारी रमेश पन्नू को सुपुर्द की गई है। जिला कप्तान विकास सागवान के निर्देशन में अवैध मादक पदार्थों की धरपकड़ हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई है। पुलिस टीम सीआई भूपसिंह सहारण हेड कांस्टेबल राकेश मीणा,कांस्टेबल लक्ष्मीनारायण, संदीप कुमार शामिल रहे।नशा तस्करों को पकड़ने में हेड कांस्टेबल राकेश मीणा व कांस्टेबल संदीप यादव की अहम भूमिका रही।

# राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान योजना में लोंगवाला का चयन

## - पंचायतों की एक्सपोजर विजिट वास्ते लोंगवाला को 'पंचायत लर्निंग सेंटर' के रूप में डिजिटल विकसित करने की मिलेगी राशि

तेज | रिपोर्टर पीलीबंगा

पीलीबंगा पंचायत समिति की ग्राम पंचायत लोंगवाला का चयन राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान योजना के लिए हुआ है। सरपंच सुनील क्रांति ने जानकारी देते हुए बताया कि भारत सरकार की इस योजना में ग्राम पंचायत को डिजिटल पंचायत के रूप में तैयार कर देश के अन्य राज्यों की एक्सपोजर विजिट करवाने के लिए लोंगवाला को स्थापित करने पंचायती राज मंत्रालय भारत सरकार द्वारा अनुमोदित कर प्रत्येक जिले में सर्वश्रेष्ठ कार्य करने वाली ग्राम पंचायत का चयन किया है, इसमें ग्राम पंचायतों के श्रेष्ठ कार्यों की लघु फिल्म एवं ई लाइब्रेरी, कंप्यूटर प्रशिक्षण की कंप्यूटर सिस्टम की उपलब्धता, पंचायत भवन में माइक/साउंड सिस्टम, स्मार्ट एलईडी सहित डिजिटल मिटिंग हॉल मय फर्नीचर, इन्वर्टर, पंचायत के मानचित्र, 2 केडब्ल्यू सोलर रूफटॉप सिस्टम, पंचायत सचिवालय में वर्षा जल संचयन प्रणाली के साथ-साथ पंचायत द्वारा स्वयं का फेसबुक पेज और ट्विटर पेज तैयार करने के लिए और पंचायत के विकास कार्यों पर लघु फिल्म निर्माण करने के लिए भी सोशल मीडिया विषय विशेषज्ञ की सेवाएं लेने में भी यह बजट खर्च कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त पंचायत को बाल हितैषी, वरिष्ठ नागरिक दिवस बनाने,महिला हितैषी पंचायत आदि भी सतत विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण नो विषयों में से चयनित विषय को केंद्र में रखकर ग्राम विकास योजना का निर्माण करना पड़ेगा सरपंच सुनील क्रांति ने बताया कि इसके अतिरिक्त ग्राम पंचायत को सतत विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण हेतु नो विषयों में से चयनित विषय को केंद्र में रखकर ग्राम पंचायत की विकास योजना का निर्माण करना पड़ेगा, जैसे ग्राम पंचायत को बाल हितैषी पंचायत के रूप में तैयार करना है एवं ग्राम पंचायत में वार्ड बाल प्रतिनिधि का चयन कर बाल संसद का गठन करना, बाल प्रतिनिधि के माध्यम से बच्चों से संबंधित आवश्यकताओं एवं समस्याओं को सूचीबद्ध करना एवं कार्य योजना में सम्मिलित करवाना, इसके अलावा ग्राम पंचायत को महिला हितैषी पंचायत बनाना एवं ग्राम पंचायत को डिजिटल पंचायत के रूप में स्थापित करना अर्थात पंचायत की समस्त कार्यवाही का विवरण ऑनलाइन होना, पंचायत स्तर से दी जा रही सभी सेवाओं का डिजिटल होना पंचायत में पेज एप्लीकेशन के समस्त सॉफ्टवेयर का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन, ग्राम पंचायत के वरिष्ठ नागरिकों हेतु वर्ष में एक दिवस को वरिष्ठ नागरिक दिवस के रूप में मनाना जिसमें पंचायत के वरिष्ठ महिला एवं पुरुषों को सम्मानित करना अथवा घूमाने ले जाना, इसके अतिरिक्त भी ग्राम पंचायत में विभिन्न लक्ष्य निर्धारित किए जाएंगे।

# अध्यापक की सेवानिवृत्ति पर समारोह पूर्वक विदाई

तेज. रिपोर्टर | पीलीबंगा

गांव लखासर के राज्य के उच्च माध्यमिक विद्यालय के वरिष्ठ अध्यापक सुखपाल सिंह गिल की सेवानिवृत्ति पर विद्यालय में समारोह पूर्वक विदाई दी गई। समारोह की मुख्य अतिथि ग्राम पंचायत सरपंच अमरजीत कौर रही अध्यक्षता प्रधानाचार्य जगदीश प्रसाद ने की। इस अवसर पर पूर्व प्रधानाध्यापक ओमप्रकाश गोदारा ने कहा कि सामान्य परिवार में जन्म लेने वाले सुखपाल सिंह दिल ने अपनी राजकीय सेवा का अधिक समय लखासर में दी है, इस दौरान उनके अथक मेहनत एवं समर्पण भाव से गांव के विद्यालय को कामयाबी की ऊंचाई तक पहुंचाया है। इतिहास के व्याख्याता पवन पूनिया ने कहा की सुखपाल गिल समय से पहले पहुंचने वाले अध्यापकों में से पहले अध्यापक हैं, एक आदर्श एवं प्रेरणादाई अध्यापक के रूप में इन्होंने अपनी सेवाएं दी है जो लंबे समय तक याद रखें जाएगी। पूर्व प्रधानाध्यापक शिवलाल पूनिया ने अपने कार्यकाल में मिले सहयोग को अतुलनीय बताया। वरिष्ठ अध्यापक सुरेश कुमार एवं सहायक कर्मी साहब राम ने मां संचालन के माध्यम से इनके जीवन वृत उपलब्धियां को बताया। इस मौके पर ग्राम वासियों के जनसहयोग से सेवानिवृत्ति गिल को सोने की अंगूठी भेंट की गई। गिल ने बच्चों के लिए 31000 रुपए शाला विकास फंड में दान दिए तथा पोषाहार बनाने वाले महिलाओं को नगद राशि देकर सम्मान किया। कार्यक्रम में थिराजवाला प्रधानाचार्य राजेन्द्र सिहाग, विजय भारद्वाज, संतकुमार सेतिया, पूर्व प्रिंसिपल हेतराम भादू, पूर्व सरपंच भीमसेन सहारण, संस्करण टॉक, भूप सिंह, गौशाला अध्यक्ष देवीलाल धारनियां, एडवोकेट शैलेंद्र बिश्नोई, मनोहर लाल, प्रदीप कुमार, महावीर, राजेश, संदीप, अनिल धारनियां, भूराराम, राजेंद्र अध्यापक, जगदीश, रामेश, भुप राम, पीटीआई मस्तानसिंह सहित अन्य वरिष्ठ जन उपस्थित रहे। प्रधानाचार्य जगदीश प्रसाद ने आभार प्रकट किया।

# उत्कृष्ट सेवा कार्य पर एएनएम निशा शर्मा का किया सम्मान

**तेज रिपोर्टर. पीलीबंगा।** स्वास्थ्य विभाग में 32 वर्षों तक सेवा कार्य करने वाली एएनएम निशा शर्मा का रविवार को सम्मान किया गया। नेहरू धर्मशाला में बीसीएमओ डॉ. मनोज अरोड़ा, सीएचसी प्रभारी डॉ. सुनील अग्रवाल, विधायक प्रतिनिधि रानी गोठवाल, पंचायत समिति प्रधान अमनदीप कौर बरोड़, उप प्रधान कैलाश देवी चाहर, एड.महावीर अरोड़ा, सरोज घोयल, किरयाना एसो. अध्यक्ष भूपेंद्र नागपाल सहित मौजूद जनप्रतिनिधियों ने उन्हें राजस्थानी पगड़ी पहनकर व उपहार देते हुए उनके सेवा कार्य पर उनका सम्मान किया। निशा शर्मा एएनएम एसोसिएशन की प्रदेश उपाध्यक्ष भी रह चुकी हैं।

# 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाई शत प्रतिशत बच्चों को दवा पिलाने का निर्धारित लक्ष्य

तेज. रिपोर्टर | पीलीबंगा

ब्लॉक के 162 पोलियो बूथ पर रविवार को पोलियो रोधी दवा पिलाई गई। सीएचसी में बीसीएमओं डा.मनोज अरोड़ा, सीएचसी प्रभारी डा.सुनील अग्रवाल, बीपीओ राकेश जोशी, केसी चौधरी सहित मौजूद स्टाफ सदस्यों ने बच्चों को दवा पिलाकर अभियान की शुरुआत करते हुए आमजन से भी अपने जीरो से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाने का आग्रह किया। ग्राम पंचायत प्रेमपुरा में सरपंच किरण अरोड़ा ने निर्धारित पर बच्चों को दवाई पिलाते हुए इस वैक्सीनेशन से पंचायत का कोई भी छोटा बच्चा वंचित नहीं रहे, इस बात का स्वास्थ्य कार्यकर्ता से आग्रह किया। वही ग्राम पंचायत डबली बास पेमा में एएनएम सलोचना, साथिन सुलोचना,वार्ड पंच अशोक सुथार,मनीराम आदि ने 0से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को दो बूंद पोलियो रोधी दवा पिलाई। ग्राम पंचायत डबली बास कुतुब में रविवार को पोलियो रोधी सरपंच जगतार सिंह बराड़ सरपंच व पूर्व सहकारी समिति अध्यक्ष करनेल सिंह, हरप्रीत सिंह और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओ ने पोलियो रोधी दवा पिलाई। चक 3 टी के बूथ संख्या 10 पर एएनएम नरेंद्र कौर, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पूजा रानी शीला, सुमन रानी मंजू डूडी, सतीश डूडी आदि ने पोलियो रोधी दवा पिलाई।

# मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का ब्लॉक स्तरीय संवाद कार्यक्रम आयोजित

तेज. रिपोर्टर | पीलीबंगा

पंचायत समिति सभागार में रविवार को मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का ब्लॉक स्तरीय संवाद कार्यक्रम हुआ। नायब तहसीलदार जसवंत सिंह ने बताया कि जनप्रतिनिधियों के अलावा अधिकारी, कर्मचारी एवं लगभग 200 के करीब किसान वीसी के जरिए राज्य स्तरीय कार्यक्रम में जुड़े। तहसीलदार नवीन गर्ग ने योजना के बारे में बताते हुए कहा कि सरकार द्वारा देश के छोटे एवं सीमांत किसानों के लिए इसे शुरू किया गया है। इस योजना के तहत सरकार द्वारा लाभार्थी किसानों को प्रतिवर्ष धनराशि तीन किस्तों में प्रदान की जाती है। इस किस्त की राशि हर चार महीने में दी जाती है। जो डायरेक्ट बैंक ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से किसानों के खाते में हस्तांतरित कर दी जाती है। इसके अलावा मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत भी 2000 रूपए की अतिरिक्त राशि किसानों को दी जाएगी जिसकी प्रथम किस्त के रूप में 1000 रूपए की राशि राज्य सरकार द्वारा जमा करवाई जा रही है।नायब तहसीलदार जसवंत सिंह एवं गोलूवाला के नायब तहसीलदार राम नरेश मीणा ने किसानों को योजना प्रक्रिया के बारे में बताया। इस मौके पर जीत राम बारूपाल, क्षेत्र के समस्त पटवारी, गिरदावर एवं राजस्व विभाग से जुड़े हुए कार्मिक और अधिकारी भी मौजूद रहे।

# राज्य सरकार से की वेतन वृद्धि रोकने संबंधी आदेश पर रोक लगाने की मांग

तेज. रिपोर्टर | पीलीबंगा

राजस्थान शिक्षा संघ शेखावत जिला शाखा ने राज्य सरकार से मांग कर अचल संपत्ति विवरण नहीं भरने वाले कर्मचारियों की वेतन वृद्धि रोकने संबंधी आदेश पर रोक लगाने की मांग की है।जिलध्यक्ष मनोहर लाल बंसल तथा जिला मंत्री रामनिवास ने बताया कि गत दिनों 3 वर्षो 2021, 2022 तथा 2023 के अचल संपत्ति विवरण आईपीआर ऑनलाइन नहीं भरने वाले कार्मिकोंके वेतन वृद्धि स्वीकृत करने संबंधी सूचना मांगी गई है। बंसल ने बताया कि कि बहुत से कार्मिक जो इन वर्षो में किन्हीं कारणों सेअपना अचल संपत्ति विवरणऑनलाइन नहीं कर पाये हैं उनको इसका पुनः अवसर प्रदान हुए उनके वेतन वृद्धि रोकने संबंधी आदेश पर रोक लगाई जावे।

# कस्बे में आज से प्रारंभ होगा पौधारोपण अभियान

तेज. रिपोर्टर | पीलीबंगा

कस्बे के को हरा भरा बनाने के उद्देश्य से मिशन ग्रीन संस्था द्वारा सोमवार से पौधारोपण अभियान शुरू होगा। संस्था अध्यक्ष वैध ओमवीर सिंह राघव एवम सचिव नितेश गर्ग ने बताया कि सोमवार को नई बस स्टैंड के सामने फोरलेन मार्ग के डिवाइडर पर बीसीएमओ डॉ. मनोज अरोड़ा सीएचसी प्रभारी डा.सुनील अग्रवाल सहित मौजूद अतिथियों द्वारा पौधे लगाकर इस अभियान की विधिवत रूप से शुरुआत की जाएगी। अभियान को लेकर संस्था ने समस्त तैयारियां पूर्ण करते हुए मानसून से पूर्व ही गड्ढे खोदने एवं खाद/बीज, पौधे आदि की समुचित व्यवस्था करते हुए लगभग 5000 से अधिक पौधे ग्रामीण एवम शहरी क्षेत्रों के सार्वजनिक स्थलों पर लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

# मनुष्य को परम सत्ता में विश्वास रखते हुए हमेशा सत्कर्म करते रहने चाहिए: विचारक गोविंद सिंह

तेज. रिपोर्टर | पीलीबंगा

मनुष्य को परम सत्ता में विश्वास रखते हुए हमेशा सत्कर्म करते रहने चाहिए। सत्कर्म करने के लिए सत्संग व कथा सुनाना आवश्यक है! यह बात रविवार को संत निरंकारी मिशन द्वारा आयोजित संत समागम में प्रबुद्ध विचारक गोविंद सिंह (गोलूवाला) ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कही।संत गोविंद सिंह ने फरमाया कि सत्संग सदैव हमें भलाई के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करती है। भगवान की भक्ति करने के लिए कोई उम्र का बंधन नहीं है। बच्चों को छोटी उम्र से ही भक्ति करने की प्रेरणा देनी चाहिए। बचपन चाक पर रखी मिट्टी की तरह होता है। उसे जैसा चाहे पात्र बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति को बिना निमंत्रण के किसी कार्यक्रम में जाने से पहले यह विचार अवश्य करना चाहिए कि वहां उसके इष्ट का अपमान तो नहीं होगा। ऐसा होने की आशंका हो तो उस स्थान पर जाने का विचार त्याग देना चाहिए। इसी प्रकार जहां भी संतों का साथ मिले अवश्य करते हुए सत्संग का लाभ उठाना चाहिए क्योंकि जहां संत होंगे वहां सत्य और प्रेम की बात अवश्य होगी। संत ने कहा कि जीव जैसे कर्म करता है वैसा ही फल प्राप्त करता है। जब तक जीव गर्भ में रहता है वह बाहर निकलने के लिए छटपटाता है। गर्भ से बाहर निकलने के लिए ईश्वर से प्रार्थना करता है और उनके प्रकार के वायदे करता है, लेकिन जन्म लेने के पश्चात सांसारिक मोह जाल में फंसकर रह जाता है, इसलिए जन्म मृत्य के बंधन से छुटकारा पाना है तो ईश्वर की भक्ति करनी पड़ेगी। उन्होंने लालच, द्वेष्टा को छोड़कर प्रेम, सहानुभूति को अपनाने का लक्ष्य मन में रखने की सीख भी दी। ब्लॉक मीडिया सह प्रभारी प्रशांत आहूजा ने बताया कि सदुरु माता सुदीक्षा महाराज की कृपा से इस संत समागम में पीलीबंगा ब्लॉक सहित आसपास के ग्रामीण इलाकों की साध संगत शिरकत किया। सत्संग में निरंकारी मिशन द्वारा करवाए जा रहे सामाजिक सरोकारों की जानकारी देकर श्रद्धालुओं को जीवन पर्यंत मानवता भलाई के कार्य करने की सीख भी दी गई। इस मौके पर किरण जग्गा, डॉ.चंद्र प्रकाश, मनप्रीत सिंह, जितेंद्र गिरधर, समता आहूजा, संदीप सलूजा, जितेंद्र सक्सेना आदि ने भी संबोधित किया। ब्लॉक मुखी डॉ. इंद्रजीत आहूजा ने मिशन के कार्यों के बारे में बताया।इस अवसर पर बीते रविवार को हनुमानगढ़ में आयोजित बाल समागम में भाग लेने वाले ब्लॉक के बच्चो को सम्मानित भी किया गया।बता दे कि इस बाल समागम की अध्यक्षता डा.गुरचरण सिंह (बठिंडा) ने की थी।

# डेरा सच्चा सौदा की नाम चर्चा हुई मानवता भलाई के कार्यों की दी सीख



**तेज रिपोर्टर. पीलीबंगा।** डेरा सच्चा सौदा की रविवार को नाम चर्चा हुई। कविराज लेखराम, भगवान सिंह भागीरथ, धन्ना सिंह, निखिल कुमार, सुखदेव सिंह, कश्मीर सिंह, सतीश कुमार मित्तल, सरजीत सिंह सोनू, निशांत कुमार, सुखदेव सिंह रुपाणा, गोपाल राम इंसा, बलवंत सिंह, बूटा सिंह, जगजीत सिंह,मनप्रीत सिंह,जीत सिंह,बलदेव सिंह,जम्मू सिं आदि कविराज सहित डेरा की सुजान बहनों ने भजनों के माध्यम से गुरु की महिमा का बखान किया।जिम्मेवार भाईयो ने डेरा की हिदयातो को बताते हुए हमेशा मानवता भलाई के कार्य करने की सीख देते हुए डेरा द्वारा आयोजित कार्यों की बारे में बताया गया। हरिकृष्ण नारंग (डबली राठान) ने ग्रंथ में से व्याख्या पढ़कर सुनाई। नाम चर्चा में अहमदपुरा, डींगवाला, 25 और 27 पीबीएन, चक जहाना, सुंदर सिंह वाला, सर्रावावाला,45 एनडीआर, पंडितावाली, अमरपुरा ढाणी, बड़ोपल आदि की साध संगत ने भी भाग लिया। वही अशोक राजपुरोहित ने बताया कि 11 जुलाई गुरुवार को शाम 8 बजे पीलीबंगा डेरा से 3 दिन की सेवा के लिए बस कोलायत डेरा तक जाएगी।जहां से सेवा के उपरांत श्रद्धालुओं को लेकर बस की 14 जुलाई रविवार को वापसी होगी। पीलीबंगा ब्लॉक की 3 दिन की सेवा रहेगी एवं आने-जाने के लिए निःशुल्क व्यवस्था की गई है। आगामी ब्लॉक स्तरीय नामचर्चा 7 जुलाई रविवार को कस्बे के डेरा सच्चा सौदा के मानवता भलाई केंद्र में प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक होगी।

# मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का शुभारंभ

## » 1 लाख 89 हजार 188 किसानों के खातों में 18 करोड़ रुपए 91 लाख 88 हजार रुपए हस्तांतरित

तेज | रिपोर्टर हनुमानगढ़

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ''खुशहाल किसान, समृद्ध राजस्थान'' ध्येय को साकार करने की दिशा में किसानों को बड़ी सौगात दी हैं। मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का टोंक जिले से शुभारंभ कर पात्र 65 लाख से अधिक किसानों के बैंक खातों में 650 करोड़ रुपए हस्तांतरित किए। इसमें प्रति किसान एक-एक हजार रुपए डीबीटी किए गए। जिला हनुमानगढ़ में योजना के तहत 1 लाख 89 हजार 188 किसानों के खातों में 18 करोड़ रुपए 91 लाख 88 हजार रुपए भेजे गए हैं। मोबाइल पर प्राप्त मैसेज देखकर किसानों ने मुख्यमंत्री का धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि बढ़ी राशि से कृषि कार्यों में मदद मिलेगी। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के लाभार्थी किसानों को इस योजना का लाभ मिला है। उन्हें अभी पीएम निधि योजना से प्रतिवर्ष 6000 रुपए राशि का भुगतान किया जा रहा है। अब मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में भी राज्य सरकार लाभार्थी किसानों को प्रतिवर्ष तीन किश्तों में 2000 रुपए हस्तांतरित करेगी। इस राषि में से प्रथम किश्त के रूप में 1000 रुपए रविवार को डीबीटी किए गए हैं। इस प्रकार अब लाभार्थी किसानों को प्रतिवर्ष कुल 8000 रुपए प्राप्त होंगे। राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री ने ब्याज मुक्त 350 करोड़ रुपए के अल्पकालीन फसली ऋण देकर भी किसानों का सम्मान किया। सहकारिता विभाग हनुमानगढ़ के वरिष्ठ प्रबंधक (प्रशासन) संजय शर्मा ने बताया कि जिले को 15 करोड़ रुपए का लक्ष्य दिया गया है। इसमें शाम 4 बजे तक 1196 किसानों को केन्द्रीय सहकारी बैंकों के जरिए 4.48 करोड़ रुपए के ब्याजमुक्त अल्पकालीन फसली ऋण दिए गए। मुख्यमंत्री ने फॉर्म पौंड के लिए 20 हजार आवेदकों की भी ऑनलाइन लॉटरी निकाली।

### थालड़का में खुलेगा कस्टम हायरिंग सेंटर

मुख्यमंत्री शर्मा ने जिले की नोहर पंचायत समिति को सौगात दी हैं। यहां की ग्राम सेवा सहकारी समिति थालड़का में कस्टम हायरिंग सेंटर खुलेगा। राज्य सरकार 8 लाख रुपए का अनुदान देगी, जिसमें 2 लाख रुपए समिति स्वयं मिलाकर कृषि यंत्र खरीदेगी। यह यंत्र किसानों को सस्ती दरों पर किराये में उपलब्ध कराए जाएंगे। इसमें एक ट्रेक्टर भी खरीदा जाएगा।

### अम्बेडकर भवन में जिला स्तरीय समारोह

जिला स्तरीय समारोह राजीव गांधी स्टेडियम के पास डॉ. भीमराव अंबेडकर भवन में आयोजित हुआ। यहां विधायक गणेश राज बंसल, नगर परिषद सभापति सुमित रिणवा, पूर्व विधायक धर्मेंद्र मोची, जनप्रतिनिधि देवेंद्र पारीक, बलवीर विश्नोई, अमित साहू, जिला कलेक्टर कानाराम, मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुनीता चौधरी, नगर परिषद आयुक्त सुरेंद्र सिंह यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे। सहकारिता विभाग से अतिरिक्त अधिशाषी अधिकारी सुअंशु सहारण, कार्यकारी निरीक्षक इंद्रजीत विश्नोई, विशेषज्ञ लेखा परीक्षक शिवकुमार पेड़ीवाल, उद्यानिकी विभाग से उपनिदेशक रमेश चंद बराला, कृषि विभाग से आत्मा परियोजना उपनिदेशक सुभाष डूडी, सहायक निदेशक बी.आर. बाकोलिया उपस्थित थे। साथ ही, बड़ी संख्या में लाभार्थी किसान, कृषि पर्यवेक्षक, कृषक मित्र, किसान उत्पादक संगठन, प्रगतिशील किसान उपस्थित थे। जिला स्तरीय कार्यक्रम को राज्य स्तरीय कार्यक्रम से वीसी के जरिए जोड़ा गया। वीसी से ब्लॉक व पंचायत स्तर पर भी किसान शामिल हुए।

# क्रिकेट के अब हम सिकन्दर

लगे हाथ

रूपसिंह राजपुरी

मो. 99283-31870

शनिवार रात दक्षिण अफ्रीका को हराकर कर भारतीय टीम सीमित ओवरों की विश्व क्रिकेट प्रतियोगिता की चैंपियन बन गयी । यह शानदार पल था । हार जीत अंत तक थाली के बैंगन सी डोलती रही । विपक्षी टीम का कोई विकेट गिर जाता तो पलड़ा हमारा भारी लगता ,कलासन जैसा खिलाड़ी दमदार बाउंड्री मारता तो लगता कुए के पास आ कर हम प्यासे रह जायेंगे। पूरा देश आधी रात तक सोया नहीं सब को उम्मीद थी कि इस बार तेरह साल बाद फिर से हम चैंपियन बनेगें क्योंकि टीम पूरे टूर्नामेंट में बहुत बढ़िया खेलती रही है किसी से हारी नहीं। उन्नीस सौ तिरासी में हम वन डे में चैंपियन बने थे तब कपिल देव कैप्टन थे उस मैच की कमेंट्री रेडियो पर सुनी थी तब टीवी का इतना चलन न था। उसके बाद दो ही बार दो हजार सात व ग्यारह में ट्वेन्टी टवेंटी में हम विश्व विजेता बन सके जबकि आस्ट्रेलिया सात बार यह खिताब जीत चुका है । पिछले तेरह साल से जीत के करीब आकर हार रहे थे । दक्षिण अफ्रीका की टीम को बहुत बाद में विश्व बिरादरी में शामिल किया गया जब उसे स्वतंत्रता मिली और रंगभेद की नीति वहां से समाप्त हुई । गोरे शासक वहां मूल नागरिकों के साथ अमानवीय व्यवहार करते थे। जिस सड़क पर गोरों की गाड़ियां चलती थीं उस पर कालों को पैदल चलने की भी छूट न थी। उनके लिये सड़क से नीचे पैदल रास्ता रहता था। जिन होटलों में गोरे खाना खाते उसकी दीवार के भी हाथ लगा देने पर कालों को भयंकर सजा दी जाती थी। आजादी के लिये सत्ताईस साल जेल में रहने वाला अश्वेत नेता नेल्सन मंडेला वहां का राष्ट्रपति बना तो परिस्थितियां बदलीं। उससे पहले भारत समेत अनेक देशों ने उस देश से राजनीतिक सम्बन्ध तोड़ रखे थे। भारतीय पासपोर्ट पर भी लिखा रहता था दक्षिण अफ्रीका को छोड़कर अन्य देशों के लिये मान्य। परन्तु वहां की टीम प्रतिबंधों के बावजूद देश के भीतर तैयारी करती रही जब पाबंदी खत्म हुई उन्हें अन्य देशों जे साथ खेलने की इजाजत मिली तो वहां की टीम ने तहलका मचा दिया इस बार वह टीम पहली बार अपराजित रहते हुए फाइनल में भारत के सामने लड़ी ,खूब लड़ी लेकिन जीत उनके भाग्य में नहीं भारत के हिस्से आई । देश में दो तीन दिन से एक लतीफा सोशल मीडिया पर तैरता रहा कि हमने आस्ट्रेलिया, इंग्लैंड ,पाकिस्तान से अपनी हार का बदला उन्हें अच्छी तरह धोकर ले लिया लेकिन दक्षिण अफ्रीका से किस बात का बदला लिया जाये। उत्तर यही रहा कि वहां के गोरों ने गांधी जी को ट्रेन से उतारा था बस इसी बात को लेकर वहां की टीम को रगड़ कर धोया जाये। हमारी टीम ने जनभावना के अनुकूल एक सौ चालीस करोड़ देशवासियों को जीत का तोहफा दिया है। हमारे राष्ट्रपति, प्रधान मंत्री, गृह मंत्री और संसद में नेता प्रतिपक्ष ने भी मैच देखा होगा तभी तो टीम को शाबाशी दी है। इस बार यह टूर्नामेंट अमेरिका में हुआ ।अब तक अमेरिका में क्रिकेट टीम नहीं हुआ करती थी । वे ओलम्पिक में सबसे ज्यादा गोल्ड मैडल जीतते रहे हैं लेकिन क्रिकेट नहीं खेलते थे। अमेरिका ही नहीं तमाम विकसित देश इससे दूर रहे हैं रूस, चीन, जापान, कनाडा, जर्मनी, इटली, फ्रांस या अरब देशों आदि में क्रिकेट का चलन नहीं रहा। यह अंग्रेजों के अधीन रहे देशों में ज्यादा लोकप्रिय रही। इंग्लैंड के अलावा भारत, पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज, जिम्बाब्वे, आस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, आयरलैंड आदि देशों में इसकी दीवानगी रही। विकसित देश जानते थे पांच दिनों तक पूरा देश काम छोड़कर रेडियो या टीवी के आगे बैठा रहता है और कई बार हार जीत भी नहीं होती नतीजा ड्रा रहता है। वे मिनटों सेकिण्टों में रिजल्ट देने वाले खेलों यथा दौड़, हॉकी, बॉक्सिंग, घुड़दौड़, तैराकी, टेनिस, तीरंदाजी, रग्बी, गोल्फ, वेसबॉल कुश्ती,आदि को महत्व देते रहे। ज्यादा से ज्यादा फुटबॉल वॉलीवाल खेलते रहे परन्तु वर्षों तक क्रिकेट से दूर रहे। दक्षिण अमेरिका के करेबियाई प्रांत वेस्टइंडीज के नाम से सामूहिक टीम बनाकर अच्छी क्रिकेट खेलते रहे है। कारण यहां भारी संख्या में भारतीय मूल के गिरमिटिया लोग रहते हैं जिन्हें गन्ने की खेती में काम करने के लिये अंग्रेज ले गये थे। समय बदलता रहता है। अब अमेरिका में भी युवाओं में केकेट के प्रति दिलचस्पी पैदा हुई है। कुछ स्थानीय कुछ प्रवासी नागरिकों को लेकर टीम बना ली और इस बार के विश्व टूर्नामेंट में अमरीका ने अच्छी उपस्थिति दर्ज करवाई है। टेस्ट क्रिकेट समय की बर्बादी लगी तो इसके प्रारूप बदल गये। वन डे और बीस ओवरों की क्रकेट ज्यादा लोकप्रिय हुई। एक ही दिन में रिजल्ट आने लगे और पैसा भी बरसने लगा। भारत का बीसीसीआई दुनिया का धनाढ्य क्लब है। जिसे इनकम टैक्स नहीं देना पड़ता। वह खिलाड़ियों को पेंशन और अपने पदाधिकारियों और अधिकारियों को अविश्वसनीय वेतन भत्ते दे रहा है। इस बोर्ड ने करोना काल में खिलाड़ियों की जान जोखिम में डालकर भी आईपीएल करवाया। दर्शक मैदान में नहीं थे टीवी पर घर बैठे मैच देखे। कम्पनियों से विज्ञापन के नाम पर खूब पैसा लिया गया। इस बोर्ड का अध्यक्ष बनने के लिये लोग पैसा पानी की तरह बहाते हैं। बाद में वेतन भत्तों के माध्यम से वसूलते भी हैं ।ऐसी ऐसी वेकेंसियां हैं कि अपनों को उपकृत करने के बहुत तरीके हैं। सलाहकार पद पर नियुक्त पूर्व खिलाड़ी को करोड़ों रुपये सालाना का पैकेज दिया जाता है। बैठक भत्ता ही निहाल कर देता है। हवाई सफ़र और टीए, डीए ही बहुत बन जाता है। खिलाड़ी जब तक इन पदाधिकारियों की नजरों रहता है उस पर धनवर्षा होती है जैसे उनके मन से उतरा बढ़िया फार्म के बावजूद घर बैठा दिया जाता है। बाद में छोटे मोटे विज्ञापन करने पड़ते हैं ।खैर वर्तमान टीम बहुत सन्तुलित थी कठिन परिस्थितियों में भी विचलित नहीं हुई। धैर्य के साथ खेली और सफलता पाई। बधाई की हकदार है। रोहित शर्मा और विराट कोहली अभी कुछ साल और खेल सकते हैं उन्हें अपने सन्यास पर पुनर्विचार करना चाहिये।

# दो कन्याओं का सामूहिक विवाह

## » नवदुर्गा युवा सेवा समिति का आयोजन

तेज | रिपोर्टर हनुमानगढ़

जंक्शन की नवदुर्गा युवा सेवा समिति की ओर से रविवार को सामूहिक विवाह कार्यक्रम की आयोजन नई धान मंडी स्थित नव दुर्गा मंदिर धर्मशाला में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जरूरतमंद परिवारों की दो कन्याओं का सामूहिक विवाह सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में पहुंचे विधायक गणेश राज बंसल व मंडी के व्यापारियों ने वर-वधू को आशीर्वाद दिया। विवाह में बेटियों को रोजमर्रा में उपयोग में आने वाली घरेलू सामग्री उपहार स्वरूप भेंट की गई। समिति संरक्षक प्यारेलाल बंसल ने बताया कि समिति की ओर से पिछले 26 वर्षों से सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन करवाया जा रहा है। इस वर्ष 9 कन्याओं के सामूहिक विवाह करवाने की व्यवस्था की गई थी। जांच में दो आवेदन सही पाए जाने पर दो परिवारों की कन्याओं का सामूहिक विवाह करवाया गया। उन्होंने बताया कि समिति की ओर से जागरण से एकत्रित राशि से यह कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। सामूहिक विवाह कार्यक्रम में सर्वप्रथम बारात का स्वागत किया गया। इसके बाद आशीर्वाद समारोह हुआ। एक बेटी का विवाह आनंद कारज करवाकर जबकि दूसरी बेटी का विवाह फेरे करवाकर सम्पन्न करवाया गया। इसके पश्चात विदाई कार्यक्रम हुआ।

इस आयोजन में समिति संरक्षक प्यारेलाल बंसल के अलावा नरेंद्र गर्ग, अशोक मोंगा, मनोज गर्ग, राजेश गर्ग, पवन गर्ग, सुदर्शन गोयल, सुरेश निनानिया, सुमंत गर्ग, सुरेश कटारिया, विकास मित्तल, राजेश गुप्ता, गुरचरण सिंह, हैप्पी धूड़िया, राजकुमार गोयल, दौलतराम शाक्य, जोनी सिंगला, कमल बंसल, सुरेन्द्र बलाड़िया, रमन गर्ग, तरसेम आदि का सहयोग रहा।

# फलोद्यान के रेखांकन एवं प्रबंधन विषय पर कार्यक्रम का समापन

तेज | रिपोर्टर नोहर

केवीके के परिसर नोहर मे 'फलोद्यान के रेखांकन एवं प्रबंधन' विषय पर चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. सुरेशचंद कांटवा ने किसानों को सम्बोधित करते हुए बताया कि फलोद्यान लगाना एक स्थायी एवं दीर्घकालीन नियोजन है इसलिए इसके लिए स्थान का चुनाव अति महत्वपूर्ण है। प्रत्येक फलवृक्ष के लिए एक निश्चित जलवायु की आवश्यकता होती है। स्थान विशेष की जलवायु के अनुसार ही फलवृक्षों का रोपण किया जाता है। जैसे- शुष्क एवं गर्म जलवायु में खजूर, बेर, अनार, नीम्बू, अमरुद, बील आदि लगाये जाते है। कार्यक्रम में, डॉ. गुलाब चौधरी, बागवानी विशेषज्ञ ने किसानों के साथ फलोद्यान स्थापना के सिद्धांतों एवं रोपण की विधियों, फलोद्यान में संधाई व कटाई-छंटाई, फलोद्यान में अफलन की समस्याएं एवं समाधान, फलोद्यान में विभिन्न पादप वृद्धि नियंत्रको के उपयोग और फलोद्यान में पोषक तत्व प्रबंधन आदि के बारे में विस्तार से चर्चा की। फलवृक्षों के आकार के आधार पर रोपण के एक माह पूर्व गड्ढों को खोद कर खुला छोड़ना चाहिए। डॉ. गुलाब चौधरी ने फलोद्यान के लिए स्थान का चुनाव, जलवायु, भूमि, धरातल व स्थिति, सिंचाई और जल निकास के बारे में चर्चा की। इसके लिए समय-समय पर आवश्यकतानुसार सिंचाई, खरपतवारों को निकालना, खाद एवं उर्वरक देना, उर्वरक प्रयोग के बाद हल्की सिंचाई करना आवश्यक है। प्रशिक्षण के दौरान किसानो को प्रायोगिक तौर पर फलोद्यान का रेखांकन करना भी बताया गया। इस कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र नोहर के पशु विज्ञान विशेषज्ञ डॉ. विक्रमजीत सिंह, विशेषज्ञ डॉ. अशोक चौधरी, अक्षय घिंटाला उपस्थित थे।

# मन की बात कार्यक्रम का प्रसारण

तेज | रिपोर्टर हनुमानगढ़

तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बनने के पश्चात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार के दिन फिर से मन की बात की। रविवार को जंक्शन के सेक्टर 12 स्थित सामुदायिक भवन में नगर परिषद सभापति सुमित रणवां के नेतृत्व में आधुनिक स्क्रीन लगाकर वार्डवासियों व भाजपा कार्यकर्ताओं ने मन की बात का प्रसारण सुना। पीएम मोदी ने अपनी मन की बात के जरिए देश के हर लोगों के दिलों को छुआ और उनकी उपलब्धियों को जनता को बताया। सभापति सुमित रणवां ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संपूर्ण कार्यक्रम में देशवासियों से एक वृक्ष मां के नाम पर लगाने का आह्वान किया है। इसके तहत देश के करोड़ों लोगों ने वृक्षारोपण किया। सभापति ने कहा कि पीएम मोदी ने जिस प्रकार से अपने तीसरे कार्यकाल को ग्रहण किया है। उससे देश नई ऊंचाइयां छूएगा और विकास के पथ पर अग्रसर होगा। इस मौके पर सुरेश चंद्र शर्मा, चिरंजीत परमार, रतन लाल शास्त्री, अमर सिंह, फतेह सिंह झाझड़िया, रमेश तिवाड़ी, आरके वर्मा, प्रदीप महर्षि, प्रेम दायमा, अनुज शर्मा, नितिन तिवाड़ी, प्रवीण परमार, भारत भूषण कौशिक, देवीलाल शर्मा, अमित सेतिया, अमन गुप्ता, शेरपाल सिंह आदि मौजूद थे।

# शौर्य चक्र से शहीद मेजर विकास भाम्भू की शहादत का होगा सम्मान

तेज | रिपोर्टर हनुमानगढ़

जिले के गांव रामपुरा तहसील टिब्बी निवासी शहीद मेजर विकास भाम्भू की शहादत का शौर्य चक्र से भारत के राष्ट्रपति द्वारा किया जाएगा सम्मान। शहीद मेजर विकास भाम्भू भारतीय सेना में अपनी सेवाएं देते हुए 21 अक्टूबर 2022 को अरुणाचल प्रदेश में शहीद हो गए। शहादत से पूर्व दी गई सेवाओं के लिए उन्हें 'सेना मेडल' से पूर्व में सम्मानित किया गया था भारतीय सेना में दी जा रही अपनी सेवाओं के दौरान अन्तिम क्षणों तक उनके द्वारा दिए गए अभूतपूर्व साहस के परिचय के लिए शौर्य चक्र से सम्मानित किए जाने का निर्णय भारत सरकार द्वारा लिया गया था। जिसके अनुक्रम में भारत के महामहिम राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू द्वारा 'शौर्य चक्र' से उनकी शहादत का सम्मान किया जाएगा। इस दौरान भारत के महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, आर्मी चीफ एवं सैन्य अधिकारियों की मौजूदगी में उक्त समारोह आयोजित होगा। इस समारोह में शहीद मेजर विकास भाम्भू के पिता भागीरथ भाम्भू, माता सुखवंती देवी, शहीद की धर्मपत्नी श्रेया चौधरी आदि उपस्थित होकर उक्त सम्मान को ग्रहण करेंगे। इस समारोह के लिए शहीद के परिवार को 3 जुलाई को दिल्ली आने के लिए आमंत्रित किया गया है, जिसमें 4 जुलाई को वार मैमोरियल इंडिया गेट पर आर्मी चीफ के द्वारा सम्मानित किया जाएगा व 5 जुलाई को राष्ट्रपति भवन में सम्मान समारोह आयोजित होगा जिसमें महामहिम राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री एवं आर्मी चीफ की मौजूदगी में उक्त शौर्य चक्र प्रदान कर शहीद की शहादत का सम्मान होगा व उसके उपरांत शाम को रक्षा मंत्री द्वारा रात्री भोज का आयोजन होगा। यह सम्पूर्ण कार्यक्रम 3 जुलाई से 7 जुलाई तक चलेगा। शहीद मेजर विकास भाम्भू की 32 वर्ष की अल्प आयु में शहादत हो गई थी जिनकी शहादत को क्षेत्र के युवाओं व आमजन ने प्रेरणा स्रोत के रूप में देखते हुए उनकी शहादत को अथा सम्मान दिया। शहीद मेजर विकास भाम्भू की शहादत को गांव गांव व शहर शहर सम्मान मिलता रहा है।

# एकता मंच ने लगाया निःशुल्क शुगर जांच शिविर

## » 105 जनों ने करवाई निःशुल्क शुगर जांच

तेज | रिपोर्टर हनुमानगढ़

स्वयंसेवी संस्था एकता मंच की ओर से चलाए जा रहे शुगर जागरूकता अभियान के तहत रविवार को जंक्शन के सुरेशिया में पुलिस चौकी के पास स्थिल गोल पार्क में निःशुल्क शुगर जांच शिविर लगाया गया। शिविर में 105 महिला और पुरुषों ने शुगर की जांच करवाई और उन्हें मौके पर ही निशुल्क जांच रिपोर्ट दी गई। शिविर सुबह साढ़े छह बजे से आठ बजे तक लगाया गया। एकता मंच के शिविर के प्रभारी पारस गर्ग एवं उप प्रभारी हेमन्त गोयल ने बताया कि एकता मंच ने शुगर रोग के बढ़ रहे प्रकोप के मद्देनजर निःशुल्क शुगर जांच अभियान शुरू किया हुआ है। इसके तहत प्रत्येक रविवार शहर के एक पार्क में जा कर सुबह साढ़े छह बजे से आठ बजे तक निःशुल्क शुगर की जांच की जाती है और शुगर रोग को लेकर जागरूक किया जाता है। इस वर्ष फरवरी माह से किए गए इस अभियान में अब तक उन्नीस शिविर लग चुके हैं। इस कार्य में जंक्शन की नेशनल लैब एवं टाउन की रिलायबल लैब और निदेशक दिनेश गुप्ता का सहयोग रहता है। रविवार को आयोजित शिविर में अतिथियों ने एकता मंच के सामाजिक सरोकारों की सराहना की और बढ़ते शुगर रोग पर अंकुश पाने के लिए निःशुल्क शुगर जांच शिविर को महत्वपूर्ण बताया। शिविर में एकता मंच उपाध्यक्ष हेमंत गोयल, उपाध्यक्ष राजेश मिढ़ा, पारस गर्ग, पूर्व अध्यक्ष गुरदीप सिंह, पूर्व अध्यक्ष श्रीप्रकाश शर्मा, पूर्व अध्यक्ष गणेश सोलंकी, दिनेश गुप्ता, दीपक अग्रवाल, हरपाल गर्ग, सतीश गोयल, संजीव गोयल, मनोज प्रजापत, मनमोहन गर्ग, रविंद्र डालमिया, भवानी शंकर शर्मा, पार्षद हेम सिंह और पूर्व पार्षद जसपाल सिंह शामिल हुए।

# राजस्थानी का संरक्षण-संवर्धन करना नैतिक जिम्मेदारी

तेज | रिपोर्टर हनुमानगढ़

धार्मिक नगरी एवं राजस्थानी साहित्य में अपनी अलग पहचान रखने वाले शहर रावतसर के राजकीय महाविद्यालय को अब जल्द ही राजस्थानी विषय की सौगात मिलने वाली है। पूर्व विधायक एवं भाजपा प्रत्याशी धर्मेंद्र मोची ने उच्च शिक्षा मंत्री एवं उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा को पत्र लिखकर जल्द से जल्द राजकीय महाविद्यालय रावतसर में राजस्थानी विषय पुनः स्वीकृति करने की बात कही है। उन्होंने बताया कि पिछली सरकार की ओर से महाविद्यालय में सात ऐच्छिक विषयों में शामिल राजस्थानी विषय प्रारंभ कर प्रवेश के समय हटा दिया गया था जो विद्यार्थी हितों पर कुठाराघात था। राजस्थानी हमारी मातृभाषा है इसका संरक्षण एवं संवर्धन करना हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी है। अब पुनः राजस्थानी विषय की सौगात छात्र-छात्राओं को मिलने वाली है। साथ ही आने वाले समय में पीलीबंगा विधानसभा क्षेत्र के अधिक से अधिक राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों में राजस्थानी विषय प्रारंभ किए जाएंगे ताकि नई शिक्षा नीति के अन्तर्गत बालक की प्राथमिक शिक्षा उसकी मातृभाषा राजस्थानी में करवाने के लिए शिक्षक तैयार हो सके।

# इंद्राज सिंह राईका ओबीसी मोर्चा के संयोजक नियुक्त

**हनुमानगढ़।** भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता इंद्राज सिंह राईका को भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष चंपालाल गेदर के निर्देशानुसार हनुमानगढ़ ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष पवन बागोरिया ने इन्दाज सिंह को खुईया मंडल का संयोजक नियुक्त किया गया है। लंबे समय से इंद्राज सिंह के पिता स्व. भोपाल सिंह राईका भाजपा से पूर्व पंचायत समिति नोहर के सदस्य रह चुके हैं पिता के बाद पुत्र भी भारतीय जनता पार्टी के प्रति निष्ठावान रहे है वे पार्टी के प्रत्येक कार्यक्रमों में बढ़कर अपनी भागीदारी निभाते हैं उनकी इसी निष्ठा व लंबे समय से पार्टी जुड़ाव को देखते हुए पार्टी ने उन्हें नई जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने कहा है कि पार्टी की ओर से उन्हें जो दायित्व दिया गया है वह उसकी पूरी ईमानदारी व निष्ठा के साथ निर्वहन करेंगे उनकी नियुक्ति पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने खुशी व्यक्त की।

# मानसून में अधिकाधिक पौधारोपण का आह्वान

## » पार्टी स्तर पर की जाने वाली गतिविधियों में हिस्सा लें कार्यकर्ता : तंवर

तेज | रिपोर्टर हनुमानगढ़

भारतीय जनता पार्टी नगर मण्डल हनुमानगढ़ जंक्शन की ओर से रविवार को सिविल लाइन बूथ संख्या 69 भाजपा जिला कार्यालय में मण्डल अध्यक्ष प्रकाश तंवर की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक के मुख्य अतिथि जिलाध्यक्ष देवेंद्र पारीक, मन की बात अभियान के जिला संयोजक गौरव जैन थे। बैठक की शुरुआत में सभी कार्यकर्ताओं ने टीवी पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात का लाइव एपिसोड सुना। इसके बाद हुई बैठक में जिलाध्यक्ष देवेंद्र पारीक ने कार्यकर्ताओं से इस मानसून में अधिक से अधिक पौधे लगाने का आह्वान किया। मण्डल अध्यक्ष प्रकाश तंवर ने कार्यकर्ताओं से पार्टी स्तर पर की जाने वाली गतिविधियों में अधिक से अधिक संख्या में हिस्सा लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत नगर मण्डल हनुमानगढ़ जंक्शन की ओर से अधिक से अधिक पौधारोपण कर रिकॉर्ड कायम किया जाएगा। इसके अलावा जंक्शन मण्डल के अलग-अलग शक्ति केन्द्रों पर मन की बात कार्यक्रम आयोजित किए गए। मण्डल महामंत्री प्रवीण सिंह परमार की ओर से शक्ति केन्द्र सेक्टर 12 में सामुदायिक केन्द्र में, मण्डल मंत्री अशोक शर्मा की ओर से गांधीनगर शक्ति केन्द्र में, मण्डल मंत्री राकेश गोयल अर्जुन विमल की ओर से पुरानी खुंजा में कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला मीडिया प्रभारी महेश शर्मा, मण्डल महामंत्री राजन अरोड़ा, भाजपा जिला कार्यालय प्रभारी गुरविंद्र मान, उपाध्यक्ष सौरभ अरोड़ा, युवा मोर्चा मण्डल अध्यक्ष अपरजोत बराड, ओम आसोपा, विशु वर्मा, प्रदीप बिस्सा, हैरी वर्मा आदि मौजूद थे।

## लव सॉन्ग धीरे धीरे के लिए साथ आए पारस कलनावत और मन्नारा चोपड़ा

एक्टर पारस कलनावत और मन्नारा चोपड़ा पहली बार लव सॉन्ग धीरे-धीरे के लिए एक साथ आए हैं। यह सॉन्ग दर्शकों को रोमांस और शांति की दुनिया में ले जाएगा। दो मिनट 46 सेकंड के इस म्यूजिक वीडियो को पायल देव और आदित्य देव ने अपनी आवाज दी है। जैसे-जैसे गाना आगे बढ़ता है, पायल और आदित्य की मधुर आवाज रोमांस की दुनिया में ले जाती है। संगीतकार आदित्य द्वारा तैयार किए गए इस गाने में कुणाल वर्मा के दिल को छू लेने वाले बोल हैं। लव सॉन्ग धीरे धीरे अपने अंतिम नोट तक भी दर्शकों को बांधे रखता है। दिव्या चटर्जी द्वारा निर्देशित यह म्यूजिक वीडियो गाने के सार को बहुत ही खूबसूरती के साथ पर्दे पर दिखाती है।

गाने के बारे में बात करते हुए मन्नारा चोपड़ा ने कहा, पारस के साथ धीरे धीरे का हिस्सा बनना बहुत ही खुशी की बात है। गाने को बहुत ही खूबसूरती के साथ तैयार किया गया है और इसके दिल छू लेने वाले बोल इसे एक यादगार गीत बनाते हैं। जब मैंने ट्रैक की कुछ पंक्तियां सुनीं, तो मुझे इससे प्यार हो गया। मैं यह देखने के लिए उत्साहित हूं कि दर्शक इसे किस तरह से पसंद करते हैं। क्योंकि धीरे धीरे वास्तव में रोमांस के बारे में है। वहीं गाने में मन्नारा के साथ नजर आने वाले पारस ने कहा, जब मैंने पहली बार पायल और आदित्य का यह ट्रैक सुना तो, तभी मुझे लग गया था कि यह खास है। गाने के म्यूजिक से लेकर इसके बोल दर्शकों को बेहद पसंद आएंगे। मन्नारा के साथ धीरे धीरे पर काम करना एक शानदार अनुभव रहा। यह पहली बार है जब हम दोनों एक साथ नजर आ रहे हैं। इसकी शूटिंग बेहद ही खूबसूरत लोकेशन पर की गई, जो इस गाने में आकर्षण की एक अतिरिक्त परत जोड़ देती है।

संगीतकार आदित्य ने इस गाने को प्रेरणा और भावना से भरा एक सफर बताया। उन्होंने कहा, गाने में कुणाल के बोल, इसके संगीत, मन्नारा और पारस की मौजूदगी ने इस गाने में जान डाल दी है। मैं एक ऐसा गाना बनाना चाहता था जो दर्शकों के दिलों को छू जाए।

## निवेथा थॉमस की फिल्म 35 चिन्ना कथा काडू पर आया बड़ा अपडेट

निवेथा थॉमस एक मशहूर दक्षिण भारतीय फिल्म अभिनेत्री हैं। उन्होंने तेलुगु, तमिल और मलयालम फिल्मों में काम किया है। हाल में ही उनकी आगामी फिल्म का एलान किया गया था। वो लंबे समय से फिल्मों की दुनिया से दूर थीं। इस वजह से उनके फैंस बेसब्री से उन्हें पर्दे पर देखने का इंतजार कर रहे थे, जिसके बाद बीते दिनों ही निवेथा ने अपनी नई फिल्म का पोस्टर जारी किया था।

### कल्कि 2898 एडी के साथ रिलीज होगा टीजर

निवेथा थॉमस ने बीते मंगलवार अपनी अगली फिल्म की घोषणा की थी, जिसका नाम 35-चिन्ना कथा काडू है। उनके फैंस की तरफ से इस पोस्टर पर सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। अब इस फिल्म के निर्माताओं ने एक नया अपडेट जारी कियी है। इस अपडेट में उन्होंने फिल्म के टीजर को लेकर जानकारी दी है। जानकारी के मुताबिक, फिल्म 35-चिन्ना कथा काडू का टीजर कल्कि 2898 एडी के साथ सिनेमाघरों में प्रीमियर के लिए तैयार है। इसे विशेष रूप से पीवीआर और आईनॉक्स चेन में चलाया जाएगा। हालांकि, टीजर की डिजिटल रिलीज की तारीख अभी घोषित नहीं की गई है।

### 15 अगस्त को रिलीज होगी 35 चिन्ना कथा काडू

बताते चलें कि फिल्म में निवेथा थॉमस के अलावा युवा अभिनेता प्रियदर्शी और विश्वदेव भी फिल्म में प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। 35 चिन्ना कथा काडू का निर्देशन नंद किशोर के जिम्मे है। वहीं, फिल्म का निर्माण सुरेश प्रोडक्शंस के बैनर तले किया जा रहा है। फिल्म में विवेक सागर संगीत देने वाले हैं। इस फिल्म को तेलुगु, तमिल और मलयालम में रिलीज किया जाएगा। इसकी रिलीज की तारीख का भी एलान कर दिया गया है। फिल्म 15 अगस्त 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

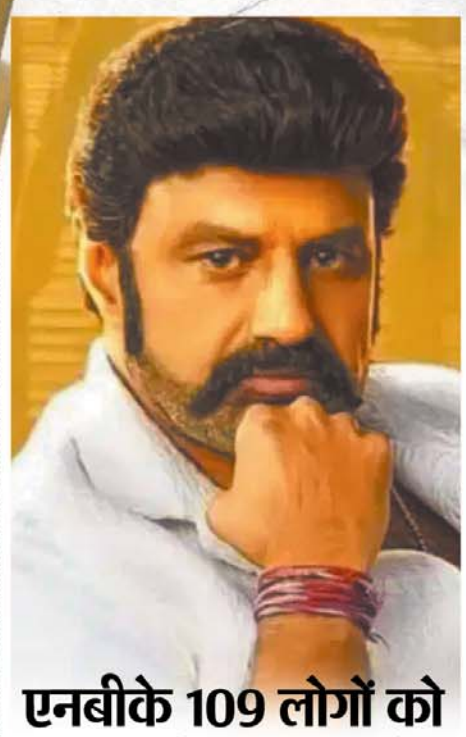

## एनबीके 109 लोगों को गुदगुदाते नजर आएंगे नंदमुरी बालकृष्ण

इन दिनों नंदमुरी बालकृष्ण के सितारे बुलंद हैं। वो तीसरी बार हिंदूपुर से विधायक बने हैं और उनकी फिल्में भी अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। साल 2021 में रिलीज हुई उनकी फिल्म अखंडा ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था। अब वो अपनी नई फिल्म एनबीके 109 को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। हाल ही में, इस फिल्म से जुड़ी एक दिलचस्प जानकारी सामने आई है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एनबीके 109 में नंदमुरी बालकृष्ण लोगों को गुदगुदाते हुए नजर आएंगे। उनके किरदार में एक कॉमेडी टच देखने को मिलेगा। इस खबर को जानकर नंदमुरी बालकृष्ण के फैंस का उत्साह बढ़ने लगा है और अब वो उनके रोल को देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस जानकारी के सामने आने से अब चर्चा चल रही है कि यह फिल्म मजेदार होने वाली है।

### केएस रविंद्र कर रहे हैं फिल्म को डायरेक्ट

एनबीके 109 का निर्देशन केएस रविंद्र कर रहे हैं। उन्होंने हाल ही में, चिरंजीवी के साथ वाल्टेयर वीरय्या के रूप में एक ब्लॉकबस्टर फिल्म दी है। एनबीके 109 में नंदमुरी बालकृष्ण के अलावा चांदनी चौधरी भी मुख्य किरदार अदा कर रही हैं। इन दोनों के अलावा अभिनेत्री उर्वशी रौतेला भी अभिनय करती दिखाई देंगी।

## यश भी हुए कल्कि 2898 एडी के मुरीद

कल्कि 2898 एडी अपनी रिलीज के बाद से ही सुर्खियों में बनी हुई है। नाग अश्विन के निर्देशन में बनी इस फिल्म को समीक्षकों, दर्शकों और सितारों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। वहीं, अब इसकी प्रशंसा करने वाले सितारों में कन्नड़ सुपरस्टार यश का भी नाम जुड़ गया है। यश ने एक्स पर लिखा, एक आश्चर्यजनक दृश्य बनाने के लिए कल्कि 2898 एडी की टीम को बधाई यश ने आगे लिखा, यह फिल्म अधिक रचनात्मक कहानी कहने का मार्ग प्रशस्त करती है। इसके साथ ही उन्होंने इतना बड़ा कदम उठाने के लिए नाग अश्विन समेत निर्माताओं की भी सराहना की।

## वरुण तेज की आगामी फिल्म को लेकर आई बड़ी जानकारी

वरुण तेज साउथ फिल्मों के जाने-माने अभिनेता हैं। वह मुख्य रूप से तेलुगु फिल्मों में काम करते हैं। उन्होंने साल 2014 में रिलीज हुई फिल्म मुकुंद से बतौर मुख्य अभिनेता अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने फिदा, थोली प्रेमा जैसी कुछ सफल फिल्मों में काम किया। अब एक बार फिर वह पर्दे पर अपने फैंस को सौगात देने वाले हैं। उनकी आगामी फिल्म मटका की शूटिंग को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है।

### तीसरे शेड्यूल की हैदराबाद में चल रही है शूटिंग

बीते दिनों ही फिल्म की शूटिंग शुरू हुई है। इसकी जानकारी खुद वरुण ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर दी हैं। वह करुणा कुमार निर्देशित फिल्म मटका में नजर आने वाले हैं। फिल्म को लेकर आए नवीनतम रिपोर्ट में इसके शूटिंग से संबंधित जानकारी दी गई है। टीम की तरफ से सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर जानकारी दी गई है, जिसमें बताया गया है कि फिल्म का तीसरा शेड्यूल, फिलहाल आरएफसी, हैदराबाद में चल रहा है। फिल्म के इस शेड्यूल के लिए टीम ने विजाग के 80 के दशक में नजर आने वाले स्थानों को फिर से बनाया है। इसकी एक विशेष झलका टीम की तरफ से जारी की गई है।

### नोरा फतेही भी हैं फिल्म का हिस्सा

बता दें कि नवीन चंद्रा भी फिल्म का हिस्सा है। उनके अलावा मीनाक्षी चौधरी और नोरा फतेही भी इस फिल्म में अभिनय करती नजर आएंगी। फिल्म का निर्माण व्यारा एंटरटेनमेंट और एसआरटी एंटरटेनमेंट द्वारा किया जा रहा है। वहीं, जी वी प्रकाश कुमार संगीत निर्देशक हैं। फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है, ऐसे में लगातार फिल्म को लेकर अपडेट सामने आ रहे हैं।

बताते चलें कि वरुण तेज की पिछली दो फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर खराब प्रदर्शन किया था। उनकी पिछली फिल्म ऑपरेशन वैलेंटाइन थी, जो टिकट खिड़की पर फ्लॉप साबित हुई। इससे पहले उनकी फिल्म गांडीवधारी अर्जुन आई थी। इस फिल्म को भी दर्शकों ने खासा पसंद नहीं किया था और बॉक्स ऑफिस पर फिल्म बुरा हाल हुआ था।

## जूनियर एनटीआर के डांस से प्रभावित हैं जान्हवी कपूर

एनटीआर की बहुप्रतीक्षित फिल्म देवरा में उनके साथ हिंदी फिल्म अभिनेत्री जान्हवी कपूर भी नजर आने वाली हैं। हाल में ही विदेश में फिल्म के एक गाने की शूटिंग कर अभिनेता वापस आए हैं। देवरा इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। इस फिल्म का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। जूनियर एनटीआर और जान्हवी कपूर की ये फिल्म लगातार सुर्खियों में है। इस फिल्म में पहली बार ये जोड़ी पर्दे पर नजर आने वाली है, जिसको लेकर दोनों कलाकारों के फैंस काफी उत्साहित हैं। हाल में एनटीआर विदेश यात्रा से वापस आए हैं, वह जान्हवी कपूर के साथ एक गाने की शूटिंग कर रहे थे। एनटीआर के डांस से प्रभावित हैं जान्हवी फिल्म निर्माता भली-भांति जानते हैं कि दोनों कलाकार के फैंस इस जोड़ी को पर्दे पर देखने के लिए काफी उत्साहित है। इसलिए फिल्म में दोनों पर एक रोमांटिक गाना भी फिल्माया जा रहा है, जो इनके फैंस के लिए एक शानदार अनुभव होने वाला है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि जान्हवी एनटीआर की डांसिंग से काफी प्रभावित हुई हैं। अभिनेता ने गाने के डांस स्टेप्स एक बार में ही सीख लिए, जबकि अभिनेत्री को इसके लिए थोड़ा संघर्ष करना पड़ा।

फिल्म के एक गाने को लेकर मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि जान्हवी खुद एक प्रशिक्षित डांसर हैं, लेकिन फिर भी उन्हें इस गाने के दौरान थोड़ी मुश्किलें हुईं। वहीं, एनटीआर ने उन्हें अपनी डांसिग स्किल्स से काफी हैरान किया।

इसके अलावा रिपोर्ट्स में कहा गया कि सेट पर जान्हवी काफी अच्छे से तैयार हो कर आती थीं, ताकि वो स्टेप्स सही से कर सकें। इससे सेट पर किसी का समय बर्बाद नहीं होता था।

## राजेश खन्ना के आनंद की रीमेक करनी थी, पर लगा ये पाप है

**बॉलीवुड फिल्मों में अपनी एक अलग पहचान बना चुके गुलशन देवैया बैड कॉप में नजर आ रहे हैं। ओटीटी पर क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज बैड कॉप 21 जून से डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम हो रही है। इसमें अनुराग कश्यप भी अभिनय करते दिखाई दे रहे हैं। एक्टर ने फिल्ममेकर के साथ पहले भी काम किया है और उन्होंने उनके साथ दोबारा काम करने का अनुभव साझा किया है। साथ ही अपनी सीरीज और निजी जिंदगी के बारे में भी बात की है।**

**आपको पहला ब्रेक अनुराग कश्यप ने दैट गर्ल इन यलो बूट्स में दिया था। जबकि, इस सीरीज में वो आपके को-ऐक्टर हैं। अनुराग के साथ आपका रिश्ता इतने सालों में कैसे बदला है?**

शुरू में मैं उनसे बात करने में हिचकता था। हमारी सिर्फ काम के बारे में बात होती थी, ज्यादातर वो बताते थे कि मैं ये फिल्म लिख रहा हूं, न्यू यॉर्क जा रहा हूं, फिल्म फेस्टिवल जा रहा हूं और हम घंटों बैठकर सुनते थे। फिर हमारे बीच थोड़ी दूरी भी आ गई क्योंकि उन्होंने मेरी दोस्त (कल्कि) से शादी की थी और वे जब अलग हुए तो पहले जैसा मिलना-जुलना नहीं रह गया। तब इतनी हिम्मत भी नहीं थी क्योंकि उनका एक ऑरा था, जिस तरह का सिनेमा वो बनाते हैं। मुझे पहला ब्रेक उन्होंने दिया था तो एक सम्मान भी था, जो अब भी है तो मैं उनका दोस्त बनने की कोशिश नहीं कर सकता था, लेकिन इस शो में हम कोस्टार्स थे। वह यहां डायरेक्टर नहीं थे तो खाली समय में उन्हें भी पता नहीं होता था कि क्या करना है। मुझे भी इतनी हिम्मत आ गई कि अब हम इधर उधर की बातें भी कर लेते थे तो हमारे बीच काफी बातें हुईं। बाकी, हम दोनों एक-दूसरे के शुभचिंतक हैं।

**सीरीज में आपका अपनी पत्नी के साथ एक अलग डायनामिक्स है कि वो आपसे सीनियर हैं, जिससे आपके रिश्ते में उतार-चढ़ाव आता है। अमूमन हमारे पितृसत्तात्मक समाज में मर्द खुद से सफल पत्नी बर्दाश्त नहीं कर पाते। इस बारे में क्या कहेंगे?**

इसकी वजह हमारी सोशल कंडीशनिंग है। जो हम अपने बड़े-बुजुर्ग, बड़े भाई को करते हुए देखते हैं, उसी को सही मान लेते हैं कि ऐसा ही होता है। इसका शिकार मर्द भी हैं। मर्दों पर भी बहुत दबाव रहता है, कमाने का, अच्छी नौकरी पाने का, सबका सहारा बनने का, क्योंकि वो मर्द है। इसलिए, उनकी ये कंडीशनिंग हो जाती है कि हम मर्द हैं, हमें ऐसे ही करना है। जमाने के हिसाब से यह सोच बदली नहीं है और इन चीजों को समझने में बहुत वक्त लग जाता है क्योंकि हमें स्कूल में तो ये बातें सिखाई नहीं जाती, इसके लिए हमें धीरे-धीरे काम करते रहना होगा, उसी से बदलाव आएगा। अचानक चाबुक चलाने से कुछ नहीं होगा।

**इसमें आप पुलिसवाले के रोल में हैं। अनुराग कश्यप के मुताबिक, ऐक्शन के मामले में आप टाइगर श्रॉफ को टक्कर देने वाले हैं। वह अनुभव कैसा रहा?**

इसमें मैं दूसरी बार पुलिस वाले का रोल कर रहा हूं लेकिन दहाड़ में जहां मैं बहुत ईमानदार और रियलिस्टिक पुलिसवाला था, यहां उससे बिल्कुल उल्टा हूं। मर्द को दर्द नहीं होता के बाद दूसरी बार डबल रोल भी कर रहा हूं। इसके डायरेक्टर आदित्य दत्त के साथ मैंने कमांडो की थी। उन्होंने विद्युत जामवाल के साथ फिल्म की है तो ऐक्शन में वह काफी माहिर हैं। मेरे लिए वह थोड़ा चैलेंजिंग था क्योंकि उसमें फिजिकली मजबूती की जरूरत होती है। ऐक्शन करते वक्त शरीर पर जोर बहुत पड़ता है। अपने को संभालो, दूसरे को भी संभालो और मैं इसका आदी नहीं हूं तो हम थक जल्दी जाते हैं। वैसे भी आप रात भर भागेंगे तो थक जाएंगे। विद्युत, टाइगर यही करते हैं। उनकी बहुत सालों की ट्रेनिंग रही है। हम दो-चार दिन की ट्रेनिंग से खुद को ऐक्शन हीरो नहीं बोल सकते तो वो मुश्किल था मगर आदित्य दत्त ने यह सब सोचकर ही ऐक्शन डिजाइन किया था। उन्होंने ऐसे ऐक्शन करवाए कि कूल भी लगे, अच्छा भी दिखे पर मैं उसे परफॉर्म भी कर सकूं।

**निजी तौर पर आपका पसंदीदा पुलिस किरदार कौन सा है? और ये सीरीज बैड कॉप की रीमेक है, कोई हिंदी फिल्म है, जिसका रीमेक आप करना चाहेंगे।**

पुलिसवाले करैक्टर तो कई हैं, जो मुझे पसंद हैं। जंजीर में अमिताभ बच्चन, अर्धसत्य में ओम पुरी साहब का किरदार, मुझे सिंघम भी पसंद है और दहाड़ में अपना किरदार भी। वहीं, रीमेक की बात करें तो मेरे जेहन में आनंद का रीमेक करने की बात थी, राजेश खन्ना ने उसमें कमाल का काम किया है, मगर फिर लगा कि ऐसी महान फिल्मों के रीमेक का सोचो ही मत। ये पाप है, उस फिल्म को छोड़ दो, वह अमर है।

# साहित्य-संस्कृति का संरक्षण जरूरी, साहित्यिक आंदोलन एक अभिनव पहल: सत्यानी

## » राजस्थान मीडिया एक्शन फोरम की ओर से साहित्य, संस्कृति एवं पत्राकारिता पर हुई परिचर्चा

तेज | जगदीश सोनी. चूरू

भारतीय साहित्य और पत्राकारिता के उच्च मानदंड स्थापित करने और सांस्कृतिक उन्नयन के लिए प्रदेश की प्रत्येक पंचायत स्तर तक चलाया जा रहा राजस्थान साहित्यिक आंदोलन एक अभिनव पहल है। वर्तमान आपाधापी के समय में साहित्य और संस्कृति का संरक्षण बेहद जरूरी है। जिला कलक्टर पुष्पा सत्यानी ने प्रदेशभर में चल रहे राजस्थान साहित्यिक आंदोलन की श्रृंखला में रविवार को होटल शक्ति पैलेस में आयोजित साहित्यिक परिचर्चा में यह विचार व्यक्त किए। राजस्थान मीडिया एक्शन फोरम के बैनर तले भारतीय साहित्य, संस्कृति और मीडिया विषय पर आयोजित परिचर्चा की मुख्य अतिथि कलेक्टर पुष्पा सत्यानी ने कहा कि इस तरह की परिचर्चाएं होती रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि साहित्य और संस्कृति की दृष्टि से चूरू की धरती बड़ी उर्वरा रही है और यहां की धरती से बड़े-बड़े लेखक-साहित्यकार निकले हैं, जिन्होंने हिंदी व राजस्थानी साहित्य को समृद्ध किया है। राजस्थान मीडिया एक्शन फोरम के संस्थापक एवं राजस्थान साहित्यिक आंदोलन के जनक वरिष्ठ लेखक-पत्राकार अनिल सक्सेना ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि आज पत्राकारिता पर साहित्य का उतना प्रभाव नहीं माना जाता है जो शुरुआत में था लेकिन साहित्य और संस्कृति को परे रखकर पत्राकारिता की कल्पना ही बेमानी है। उन्होंने राजस्थानी भाषा को संवैधानिक मान्यता देने की पैरवी करते हुए जोरदार तरीके से मांग रखने की जरूरत बताई। सक्सेना ने हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाए जाने की बात करते हुए कहा कि हिंदी देश के सबसे अधिक राज्यों में बोले जाने वाली भाषा है। जिस तरह से दूसरे देशों की अपनी राष्ट्रभाषा है, उसी तरह हिंदी भी हमारी राष्ट्रभाषा होनी चाहिए। विशिष्ट अतिथि साहित्यकार कुमार अजय ने चूरू की साहित्यिक परम्परा पर चर्चा करते हुए कहा कि क्षेत्र में हिंदी व राजस्थानी के क्षेत्र में बेहतर काम हो रहा है तथा नए रचनाकारों का उदय आश्वस्त करता है। उन्होंने पद्मकन्हैयालाल सेठिया, गीतकार भरत व्यास, मणि मधुकर, रावत सारस्वत और किशोर कल्पनाकांत जैसे लेखकों का स्मरण करते हुए कहा कि हमारे पास एक गौरवशाली अतीत है और बेहतर भविष्य की उम्मीद जगाने वाले सशक्त युवा हैं, इससे बेहतर और क्या हो सकता है। अंचल के वरिष्ठ साहित्यकार बनवारी लाल खामोश ने कहा कि संस्कृति में भारत के त्यौहार, पहनावे, भाषाएं, धर्म, संगीत, नृत्य और कला शामिल हैं। भारतीय संस्कृति में आध्यामिकता के साथ ही वैज्ञानिक दृष्टिकोण भी समाया हुआ है। प्रो. कमल कोठारी ने कहा कि साहित्य और पत्राकारिता एक-दूसरे के पूरक हैं और इनके उन्नयन के लिए सतत् प्रयास जरूरी हैं। वरिष्ठ साहित्यकार इदरीस राज खत्री ने कहा कि कलमकारों को ऐसी छवि बनानी चाहिए जिससे उनकी रचनाओं की चर्चा हर जगह हो। उर्दू अकादमी के पूर्व सदस्य असद अली असद ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों से हमें निराश नहीं होना चाहिए। लगातार इस तरह के कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को प्रेरित करना चाहिए। वरिष्ठ पत्रकार बनवारी लाल दीक्षित ने कहा कि आजादी से पहले और वर्तमान की पत्राकारिता में बहुत अंतर है। वरिष्ठ पत्रकार-लेखक आशीष गौतम ने कहा कि आजादी से पहले की पत्राकारिता उसी पृष्ठभूमि की थी, जिसका मुख्य उद्देश्य देश की जनता को राष्ट्र की भावना से जोड़ना और देश को आजाद कराना था। प्रमुख शायर अब्दुल मन्नान 'मजहर' ने कहा कि कलमकार को अपने कलम की कीमत समझनी चाहिए। सहायक जनसंपर्क अधिकारी मनीष कुमार, किशन उपाध्याय, राधेश्याम चोटिया, विजय चौहान, साहित्यकार राजेन्द्र शर्मा 'मुसाफिर, भगवती पारीक, राजेन्द्र सिंह शेखावत, शौकत अली खान, बुधमल सैनी, ओम डायनामाइट, गीता रावत, रचना कोठारी, सुशीला प्रजापत, ओमप्रकाश तंवर, शैलेन्द्र माथुर, मनोज शर्मा, कौशल शर्मा, जगदीश सोनी, महेंद्र सोनी, मनीष सैनी, शिवकुमार तिवारी, हरिसिंह, आर्यनद चौहान, नियाज मोहम्मद, देशदीपक किरोड़ीवाल, नवरत्न प्रजापत, जयप्रकाश स्वर्णकार, रामचंद्र गोयल, शिवकुमार तिवारी, जयप्रकाश बैंगानी, शिव भगवान सोनी, पवन माटोलिया, नरेश उपाध्याय तारानगर, नरेंद्र दीक्षित, आदित्य शर्मा, पंकज शर्मा आदि ने भी विचार व्यक्त किये। परिचर्चा का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर पुष्पा सत्यानी, राजस्थान साहित्यिक आंदोलन के जनक अनिल सक्सेना और अन्य अतिथियों ने सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया। संचालन वरिष्ठ साहित्यकार इदरीश राज खत्री ने किया। लोक संस्कृति शोध संस्थान नगरट्रस्ट के सचिव श्यामसुन्दर शर्मा ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर राजस्थान साहित्यिक आंदोलन के जनक वरिष्ठ पत्राकार साहित्यकार अनिल सक्सेना 'ललकार' के कहानी संग्रह 'आख्यायिका' का विमोचन जिला कलक्टर और अतिथियों ने किया। परिचर्चा में चूरू जिले के पत्रकार, साहित्यकार, कलाकार और प्रबुद्धजन भी मौजूद रहे।

# मण्डल व शक्ति केन्द्र कार्यकर्ताओं ने 'मन की बात' कार्यक्रम को उत्साहपूर्वक सुना

## » भाजपा नगर मण्डल पूर्वी क्षेत्र द्वारा चलाया जाएगा पौधारोपण अभियान

तेज | रिपोर्टर हनुमानगढ़

भाजपा नगर मण्डल पूर्वी क्षेत्र, श्रीगंगानगर अध्यक्ष चन्द्रशेखर गौड़ के नेतृत्व में मण्डल व शक्ति केन्द्रों पर पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं तथा शक्ति केंद्र प्रभारियों द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' का 111वां संस्करण उत्साहपूर्वक सुना गया। जवाहर नगर स्थित परमा देवी भवन में रविवार सुबह आयोजित विशेष कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक जयदीप बिहाणी ने की तथा सभी कार्यकर्ताओं ने एकाग्रचित्त होकर लाइव प्रसारण द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सुना। कार्यक्रम के पश्चात् विधायक जयदीप बिहाणी ने अपने सम्बोधन में पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिकाधिक पेड़ लगाने तथा लोकल फॉर वोकल के तहत स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने पर बल दिया। मण्डल अध्यक्ष चन्द्रशेखर गौड़ ने सबका आभार व्यक्त करते हुए 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान से प्रेरित होकर समस्त पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से कम से कम एक पौधा अवश्य लगाने व लगाए गए पौधे की देखभाल करने का आह्वान किया एवं पौधारोपण अभियान चलाने की घोषणा की। इस अवसर पर विधायक जयदीप बिहाणी, पूर्व जिलाध्यक्ष सीताराम मौर्य, जिला उपाध्यक्ष रतन गणेशगढ़िया, जिला महामंत्री प्रदीप धेरड़, पूर्व उप सभापति अजय लक्की दावड़ा, मंडल अध्यक्ष चन्द्रशेखर गौड़, मण्डल महामंत्री ओमप्रकाश गर्ग, मंगलचंद डाल व अरविन्द जाटव, एडवोकेट सुमित नागपाल, उद्योग प्रकोष्ठ जिला संयोजक राजेश आहुजा, युवा मोर्चा जिला महामंत्री अमन सहारण, युवा मोर्चा मण्डल अध्यक्ष महेश जोशी, ओबीसी मोर्चा मण्डल अध्यक्ष कपिल सिंधी, सह संयोजक एडवोकेट तरूण अरोड़ा एससी मोर्चा मण्डल अध्यक्ष अमित पंवार जीनगर, श्याम सोनी, मण्डल उपाध्यक्ष सूरज मल मित्तल, विशाल गुप्ता, त्रिलोकचंद अग्रवाल, ध्रुव जिंदल, गंगाराम बंसल, चन्द्रप्रकाश अरोड़ा, नगर मंत्री दीपक नागौरी, युवा मोर्चा मण्डल उपाध्यक्ष साहिल सोनी, रमन घुघरवाल व प्रेम चराया, सुनील, एडवोकेट हिमांशु गुप्ता, बलजीत सिंह, गोपीकिशन ओझा, एससी मोर्चा उपाध्यक्ष हरदेव सिंह, स. लखवीर सिंह लखा, सुनील गोस्वामी, जीतूभाई पटेल, पार्षद हेमंत बंटी पाहुजा, पार्षद जगदीश घोड़ेला, नगर मंत्री विक्रम पुरी व चंदन सोनी, उपाध्यक्ष अमित गोयल बूथ अध्यक्ष गोविंद सोनी, विनोद जांदू सहित सहित भाजपा नगर मण्डल पूर्वी क्षेत्र पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

# शक्ति केंद्र पर नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुना

**रावतसर. सिगची।** जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को संबोधित किया। उन्होंने कार्यक्रम के शुरुआत में पिछले दिनों हुए लोकसभा चुनाव का जिक्र किया। नरेंद्र मोदी ने कहा, 'मैं आज देशवासियों को धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने हमारे संविधान और देश की लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं पर अपना अटूट विश्वास दोहराया है. 2024 का चुनाव, दुनिया का सबसे बड़ा चुनाव था. दुनिया के किसी भी देश में इतना बड़ा चुनाव कभी नहीं हुआ. मैं चुनाव आयोग और मतदान की प्रकिया से जुड़े हर व्यक्ति को इसके लिए बधाई देता हूं' साथ ही ओलंपिक खेलों का जिकर एवं एक पेड़ मां के नाम की अपील भी देशवासियों से की। शक्ति केंद्र 3 के संयोजक फतेह सिंह नरूका के आवास पर आज मोदी के मन की बात सुनी जिसमें भाजपा नेता मनोज सोनी, सुरजीत जांदू, दयाला राम छींपा, महावीर शर्मा, कालू बुडानिया, विनोद हटीला,जयपाल भार्गव, पूर्ण राम, संदीप नाई, युधिष्ठिर स्वामी, विष्णु पुनिया, छोटू पुनिया, मानवेंद्र नरूका, युवराज नरूका आदि ने कार्यक्रम को सुना।

# सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर पोलियो दवा पिलाई

**भादरा।** पल्स पोलियो महाअभियान के तहत रविवार 30 जून को राजकीय उपजिला स्वास्थ्य केंद्र सहित उपखंड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, आंगनबाड़ीयो में पल्स पोलियों की ओरल दवा पिलाई गई। स्वास्थ्य कार्मिक बंशी रेगर ने बताया कि हमारी टीम उच्च अधिकारियों के निर्देश में इस अभियान को सफलता पूर्वक चलाने हेतु पूरी मेहनत से कार्य कर रही है।

# लोकसभा चुनाव अभ्यर्थियों की लेखा समाधान बैठक आयोजित

**श्रीगंगानगर।** लोकसभा आम चुनावहेतु चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों के निर्वाचन व्यय लेखों के प्रस्तुतीकरण एवं मिलान के संबंध में निर्वाचन विभाग राजस्थान जयपुर के निर्देशानुसार लेखा समाधान बैठक रविवार को हुई। निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण प्रकोष्ठ के नोडल अधिकारी एवं जिला परिषद के सीईओ मृदुल सिंह ने बताया कि जिला निर्वाचन अधिकारी लोकबंधु की अध्यक्षता में बैठक जिला परिषद हॉल में हुई। इसमें अभ्यर्थी, अभ्यर्थी अभिकर्ता, सहायक व्यय पर्यवेक्षक (मुख्यालय गंगानगर) एवं लेखा दल के सदस्य (गंगानगर) मौजूद रहे। निर्वाचन व्यय लेखा प्रस्तुतीकरण के संबंध में फेसिलिटेशन प्रशिक्षण के पश्चात निर्वाचन व्यय लेखों का मिलान किया गया। इस अवसर पर व्यय पर्यवेक्षक आईआरएस विवेक परमपूर्णा, व्यय पर्यवेक्षक तेज कुमार एमएस, नीतू अरोड़ा, मनोज मोदी, प्रेमप्रकाश गोयल, कृष्ण कुमार शर्मा, मनोज भाटी, राजीव बंसल, मनदीप सिंह जाखड़, राकेश कुमार सहित अन्य मौजूद रहे।

# पल्स पोलियो टीकाकरण जिला कलक्टर ने बच्चों को पिलाई पोलियो की खुराक

## » 5 वर्ष तक के 3 लाख 28 हजार बच्चों को पिलाई जायेगी दवा

तेज | जगदीश सोनी. चूरू

राष्ट्रीय पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान का शुभारंभ राजकीय डेडराज भरतिया अस्पताल में जिला कलक्टर पुष्पा सत्यानी व सीएमएचओ डॉ मनोज शर्मा ने बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई किया। पल्स पोलियो टीकाकरण में 5 साल तक के 3 लाख 28 हजार बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जावेगी। आरसीएचओ डॉ अहसान गौरी ने बताया कि पल्स पोलियों अभियान के तहत पोलियो बूथों पर ओरल पोलियो वेक्सीन पिलाई गई ।बूथों पर दवा पिलाने के बाद अब घर-घर जाकर दवा पिलाई जाएगी। आरसीएचओ डॉ. गौरी ने बताया कि जिले में पल्स पोलियो अभियान के लिये 42 मोबाइल टीम व 110 ट्रांजिट टीमें बनाई है। पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान की खण्ड स्तर पर मॉनिटरिंग की गई। डॉ. गौरी ने बताया कि चिकित्सा अधिकारियों ने पल्स पोलियो अभियान के लिए माइक्रो प्लान तैयार कर पांच वर्ष तक के बच्चों की लाइन लिस्ट के अनुसार दवा पिलाई।उन्होंने बताया कि जिले में बूथों पर 30 जून को पोलियो खुराक पिलाई गई। अब 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो खुराक घर घर जाकर पिलाई जाएगी। अभियान के सघन जागरूकता अभियान चलाया गया हैं। जिसके तहत सभी क्षेत्रों में माइकिंग, पोस्टर्स व बैनर्स इत्यादि आई.ई.सी. गतिविधियों का संचालन किया गया है।

राजकीय डेडराज भरतिया अस्पताल में इस दौरान अधीक्षक डॉ हनुमान जयपाल, डॉ अमजद, डब्ल्यूएचओ से अंकिता जैन, बीसीएमओ डॉ. जगदीश सिंह भाटी, नर्सिग आफिसर रेखा, एएनएम सुरेश चौधरी, सुमन, सीएचओ अनिल व संदीप भाकर व बीपीएम ओमप्रकाश प्रजापत मौजूद रहे।

# प्री डीएलएड परीक्षा में उमड़े कैंडिडेट: 91.4 प्रतिशत ने दी परीक्षा

**श्रीगंगानगर।** प्री डीएलएड परीक्षा का आयोजन रविवार को शहर के 25 परीक्षा केंद्रों पर किया गया। परीक्षा के लिए 12310 कैंडिडेट रजिस्टर्ड थे। इनमें से 11260 ने परीक्षा दी। जबकि 1050 कैंडिडेट एबसेंट रहे। सुबह करीब ग्यारह बजे से ही कैंडिडेट्स के सेंटर्स पर पहुंचने का क्रम शुरू हो गया। इन लोगों को दोपहर 12 बजे तक सेंटर्स में प्रवेश करवाया गया। केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था और जांच प्रक्रिया के बीच उन्हें प्रवेश करवाया गया।

**पेड़ों के नीचे सुस्ताते रहे परिजन**

जहां एक ओर कैंडिडेट परीक्षा देने के लिए दोपहर बारह बजे तक सेंटर में प्रवेश करते रहे वहीं उनके साथ आए परिजनों ने सेंटर्स के आसपास के इलाकों में डेरा डाल दिया। शहर के बिहाणी शिक्षा न्यास के पास के सुखाड़िया सर्किल, हिंदुमलकोट रोड और कई अन्य इलाकों में दोपहर में कैंडिडेट्स के परिजन नजर आए। 91.4 प्रतिशत कैंडिडेट उपस्थित रहे। जबकि करीब साढ़े आठ प्रतिशत ने परीक्षा नहीं दी। दोपहर साढ़े तीन बजे पेपर समाप्त हुआ। इस दौरान सुखाड़िया सर्किल से सूरतगढ़ रोड पर जाम जैसे हालात हो गए। यहां से वाहनों के निकलने की जगह नहीं थीं। यहां तैनात पुलिसकर्मियों ने जाम खुलवाया। इसके बाद ट्रैफिक सुचारू करवाया गया।

# मटोरिया भवन में कार्यकर्त्ताओं ने सुनी मोदी के मन की बात

तेज | रिपोर्टर नोहर

लोकसभा चुनाव के बाद देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात का एपिसोड मटोरिया भवन में कार्यकर्ताओं ने सुना। इस मौके पर भारी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता में पदाधिकारी उपस्थित थे। मन की बात के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने सबसे पहले देशवासियों को लोकसभा चुनाव की हार्दिक शुभकामनाएं दी उसके बाद मानसून के बारे में पर्यावरण व योग दिवस सहित अनेक बिंदुओं पर चर्चा की पेरिस ओलंपिक में जाने वाले सभी खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया। मां की बात सुनने के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने बताया कि प्रधानमंत्री की मन बात सुनने के बाद कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार होता है साथ ही मनोबल बढ़ता है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मन की बात में आम जीवन से जुड़ी हुई बातें करते हैं। कार्यकर्ताओं के अनुसार मानसून के दौरान पर्यावरण को लेकर विशेष फोकस रहेगा। इस अवसर पर पुर्व मंडल अध्यक्ष बसंत तिवाड़ी, विनोद गोल्याण, मोहनलाल डाबी, हरीश शर्मा, मनीराम छिम्पा, राजुजाट, एससी मोर्चा अध्यक्ष संजय बागड़ी, विनोद पारीक, किशन गौदारा, राहुल नागल, रतनलाल रेगर, राकेश हिसारीया, राम रमाणी, देवकी नंदन, डाक्टर देवीलाल पारीक, महेन्द्र राव, राजेन्द्र, विनोद सोनी, ओमप्रकाश लालवानी आदि भाजपा कार्यकर्ताओं मौजूद थे।

# गमले सहित तुलसी के 50 पौधे वितरित

**श्रीगंगानगर।** विवेकानन्द सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में रविवार को पायल सिनेमा के नजदीक स्थित विनोबा बस्ती पार्क में तुलसी के 50 पौधे गमले सहित वितरित करते हुए तुलसी के महत्व के बारे में बताया। इस अवसर पर ट्रस्ट अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता, सचिव जगीरचन्द फरमा व पदाधिकारी जयप्रकाश गुप्ता, दिनेश अनेजा, सुशील बांठिया, दिनेश बंसल, गोकुल स्वामी, पवन बंसल, संजय सरना, श्रीमती सरिता गुप्ता, श्रीमती अनिता अनेजा, श्री योगेश अग्रवाल आदि उपस्थित थे। राजकुमार गुप्ता ने तुलसी के पौधे वितरण करने पर सभी सदस्यों एवं पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भारत के अधिकांश घरों में तुलसी के पौधे की पूजा की जाती है। हमारे ऋषियों को लाखों वर्ष पूर्व तुलसी के औषधीय गुणों का ज्ञान था इसलिए इसको दैनिक जीवन में प्रयोग हेतु इतनी प्रमुखता से स्थान दिया गया है। रामा तुलसी व कृष्णा तुलसी औषधीय तथा गुणकारी मानी जाती है। तुलसी के पत्ते दिमाग की कार्य क्षमता बढ़ाने में सहायक होते हैं सिरदर्द से आराम मिलता है। इसके रोजाना सेवन से मस्तिष्क की कार्यक्षमता बढ़ती है और याददाश्त तेज होती है। सर्दी जुकाम रोग से भी निजात मिलती है तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता के बढ़ाने में भी मददगार है। जगीरचन्द फरमा ने कहा कि तुलसी का धार्मिक महत्व होने के साथ वैज्ञानिक महत्व भी है। यह पौधा शरीर की इम्यूनिटी बढ़ाने के साथ बैक्टीरिया और वायरल इंफेक्शन से भी लड़ता है। अनेक व्रत और धर्म कथाओं में तुलसी का महत्व बताया गया है। भगवान विष्णु और श्रीकृष्ण की कोई भी पूजा तुलसी दल के बिना पूरी नहीं मानी जाती है।

# शहीद बीरबल की जीवनी को विद्यालयी पाठ्यक्रम में शामिल करवाया जाएगा: सांसद इंदौरा

## » अमर शहीद बीरबल सिंह की 8 फीट ऊंची आदमकद मूर्ति का हुआ अनावरण

तेज | रिपोर्टर श्रीगंगानगर

अमर शहीद बीरबल सिंह की 8 फुट ऊंची आदमकद मूर्ति का अनावरण समारोह एवं 78वां शहीदी दिवस कार्यक्रम रविवार सुबह शहीद बीरबल चौक, श्रीगंगानगर पर बड़ी धूमधाम से आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक जयदीप बिहाणी थे तथा अध्यक्षता सांसद कुलदीप इंदौरा ने की। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि सभापति गगनदीप कौर पाण्डे व सूरतगढ़ विधायक डूंगरराम गेदर तथा सम्मानित अतिथि पूर्व जिला प्रमुख सीताराम मौर्य, जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अंकुर मगलानी, समाजसेवी अशोक चांडक, संयुक्त व्यापार मण्डल अध्यक्ष तरसेम गुप्ता, पूर्व विधायक राजकुमार गौड़, फल सब्जी मंडी पूर्व अध्यक्ष स. मनिन्द्र मान, अखिल भारतीय जीनगर समाज तदर्थ समिति हरिद्वार अध्यक्ष ताराचन्द बागड़ी, रिद्धि-सिद्धि डायरेक्टर मुकेश शाह, अखिल भारतीय जीनगर चेरिटेबल ट्रस्ट जयपुर अध्यक्ष स्वरूप सिंह पंवार, गुरुद्वारा मुख्य सेवादार तजिंदर पाल सिंह टिम्मा, बार काउंसिल ऑफ राजस्थान को-चेयरमैन नवरंग सिंह चौधरी, श्रीकरणपुर डीवाईएसपी संदीप चौहान, समाजसेवी महेश पेड़ीवाल व सीआई नरेश निर्वाण थे। अमर शहीद बीरबल के सुपुत्र आत्माराम द्वारा अतिथियों का स्वागत-अभिनंदन किया गया। इस मौके पर विधायक जयदीप बिहाणी, सांसद कुलदीप इन्दौरा, सभापति गगनदीप कौर पाण्डे व सूरतगढ़ विधायक डूंगरराम गेदर सहित गणमान्य व्यक्तियों द्वारा अमर शहीद बीरबल सिंह की आदमकद मूर्ति का अनावरण किया गया। तत्पश्चात् अतिथियों सहित बड़ी संख्या में कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने 78वें शहीदी दिवस पर जीनगर समाज के क्रांति दूत अमर शहीद बीरबल सिंह को पुष्पांजलि अर्पित की एवं शत-शत् नमन् किया। इस मौके पर सभी ने 'शहीद बीरबल सिंह अमर रहे' के नारों से सारा वातावरण गुंजायमान कर दिया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए सांसद कुलदीप इंदौरा ने कहा कि संसद में आवाज उठाकर अमर शहीद बीरबल सिंह की जीवनी को विद्यालयी पाठ्यक्रम में शामिल करवाया जाएगा। विधायक जयदीप बिहाणी ने युवाओं से अमर शहीद बीरबल के जीवन से प्रेरणा लेकर देश के सर्वांगीण उत्थान में बढ़-चढ़कर योगदान देने का आह्वान किया। वक्ताओं ने अपने सम्बोधन में अमर शहीद बीरबल के जीवन पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डालते हुए कहा कि अमर शहीद बीरबल ने अपने प्राणों का देश के लिए न्यौछावर कर दिया, उनका देश की स्वतंत्रता में अमूल्य योगदान है, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में जिला प्रगतिशील कुम्हार समिति अध्यक्ष महेन्द्र बागड़ी, जिला धानक समाज अध्यक्ष कश्मीरी लाल इन्दौरा, मेघवाल समाज अध्यक्ष परसराम भाटी, मुस्लिम समाज से मो. चिरागदीन सदर, स्वर्णकार समाज अध्यक्ष आकाशदीप सोनी, वाल्मीकि समाज अध्यक्ष विजय सरवटा, रविदास समाज अध्यक्ष रणजीत सहगल, रेगर समाज अध्यक्ष भगवान दास व धोबी समाज अध्यक्ष रामुप्रसाद तथा स्वागत कमेटी जिला जीनगर समाज सभा अध्यक्ष नरेन्द्र चौहान, अमर शहीद बीरबल के दत्तक पुत्र आत्माराम जीनगर, जिला जीनगर सभा पूर्व अध्यक्ष सीताराम सांखला, भीमराज डाबी, पप्पू पंवार व आशाराम डाबी, जिला जीनगर सभा उपाध्यक्ष गोपालदास चौहान व माणी चायल, राजेश निर्वाण, पार्षद सोहनलाल चौहान डॉन, एडवोकेट चरणदास कम्बोज, विजय सांखला, जुगल डाबी सहित विभिन्न समाजों के पदाधिकारियों व सदस्यों का सराहनीय सहयोग रहा। कार्यक्रम के अंत में अमर शहीद बीरबल के सुपुत्र आत्माराम तथा सुपौत्र एडवोकेट महेश जीनगर ने अतिथियों सहित सबका आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम के पश्चात् विशाल भण्डारा बरताया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं जिलेवासी उपस्थित थे।

# अब भारत को विभिन्न क्षेत्रों में अपने सूचकांक तैयार करना चाहिए

प्रहलाद सबनानी

**वैश्विक पटल पर पश्चिमी देशों के विभिन्न संस्थानों द्वारा भारत के प्रति ईर्ष्या का भाव रखने के चलते, अब समय आ गया है कि भारत विभिन्न पैमानों पर अपनी रेटिंग तय करने के लिए अपने सूचकांक विकसित करने पर विचार करे क्योंकि वैश्विक स्तर पर पश्चिमी देशों द्वारा जितने भी सूचकांक तैयार किए जा रहे हैं उसमें भारत के संदर्भ में वस्तुस्थिति का सही वर्णन नहीं किया जा रहा है।**

वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों की भिन्न भिन्न क्षेत्रों में रेटिंग तय करने की दृष्टि से वित्तीय एवं विशिष्ट संस्थानों द्वारा सूचकांक तैयार किए जाते हैं। हाल ही के समय में इन विदेशी संस्थानों द्वारा जारी किए गए कई सूचकांकों में भारत की स्थिति को संभवत जान बूझकर गल्त दशार्या गया है। इन सूचकांकों में पाकिस्तान, अफगानिस्तान एवं अफ्रीका के गरीब देशों की स्थिति को भारत से बेहतर बताया गया है। उदाहरण के लिए अभी हाल ही में पश्चिमी देशों द्वारा जारी किए गए तीन सूचकांकों की स्थिति देखिए। सबसे पहिले उदार (लिबरल) लोकतंत्र सूचकांक में भारत की रैंकिंग को 104 बताया गया है और भारत के ऊपर निजेर देश को बताया गया है। इसी प्रकार, आनंद (हैपीनेस) सूचकांक में भी भारत का स्थान 126वां बताया गया है जबकि पाकिस्तान को 108वां स्थान मिला है, जहां अत्यधिक मुद्रा स्फीति के चलते वहां के नागरिक अत्यधिक त्रस्त हैं। एक अन्य, प्रेस की स्वतंत्रता नामक सूचकांक में भारत को 161वां स्थान मिला है जबकि इस सूचकांक में कुल मिलाकर 180 देशों को शामिल किया गया है और अफगानिस्तान को 152वां स्थान दिया गया है, अर्थात इस सर्वे के अनुसार, अफगानिस्तान में प्रेस की स्वतंत्रता भारत की तुलना में अच्छी पाई गई है। पश्चिमी देशों में स्थिति इन संस्थानों द्वारा इस प्रकार के सूचकांक तैयार किए जाकर पूरे विश्व को भ्रमित किए जाने का प्रयास हो रहा है।

इसी प्रकार, भारत में हाल ही में सम्पन्न हुए लोक सभा चुनावों पर भी पश्चिमी देशों ने कई प्रकार के सवाल खड़े करने के प्रयास किए थे। जैसे, इस भीषण गर्मी के मौसम में चुनाव क्यों कराए गए हैं, जिससे सामान्यजन वोट डालने के लिए घरों से बाहर ही नहीं निकले, ईवीएम मशीन में कोई खराबी तो नहीं है, आदि। परंतु, भारतीय मतदाताओं ने इन लोक सभा चुनावों में भारी संख्या में भाग लेकर पश्चिमी देशों को करारा जवाब दिया है। न ही, ईवीएम मशीन में किसी प्रकार की गड़बड़ी पाई गई और न ही गर्मी का प्रभाव चुनावों पर पड़ा। हालांकि सत्ताधारी दल को पिछले चुनाव की तुलना में कुछ कम स्थान जरूर प्राप्त हुए हैं परंतु देश में किसी भी प्रकार की कोई घटना घटित नहीं हुई है। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र में चुनाव सामान्यतः शांति के साथ सम्पन्न हो गए। साथ ही, विपक्षी दलों को पिछले चुनाव की तुलना में कुछ अधिक स्थान मिले हैं और उन्होंने भी चुनाव के परिणामों को स्वीकार कर लिया है। चुनाव की प्रक्रिया पर कोई सवाल खड़ा नहीं किया गया है। इस सबके

बावजूद पश्चिमी देशों ने पश्चिमी लोकतंत्र सूचकांक में वर्ष 2014 में भारत को 27वां स्थान दिया था और वर्ष 2023 में भारत की रैंकिंग नीचे गिराकर 41वें स्थान पर बताई गई है। जबकि वास्तव में तो इस बीच देश में लोकतंत्र अधिक मजबूत ही हुआ है, परंतु पश्चिमी देशों द्वारा भारतीय लोकतंत्र को ही जैसे खतरे में बताया जा रहा है और एक तरह से भारतीय लोकतंत्र पर ही सवाल खड़े कर दिए गए हैं। दरअसल पश्चिमी देशों में कुछ शक्तियां भारत के हितों के विरुद्ध कार्य कर रही हैं एवं ये ताकतें विभिन्न सूचकांक तैयार करने वाली संस्थाओं को प्रभावित करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़तीं हैं।

कुछ समय पूर्व एक अंतरराष्ट्रीय संस्थान ने वैश्विक भुखमरी सूचकांक जारी किया था। इस सूचकांक में यह बताया गया था कि भारत की तुलना में श्रीलंका, म्यांमार, पाकिस्तान, एथीयोपिया, नेपाल, भूटान आदि देशों में भुखमरी की स्थिति बेहतर है। अर्थात, सर्वे में शामिल किए गए 121 देशों की सूची में श्रीलंका का स्थान 64वां, म्यांमार का 71वां, बांग्लादेश का 84वां, पाकिस्तान का 99वां, एथीयोपिया का 104वां एवं भारत का 107वां स्थान बताया गया था। जबकि पूरा विश्व जानता है कि व श्रीलंका, पाकिस्तान एवं म्यांमार जैसे देशों में खाद्य पदार्थों की भारी कमी है जिसके चलते इन देशों के नागरिकों के लिए दो जून की रोटी जुटाना भी बहुत मुश्किल हो रहा है। जबकि, भारत कई देशों को आज खाद्य सामग्री उपलब्ध करा रहा है। फिर किस प्रकार उक्त सूचकांक बनाकर वैश्विक स्तर पर जारी किए जा रहे हैं। ऐसा आभास हो रहा है कि भारत की आर्थिक तरक्की को विश्व के कई देश अब सहन नहीं कर पा रहे हैं एवं भारत के बारे में इस प्रकार के सूचकांक जारी कर भारत की साख को वैश्विक स्तर पर प्रभावित किए जाने का प्रयास किया जा रहा है। युद्ध की विभीषिका झेल रहे एथीयोपिया में नागरिक अपनी भूख मिटाने के लिए घास जैसे भारी पदार्थों को खाकर अपना जीवन गुजारने को मजबूर हैं। इन विपरीत परिस्थितियों के बीच जीवन यापन करने वाले नागरिकों को भुखमरी के मामले में भारत के नागरिकों से बेहतर स्थिति में बताया गया है। वहीं दूसरी ओर भारत में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत 80 करोड़ नागरिकों को केंद्र सरकार द्वारा प्रतिमाह 5 किलो मुफ्त अनाज उपलब्ध कराया जा रहा है ताकि इन लोगों को खाने पीने सम्बंधी किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं हो। फिर भी भारत के नागरिकों को भुखमरी सूचकांक में ईथीयोपिया के नागरिकों की तुलना में इतना नीचे बताया गया है। अब कौन इस प्रकार के सूचकांकों पर विश्वास करेगा। यह भी बताया जा रहा है कि इस सूचकांक को आंकने के लिए भारत के 140 करोड़ नागरिकों में से केवल 3000 नागरिकों को ही इस सर्वे में शामिल किया गया था। इस प्रकार सर्वे का सैम्पल बनाते समय भारत जैसे विशाल देश के लिए अपर्याप्त संख्या का उपयोग किया गया है।

वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों की सावरेन क्रेडिट रेटिंग पर कार्य कर रही संस्था स्टैंडर्ड एंड पूअर ने हाल ही में भारतीय अर्थव्यवस्था का आंकलन करते हुए भारत के सम्बंध में अपने दृष्टिकोण को सकारात्मक किया है एवं कहा है कि वह भारत की सावरेन क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड करने के उद्देश्य से भारत के आर्थिक विकास सम्बंधी विभिन्न पैमानों का, आधारभूत ढांचे को विकसित करने एवं भारत के राजकोषीय घाटे को कम करने से सम्बंधित आंकड़ों एवं प्रयासों का गम्भीरता से लगातार अध्ययन एवं विश्लेषण कर रहा है। आगे आने वाले दो वर्षों के दौरान यदि उक्त तीनों क्षेत्रों में लगातार सुधार दिखाई देता है तो भारत की सावरेन क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड किया जा सकता है। वर्तमान में भारत की सावरेन क्रेडिट रेटिंग इइइ- है, जो निवेश के लिए सबसे कम रेटिंग की श्रेणी में गिनी जाती है।

किसी भी देश की सावरेन क्रेडिट रेटिंग को यदि अपग्रेड किया जाता है तो इससे उस देश में विदेशी निवेश बढ़ने लगते हैं क्योंकि निवेशकों का इन देशों में पूंजी निवेश तुलनात्मक रूप से सुरक्षित माना जाता है। साथ ही, अच्छी सावरेन क्रेडिट रेटिंग प्राप्त देशों की कम्पनियों को अन्य देशों में पूंजी उगाहना न केवल आसान होता है बल्कि इस प्रकार लिए जाने वाले ऋण पर ब्याज की राशि भी कम देनी होती है। किसी भी देश की जितनी अच्छी सावरेन क्रेडिट रेटिंग होती है उस देश की कम्पनियों को कम से कम ब्याज दरों पर ऋण उगाहने में आसानी होती है। परंतु, भारत की सावरेन क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड करने के लिए स्टैंडर्ड एंड पूअर को दो वर्षों का समय क्यों चाहिए? जब इन समस्त क्षेत्रों में लगातार सुधार होते साफ दिख रहा है।

साथ ही, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई विदेशी संस्थान (विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, आदि) आगे आने वाले वर्षों में भारत की आर्थिक प्रगति को लेकर बहुत उत्साहित हैं एवं आर्थिक प्रगति के साथ साथ राजकोषीय घाटे को कम करने हेतु भारत सरकार द्वारा लगातार किए जा रहे प्रयासों की भी सराहना करते रहते हैं। फिर भी, स्टैंडर्ड एंड पूअर को भारत की सावरेन क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड करने के लिय दो वर्षों का अतिरिक्त समय चाहिए।

वैश्विक पटल पर पश्चिमी देशों के विभिन्न संस्थानों द्वारा भारत के प्रति ईर्ष्या का भाव रखने के चलते, अब समय आ गया है कि भारत विभिन्न पैमानों पर अपनी रेटिंग तय करने के लिए अपने सूचकांक विकसित करने पर विचार करे क्योंकि वैश्विक स्तर पर पश्चिमी देशों द्वारा जितने भी सूचकांक तैयार किए जा रहे हैं उसमें भारत के संदर्भ में वस्तुस्थिति का सही वर्णन नहीं किया जा रहा है।

## संपादकीय

### धर्मांतरण के मामले में अपनी गिरहबान में झांकें

भारत में धर्मांतरण विरोधी कानूनों, नफरत फैलाने वाले भाषणों और धार्मिक अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के घरों और प्रार्थना स्थलों को ध्वस्त करने के मामलों में चिंताजनक वृद्धि हुई है। अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर विदेश विभाग की वार्षिक रिपोर्ट पेश करते हुए अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने ये बातें कहीं। उन्होंने दुनिया भर में लोगों की धार्मिक आजादी की रक्षा के लिए काफी जद्दोजहद करने की भी बात उठाई। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के 28 में से 10 राज्यों में धर्मांतरण पर प्रतिबंध लगाने वाले कानून हैं, जिनमें से कुछ राज्य विवाह के उद्देश्य से जबरन धर्मांतरण के खिलाफ दंड भी लगाते हैं। इसमें दुनिया के तकरीबन दो सौ देशों की धार्मिक स्थिति का आकलन किया गया है। हालांकि भारत इसे पहले से ही खारिज करता रहा है और इसे प्रकाशित करने वाले आयोग को पक्षपाती बताता है। सिखों, ईसाइयों, यहूदियों, मुसलमानों, दलितों और आदिवासियों के खिलाफ हिंसा से निपटने में मोदी सरकार की नाकामी की बात कर रही है यह रिपोर्ट। इसमें 2023 में गैर- सरकारी संगठनों ने ईसाइयों के खिलाफ हिंसा की 687 घटनाओं का जिक्र भी किया गया है। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने, मणिपुर हिंसा, ईसाइयों पर हमले, चर्च में तोड़-फोड़ और धर्मांतरण कानून के तहत हिरासत में रखे लोगों की चर्चा भी है। चीन, ईरान, रूस, सऊदी अरब, अफगानिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और बर्मा के साथ भारत का नाम रखे जाने पर सरकार द्वारा जताई गई आपत्ति उचित है। कहना गलत नहीं है कि मोदी सरकार अपनी हिन्दुत्ववादी विचारधारा के चलते बहुसंख्यकों को प्रभावित करने में सफल है। इसलिए हर साल अमेरिका को इस पर पुनः विचार करने की बात करने की बात कर रस्मादायगी कर लेती है, जबकि सरकार को अंतरराष्ट्रीय पटल पर अपनी छवि सुधारने के प्रयास करने चाहिए। संविधान कहता है कि भारत धर्मनिरपेक्ष राज्य है और धार्मिक आजादी मौलिक अधिकार है। इसलिए सभी धर्मावलंबियों की सुरक्षा का दायित्व सरकार का है। वहीं अमेरिका में अेतों को लेकर जो पक्षपात होते हैं, उनकी अनदेखी नहीं की जा सकती। दूसरों पर उंगली उठाते हुए, खुद की तरफ मुड़ी उंगलियां भी देखनी होंगी।

## चिंतन-मनन

### उसका अभिमान नाश कर के छोड़ता है

जब व्यक्ति अपार धन-दौलत और आलीशान भवनों का मालिक हो जाता है तो वह स्वयं को औरों से अलग महसूस करने लगता है। ऊंचेपन की भावना के कारण वह किसी को कुछ नहीं समझता। यही भाव अभिमान है जो उसके रोम-रोम से दिखाई देता है। इस स्थिति में शेष लोग उसके लिए अवशेष हो जाते हैं। सिक्खों के पंचम गुरु अर्जन देव जी ने अपनी रचना में ऐसे लोगों को मूर्ख, अंधा व अज्ञानी माना है। जब ऐसी स्थिति आ जाती है तो वह अराजक होकर अत्याचार पर उतारू हो जाता है। गरीब और कमजोर उसके शिकार होते हैं। गुरु अर्जन देव ने अपने समय में ऐसे अत्याचारों को देखा और सामना भी किया। उनके अनुसार व्यक्ति कितना भी ऊंचा क्यों न हो जाए, अभिमान उसका नाश करके ही छोड़ता है। हृदय में गरीबी यानी विनम्रता का वास जरूरी है। इससे सारे लोकों में सुखों की प्राप्ति होती है। उन्होंने इन पवित्र विचारों को अपनी कालजयी रचना सुखमनी साहिब में यूं लिखा है-जिस कै हिरदै गरीबी बसावै। नानक ईहा मुकतु आगै सुखु पावै।

वास्तव में अभिमान निर्माण का नहीं, विनाश का लक्षण है। व्यक्ति स्वयं को महत्ता देने लगता है। अपनी अराजकता से वह आस-पास के लोगों को भी संप्रमित कर देता है। इसी आग में विकास डूबकर विनाश में परिवर्तित हो जाता है। प्राचीन काल में रावण, कंस, कौरव आदि अभिमान के ही मिथ्या जाल में फंसे थे। धार्मिक हों या राजनीतिक, आज भी कई समूह उसी राह पर बढ़ रहे हैं। अभिमान इन्हें गिरावट का ही ग्राफ दिखा रहा है, बढ़ने का नहीं। गुरु अर्जन देव के अनुसार अगर ऐसे विनाशकारी भाव से बचना है तो अपने आचार-व्यवहार में नम्रता को प्रथम स्थान देना होगा। उन्होंने आगे नम्रता को लाने का उपाय भी बताया है। अमीरी हो या गरीबी, हर हाल में व्यक्ति को उस अकाल शक्ति के निकट स्वयं को महसूस करना चाहिए-सदा निकटि निकटि हरि जानु। हर मनुष्य का कर्तव्य बनता है कि जिस अकाल शक्ति से उसकी उत्पत्ति हुई है वह स्वयं को उसके साथ जुड़ा रखे। यह भाव व्यक्ति को ईश्वर के प्रति कृतज्ञ होना सिखाता है, जिससे विनम्रता का जन्म होता है। इस भाव के आ जाने से व्यक्ति जितनी भी सुख-सुविधाओं से घिरा रहे, अभिमान उसे छू नहीं सकता।

# क्रिकेट की विश्वगुरु टीम को सलाम

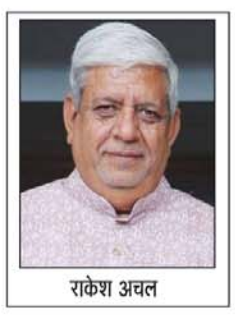

राकेश अचल

एक लम्बे अरसे से न क्रिकेट का खेल देखा और न इसके बारे में लिखा। वैसे भी क्रिकेट के बारे में मेरा ज्ञान लगभग शून्य ही है ।एक जमाना था जब जनसत्ता के हमारे सम्पादक स्वर्गीय प्रभाष जोशी ने मुझसे क्रिकेट के ग्वालियर में हुए अनेक अंतर्राष्ट्रीय मैचों का कव्हरेज जबरन कराया था। शनिवार की रात अमेरिका में टी-20 क्रिकेट का फाइनल देख रहे मेरे बेटे ने मुझे एक बार फिर खेल देखने के लिए प्रेरित किया और युगों बाद मैंने न केवल पूरा मैच देखा बल्कि उन स्वर्णिम क्षणों का साक्षी भी बना जो हर हिंदुस्तानी के लिए गौरव के क्षण कहे जा सकते हैं।

दरअसल पिछले अनेक वर्षों से सम-सामयिक विषयों पर लिखते-लिखते मेरी खेलों से रूचि लगभग समाप्त हो गयी थी । खेलों में राजनीति ने भी इसमें अपनी भूमिका निभाई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड पर थैली शाहों के बेटों को देखकर क्रिकेट के भाग्य पर तरस आता है। आप आश्चर्य करेंगे कि मै अभी तक अपने शहर में बनाये गए नए क्रिकेट स्टेडियम को देखने तक नहीं गया ,क्योंकि हमारे यहां भी क्रिकेट एक परिवार की दासी बनी हुई है। । लेकिन शनिवार की रात मुझे लगा कि हम भले ही राजनीति में विश्व गुरु न बने हों किन्तु क्रिकेट के खेल में तो आज विश्व गुरु हैं ,और इसका श्रेय किसी मोशा की जोड़ी को नहीं बल्कि उन क्रिकेटरों को जाता है जो सचमुच भारत के मान-सम्मान के लिए खेलते हैं।

फाइनल मैच की कमेंट्री पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू कपिलशर्मा शो के जज की ही तरह फुल फार्म में कर रहे थे।चूंकि भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया था इसलिए मुझे भी मैच ने बाँध लिया। एक लम्बे अरसे बाद मुझे चौके और छक्के देखने का रोमांच हुआ। मैच में हालांकि रोहित शर्मा, ऋषभ पंत और सूर्यकुमार यादव इस मैच में बड़ी पारी नहीं खेल सके ,मगर उसके बार विराट कोहली और अक्षर पटेल के बीच 72 रन की साझेदारी ने टीम इंडिया की मैच में वापसी कराई । अक्षर पटेल ने 31 गेंद में 47 रन और विराट कोहली ने 59 गेंद में 76 रन की पारी खेली. शिवम दुबे ने भी 16 गेंद में 27 रन की पारी खेलकर भारत को 176 रन तक पहुंचने में मदद क। नवजोत सिंह का अनुमान था कि भारत 180 रन का लक्ष्य पार कर लेगा लेकिन भारत ये लक्ष्य पाने से 4 कदम पीछे रह गया।

अमूमन रात को 10 बजे सो जाने वाले इस बन्दे ने पूरे साहस के साथ फाइनल मैच देखा। मेरे ख्याल से दक्षिण अफ्रीका के लिए शुरूआत अच्छी नहीं रही क्योंकि रीजा हेंड्रिक्स और कप्तान एडन मार्करम चार-चार रन बनाकर आउट हो गये । लेकिन क्विंटन डी कॉक और ट्रिस्टन स्टब्स ने 68 रन की साझेदारी करके दक्षिण अफ्रीका की मैच में वापसी करवाई बल्कि मैच के रोमांच को भी बनाये रखा । स्टब्स ने 21 गेंद में 31 रन और डी कॉक ने 31 गेंद में 39 रन की पारी खेली । हेनरिक क्लासेन तब बैटिंग के लिए क्रीज पर उतरे जब दक्षिण अफ्रीका का स्कोर 3 विकेट पर 70 रन बना लिए थे । क्लासेन ने यहां से ताबड़तोड़ बैटिंग शुरू की और उन्होंने मात्र 23 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने 2 चौके और 5 छक्के लगाकर अपना अर्धशतक पूरा कर दिखाया। क्लासेन ने 27 गेंद में 52 रन बनाए। 15वें ओवर में क्लासेन ने अक्षर पटेल के 24 रन बटोरे जहां से मैच पूरी तरह पलटा हुआ नजर आने लगा था। भारत ने गेंदबाजी के दम पर वापसी की वो भी आखिरी 4 ओवरों में

जैसा कि आप सभी ने देखा होगा कि 16 ओवर के बाद दक्षिण अफ्रीका ने 4 विकेट के नुकसान पर 151 रन बना लिए थे। अफ्रीका को आखिरी 4 ओवर में जीत के लिए 26 रन बनाने थे। 17वें ओवर की पहली ही गेंद पर हार्दिक पांड्या ने क्लासेन को आउट कर दिया । अगले 2 ओवरों में सिर्फ 6 रन आए। 19वें ओवर में अर्शदीप सिंह ने केवल 4 रन दिए, जिससे मैच का रुख भारत की ओर हो गया। आखिरी ओवर में हार्दिक पांड्या ने केवल 8 रन देकर भारत की 7 रन से जीत सुनिश्चित की।

पूरे सत्रह साल बाद मिली इस विजय से मुझे एक बार लगा कि जैसे ये एक सपना है ,लेकिन बारबाडोस से लेकर दिल्ली और ग्वालियर में जब आधी रात को जश्न शुरू हुआ तो यकीन करना ही पड़ा कि हम क्रिकेट के विश्व गुरु फिर बन गए हैं। इतना जश्न देश में एनडीए गठबंधन की सरकार के तीसरी बार सत्ता में वापस लौटने के बाद भी शायद नहीं मनाया गया था। दरअसल खेलों में खिलाडी पुरुषार्थ दिखाते हैं। खेलों में अदावत नहीं होती ,प्रतिस्पर्द्धा होती है। खेलों में कोई फैसला संसद की तरह ध्वनिमत से नहीं होता। मै भारतीय क्रिकेट टीम की इस महान उपलब्धि से गदगद हूँ। मै हमेशा ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ की वो हमारे देश की सियासत को अदावत से बचाकर उसमें प्रतिस्पर्द्धा और खेल की भावना भर दे। सियासत में भी नेता अपनी पारी समाप्ति की घोषणा खुद करें । कब्र में पैर लटकने तक कुर्सी से चिपके न रहें । खेलों से सीखें कि नयी पीढ़ी के लिए पुरानी पीढ़ी कैसे रास्ता छोड़ती है ? भारतीय राजनीति को क्रिकेट के विराट कोहली चाहिए रोम के नीरो नहीं पूरी भारतीय टीम को इस उपलब्धि के लिए बधाई ,क्योंकि वर्षों बाद हम भारतीयों का सीना एक बार फिर 56 इंच का हुआ है।

# वैश्विकी : मोदी-पुतिन सिखर वार्ता

ड़ॉ. दिलीप चौबे

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपने तीसरे कार्यकाल की शुरूआत में घरेलू और विदेश मोर्चे पर चुनौतियों का सामना है। आशानुरूप जनादेश नहीं मिलने के कारण उन्हें घरेलू राजनीति में अपना जनाधार बनाए रखने और यथासंभव उसका विस्तार करने की चुनौती पेश है। कारगर विदेश नीति के लिए जरूरी है कि किसी नेता को अपने देश में जनता का भरपूर समर्थन मिले। भारत में आम तौर पर विदेश नीति को लेकर मतैक्य रहा है, लेकिन हाल के वर्षों में राजनीतिक दलों में वैमनस्यता और अविश्वास बढ़ख है। इसका असर विदेश नीति पर भी दिखाई दिया है। चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस सहित कई विपक्षी दलों ने भारत के भरोसेमंद दोस्त रूस और उसके नेता ब्लादिमीर पुतिन के खिलाफ प्रतिकूल टिप्पणी की थी। रूस के विदेश मंत्रालय की ओर से भी यह आरोप लगाया गया था कि अमेरिका भारतीय चुनाव प्रक्रिया में दखलअंदाजी कर रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने विदेश नीति की निरंतरता को कायम रखने के लिए बहुत चतुराई का प्रदर्शन किया। चुनाव परिणाम आने से पहले ही ईरान के साथ चाबहार बंदरगाह समझौता किया गया। यदि चुनाव के बाद विपक्षी सरकार बनती तो यह समझौता होता या नहीं, यह अनुमान का विषय है। सरकार बनने के बाद अपनी पहली द्विपक्षीय विदेश यात्रा के रूप में रूस का चुनाव करना भी बहुत महत्त्वपूर्ण है। मोदी अपने तीसरे कार्यकाल की शुरूआत में ही रूस के साथ अपने संबंधों को पुख्ता बनाना चाहते हैं। अमेरिका सहित पश्चिमी देश भारत और प्रधानमंत्री मोदी के प्रति बेरुखी का रवैया अपनाने लगे हैं। आगे चलकर यह प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष विरोध में बदल सकता है। ऐसे में मोदी की जवाबी रणनीति यह प्रतीत होती है कि रूस के साथ संबंधों को और मजबूत बनाया जाए। प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 1970 के दशक में ऐसी ही रणनीति अपनाई थी। भारत ने तत्कालीन सोवियत संघ के साथ मैत्री संधि की थी जिसके कारण बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के समय भारत अमेरिका की चुनौती का सामना कर सका।

प्रधानमंत्री मोदी की रूस यात्रा 8 और 9 जुलाई को संभावित है। इसी समय वाशिंगटन में नाटो सैन्य संगठन की शिखर वार्ता भी होने वाली है। कूटनीतिक सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी की रूस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच एक महत्त्वपूर्ण सैन्य सहयोग समझौता हो सकता है। इसके अंतर्गत रूस के युद्धपोत भारतीय बंदरगाहों में ठहराव और मरम्मत आदि की सुविधा हासिल कर सकते हैं। भारत ने कुछवर्ष ऐसा ही समझौता अमेरिका और कुछ अन्य देशों के साथ भी किया था। लेकिन मौजूदा रणनीतिक परिदृश्य में रूस की नौसेना को यह सुविधा दिया जाना अमेरिका के लिए खतरे की घंटी है। रूस ने हाल में उत्तर कोरिया के साथ सैन्य गठबंधन किय है, जो जापान, दक्षिण कोरिया और फिलीपींस के लिए गंभीर चिंता का विषय है। इसी तरह रूसी सैनिकों ने हिन्द महासागर और अरब सागर में अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। रूस और ईरान इस समुद्री क्षेत्र में अमेरिका के दबदबे को चुनौती दे रहे हैं। कुल मिलाकर पूरे हिन्द प्रशांत क्षेत्र में रूस की मौजूदगी पिछले शीत-युद्ध वाले दौर की याद दिलाती है। इन हालात में रूस और भारत के बीच बढ़त्ता सैन्य सहयोग पर अमेरिका क्या रवैया अपनाता है, यह आने वाले दिनों में स्पष्ट होगा।

प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा के दौरान ही दोनों देश एस-400 मिसाइल प्रणाली के साझा उत्पादन के संबंध में भी समझौता कर सकते हैं। मेक इन इंडिया मिशन की यह एक बड़ी उपलब्धि होगी। कुछमहीनों बाद रूस में ही ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का आयोजन होना है। लगातार व्यापक बन रहे ब्रिक्स संगठन के जरिए ग्लोबल साउथ आर्थिक मोर्चे पर घरेलू करंसी को मजबूत बनाने और अमेरिकी मुद्रा डॉलर का वर्चस्व समाप्त करने का फैसला भी कर सकते हैं।

## बाइडेन-ट्रंप के प्रेसिडेंशियल डिबेट.....एक्स पर आ गया प्रतिक्रियों का सैलाब, एलन मस्क ने पोस्ट कर बताया

वाशिंगटन । टेस्ला और स्पेस एक्स के सीईओ एलन मस्क ने बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और उनके प्रतिद्वंद्वी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टीवी पर पहले प्रेसिडेंशियल डिबेट के दौरान एक्स पर रिकॉर्ड गतिविधि दर्ज हुई। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स ने बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डिबेट पर

मिनट-दर-मिनट चर्चा प्रसारण शुरू होने के बाद 90 मिनट में 19 गुना हो गई। कंपनी ने कहा कि डिबेट के दौरान एक्स पर दुनिया भर में चर्चाओं का पैमाने चौंकाने वाला था। एक्स ने बताया कि डिबेट के दौरान दो अरब से ज्यादा इम्प्रेशन दर्ज किए गए। इसमें 24.2 करोड़ वीडियो व्यूज और 20 लाख पोस्ट शामिल थे। मस्क ने कहा कि अमेरिकी प्रेसिडेंशियल डिबेट के दौरान एक्स पर रिकॉर्ड गतिविधियां दर्ज की गई। एक यूजर ने लिखा, डिबेट के दौरान एक्स पर बवाल मचा हुआ था। डिबेट के एक्स पर लाइव स्ट्रीम को भी काफी लोगों ने देखा। एक अन्य यूजर ने लिखा कि बिना किसी सेंसरशिप के डर के लोगों को इस मुद्दे पर खुलकर बात रखने की अनुमति देने के जबरदस्त परिणाम दिखे। बहस के बाद राष्ट्रपति बाइडेन ने कहा कि उनका प्रदर्शन अच्छा रहा और उनके प्रदर्शन से निराश कुछ डेमोक्रेट्स की चुनावी दौर से हटने की सलाह पर अमल की संभावना से मना किया। राष्ट्रपति ने कहा, मुझे लगता है कि मैंने अच्छा (प्रदर्शन) किया। हालांकि कई डेमोक्रेट्स को चिंता सता रही है कि बाइडेन पूर्व राष्ट्रपति रिपब्लिकन पार्टी के ट्रंप के सामने पर्याप्त चुनौती नहीं पेश कर सकते है।

## इराक की अल-नूरी मस्जिद में मिले 5 बम

मोसुल। इराक के उत्तरी शहर मोसुल की अल-नूरी मस्जिद में 5 बड़े बम बरामद हुए हैं। आतंकी संगठन आईएसआईएल ने ये बम दीवार में गाड़ रखे थे। अलजजीरा के मुताबिक, इन बमों का वजन 1.5 किलोग्राम है। इनमें से एक को दीवार से निकाल दिया गया है, जबकि बाकी बमों को हटाने की कोशिश की जा रही है। 2017 में तबाह हुई मस्जिद को दोबारा बनाने में जुटे यूनेस्को ने बताया कि बम बाद में बनाई गई एक दीवार में लगाए गए थे। इनकी जानकारी मिलते ही इराक के अधिकारियों को सूचना दी गई। इसके बाद इलाके में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई। बम हटाए जाने तक सभी लोगों को मस्जिद के परिसर से हटा दिया गया है।

## धर्मगुरु को साढ़े दस साल की जेल

सिंगापुर। सिंगापुर में 54 साल की धर्मगुरु वू मे हो को साढ़े दस साल जेल की सजा हुई है। कोर्ट ने उन्हें अपने भक्तों के साथ धोखाधड़ी करने और उन्हें चोट पहुंचाने समेत 5 आरोपों में दोषी पाया। वू मे हो पर आरोप है कि वह अपने भक्तों का ब्रेनवॉश कर उन्हें बताती थी कि वह एक देवी है। अगर भक्त उसके आदेश का पालन नहीं करते थे तो वू मे हो उन्हें क्रूर सजा देती थी। वह भक्तों को उनका मल खिलाती थी और प्लास से दांते निकालने को कहती थी। वह भक्तों पर कैंची से वार करती थी और उन्हें इमारत की दूसरी मंजिल से कूदने को भी कहती थी।

## गैसोलीन निर्यात के लिए रूस ने 31 जुलाई तक बढ़ाई परमिट की अविध

मॉस्को। रूस की पुतिन सरकार ने गैसोलीन निर्यात के लिए 31 जुलाई तक परमिट की अवधि बढ़ा दी है। यह जानकारी आधिकारिक कानूनी सूचना पोर्टल पर प्रकाशित प्रासंगिक दस्तावेज के जरिए से मिली है। दस्तावेज 29 फरवरी के सरकारी संकल्प संख्या 243 में संशोधन करता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रूस के ऊर्जा मंत्री सर्गेई त्सिविलीव ने कहा कि घरेलू बाजार में पर्याप्त ईंधन का भंडार है और मांग आपूर्ति के अनुरूप है। उन्होंने कहा कि बाजार की जरूरतों के आधार पर आगे कदम उठाए जाएंगे। यूरेशियन इकोनॉमिक यूनियन देशों को छोड़कर अन्य देशों में गैसोलीन के निर्यात पर प्रतिबंध एक मार्च को लगाया गया था। मई माह के अंत में रुसी सरकार ने 30 जून तक प्रतिबंध को निलंबित कर दिया था। गैसोलीन निर्यात पर अस्थायी रूप से प्रतिबंध हटाने का निर्णय रूस के बाजार की संतृप्ति के संबंध में किया गया था, ताकि रिफाइनरियों द्वारा प्रसंस्करण में कमी और बंदरगाहों में अनलोडिंग से रोका जा सके।

## अमेरिका में पुलिस अधिकारी ने 13 वर्षीय किशोर को गोली मारी

न्यूयॉर्क। अमेरिका के न्यूयॉर्क में शनिवार देर रात जारी की गयी एक वीडियो में एक पुलिस अधिकारी 13 वर्षीय किशोर को गोली मारते दिख रहा है। पुलिस ने बताया कि मैनहट्टन से करीब 400 किलोमीटर उत्तरपश्चिम में पुलिस ने एक लूटपाट की जांच के संबंध में शुक्रवार देर रात 10 बजे दो किशोरों को रोका था, जिसके बाद एक किशोर को अधिकारियों ने गोली मार दी जिससे उसकी मौत हो गयी। पुलिस ने बताया कि 13 वर्ष की आयु के दोनों किशोरों का विवरण लूटपाट की एक घटना के संदिग्धों से मेल खा रहा था और वे लूटपाट वाले दिन उसी इलाके में थे। पुलिस द्वारा जारी 'बॉडी कैमरा' फुटेज में एक अधिकारी को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि उसे इन दोनों किशोरों की तलाशी लेनी होगी कि कहीं उनके पास कोई हथियार तो नहीं है। इसके तुरंत बाद उनमें से एक भागने लगता है। वीडियो में न्याह वे नामक किशोर उसका पीछा कर रहे अधिकारियों पर पिस्तौल ताने देखा जा सकता है। पुलिस ने बताया कि अधिकारियों को लगा कि यह पिस्तौल है लेकिन बाद में पता चला कि वह एक खिलौना था। इसके बाद पुलिस किशोर को जमीन पर गिरा देती है और एक अधिकारी गोली चलाता है जो उसकी छाती पर लगती है। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गयी।

## लंदन में लग्जरी कारों को जंजीर से बांधकर रखते हैं लोग!

लंदन । क्या आपने कभी किसी को गाय-भैंस की तरह अपनी कार को जंजीर से बांधकर रखते देखा है? भारत में ये नजारा शायद आपको कहीं दिख भी जाए, पर इन दिनों लंदन में लोग अपनी करोड़ों की कारों को जंजीर से बांधे देखे जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक लंदन में लैंड रोवर गाड़ियों के मालिक अपनी गाड़ी की सुरक्षा को लेकर काफी परेशान हैं। दरअसल, लंदन में लैंड रोवर गाड़ियों की चोरी बढ़ी है। हाल ही में एक फोटो वायरल हुई, जिसमें एक लैंड रोवर गाड़ी के मालिक ने अपनी कार को पेड़ से, जंजीर के जरिए बांध दिया। जो फोटो वायरल हो रही है जिसमें इंडस्ट्रीयल चेन को दो बार पेड़ से लपेटकर गाड़ी में बांधा गया है। एक खबर के अनुसार पिछले महीने जैगुआर लैंड रोवर ने पुलिस को भरोसा दिलाया था कि वो गाड़ियों की खोई हुई गरिमा को लौटाने के लिए और चोरी रोकने के लिए 10 करोड़ रुपयों से ज्यादा खर्च करेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक लेक्सस आरएक्स नाम की कार 2023 में सबसे ज्यादा चोरी की जाने वाली कार थी। जब कंपनी के मालिकों को ऐसी रिपोर्ट्स मिलीं, जिसमें ये दावा किया जा रहा था कि ये गाड़ियां आसानी से चोरी हो सकती हैं, तब उन्होंने बयान जारी कर कहा कि कंपनी जो पैसा लगा रही है, वो सिर्फ पुलिस की मदद के लिए लगा रही है, न कि कार की सुरक्षा सिस्टम को सुधारने के लिए पैसे खर्च करना चाह रही है। कार की बिना चाबी की एंट्री सुविधा की वजह से ही चोर इसे आसानी से चुराने में सफल हुए हैं। यूके में साल 2023 में लैंड रोवर के जो 3 मॉडल सबसे ज्यादा चोरी हुए हैं, उनमें रेंज रोवर स्पोर्ट, रेंच रोवर इवोक, और लैंड रोवर डिस्कवरी स्पोर्ट शामिल है।

## फिलीपींस में पटाखा गोदाम में विस्फोट से पांच की मौत, 20 घायल

मनीला। फिलीपींस के जाम्बोआंगा शहर में एक पटाखा गोदाम में हुए शक्तिशाली विस्फोट में पांच लोगों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। एक स्थानीय समाचार एजेंसी ने अधिकारियों के हवाले से बताया है कि विस्फोट में गोदाम के पास के घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को भी नुकसान पहुंचा है। विस्फोट स्थल पर पहुंचे जाम्बोआंगा के मेयर जॉन डेलिप ने संवाददाताओं को बताया कि घटना में पांच लोगों की मौत हो गई और 20 लोग घायल हो गए।

जर्मनी में एएफडी पार्टी का विरोध कर रहे लोंगों ने सड़क पर अवरोधक लगा दिये। जिन्हें पुलिस ने हटाया।

# ईरान ने इजरायल को दी युद्ध की धमकी तो मिला करारा जवाब

**- इजराइल बोला, अगर हिजबुल्लाह गोलीबारी बंद नहीं करता तो हम उस पर सख्त कार्रवाई करेंगे**

तेल अवीव(एजेंसी)। इजरायल और हमास के बीच का संघर्ष मिडिल ईस्ट के बाकी हिस्सों में फैल सकता है। लेबनान के हिजबुल्लाह ने हाल ही में धमकी दी थी कि वह अंतिम सांस तक इजरायल से लड़ने को तैयार है। इस बात की आशंका जताई जा रही है कि इजरायल हमास की तरह हिजबुल्लाह पर हमला कर सकता है। हिजबुल्लाह को ईरान से समर्थन मिलता है। इस बीच ईरान ने खुले तौर पर इजरायल को चेतावनी दी है कि अगर वह लेबनान में हिजबुल्ला के खिलाफ जमीनी सैन्य अभियान शुरू करता है तो वह विनाशकारी युद्ध करेगा। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के मिशन ने एक्स पर इससे जुड़ा पोस्ट लिखा। उसने कहा कि यद्यपि ईरान लेबनान पर हमले करने के इरादे के बारे में जायोनी शासन (इजरायल) के प्रचार को मनोवैज्ञानिक युद्ध मानता है। क्या इसे पूर्ण पैमाने पर सैन्य आक्रमण शुरू करना चाहिए? इससे एक विनाशकारी युद्ध शुरू हो जाएगा। सभी विकल्प खुले होंगे। सभी प्रतिरोध मोर्चे हिस्सा लेंगे। ईरान अपने ट्वीट में साफ कह रहा है कि अगर इजरायल ने लेबनान पर हमला किया तो वह युद्ध करेगा। भले ही यह युद्ध उसके प्रॉक्सी के जरिए ही क्यों न लड़ा जाए। इजरायल के विदेश मंत्री इजराइल काट्ज ने शनिवार रात को प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अगर हिजबुल्लाह अपनी गोलीबारी बंद नहीं करता और दक्षिणी लेबनान से वापस नहीं जाता तो हम उसके खिलाफ पूरी ताकत से कार्रवाई करेंगे, तब तक जब कि सुरक्षा बहाल नहीं हो जाती और निवासी अपने घरों में वापस नहीं लौट जाते। उन्होंने आगे कहा कि जो शासन विनाश की धमकी देता है, वह अपना विनाश कराने का हकदार है। रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने अमेरिका की यात्रा से लौटने के बाद शुक्रवार को उत्तरी सीमा का दौरा किया। अमेरिका यात्रा के दौरान उन्होंने अमेरिकी विदेशमंत्री एंटनी ब्लिंकन, अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन और अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन से मुलाकात की। उन्होंने इजरायली सेना और हिजबुल्लाह के बीच लगभग नौ महीने की सीमा पार हिंसा के बाद उत्तर में शांति बहाल करने के लिए राजनयिक और सैन्य दोनों विकल्पों पर चर्चा की। गैलेंट ने आईडीएफ सैनिकों से कहा कि हम युद्ध नहीं चाहते, लेकिन हम इसके लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि अगर वह युद्ध करना चाहता है, तो हमें पता है कि क्या करना है। यदि वह राजनयिक व्यवस्था का विकल्प चुनेगा तो हम इस विकल्प का जवाब देंगे।

## बहस में खराब प्रदर्शन के बाद बाइडन से राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ से हटने की मांग

**-दूसरा कार्यकाल पाने के इच्छुक बहस में लड़खड़ाते नजर आए बाइडन**

न्यूर्याक(एजेंसी)। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए होने वाले चुनाव के लिए अटलांटा में हुई बहस में पिछड़ने के बाद सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पार्टी ने राष्ट्रपति जो बाइडन के चुनावी दौड़ से हटने की मांग की है। जो बाइडन (81) और उनके प्रचार अभियान ने कहा कि वह हार नहीं मान रहे हैं और पांच नवंबर को होने वाले चुनाव के लिए सफलतापूर्वक मुकाबला करने के लिए कटिबद्ध हैं। प्रचार अभियान के नेतृत्व ने कहा कि बाइडन डेमोक्रेटिक पार्टी के प्रत्याशी हैं। प्रत्याशी नहीं बदला जा रहा है।

अमेरिका के 46वें राष्ट्रपति बाइडन ने डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनने के लिए प्राइमरी चुनाव में जीत हासिल कर ली है। व्हाइट हाउस में दूसरा कार्यकाल पाने के इच्छुक बाइडन की आवाज बहस के दौरान लड़खड़ाती नजर आई, जिससे डेमोक्रेट के शीर्ष नेता सोच रहे है कि क्या बाइडन राष्ट्रपति चुनाव से पहले के कठिन महीनों के दौरान शीर्ष पर रह सकते हैं।

वहीं, रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप (78) ने बहस में शुरुआत से ही बाइडन को कड़ी टक्कर दी। राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए अटलांटा में पहली बहस के बाद से ही कई मीडिया संस्थान और बाइडन की पार्टी के समर्थक और नीति निर्माता उनसे इस दौड़ से हटने की मांग कर रहे हैं। बहस के बाद एक अखबार ने अपनी संपादकीय में लिखा कि अपने देश की सेवा करने के लिए राष्ट्रपति बाइडन को इस दौड़ से हट जाना चाहिए।

## चुनाव से पहले मंदिर पहुंचे सुनक-अक्षता

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और उनकी पत्नी अक्षता मूर्ति ने देश में 4 जुलाई को होने वाले चुनाव से 4 दिन पहले लंदन के नेसदेन मंदिर पहुंचकर पूजा की। उन्होंने मंदिर का दौरा किया और वहां मौजूद लोगों से बातचीत भी की। सुनक ने नेसदेन मंदिर में लोगों को संबोधित भी किया। उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत टी 20 वर्ल्ड कप में भारतीय टीम की जीत के साथ की। सुनक ने कहा कि आज आप क्रिकेट मैच के नतीजों से तो खुश होंगे। इस पर भीड़ ने तालियां बजाईं। सुनक ने कहा कि मैं भी आपकी तरह एक हिंदू हूं। अपने विश्वास और आस्था से ही मुझे ताकत मिलती है। जब मैं सांसद बना था तब मैंने भगवत गीता पर ही हाथ रखकर शपथ ली थी। मुझे इस बात पर गर्व है। मेरा विश्वास मुझे यह सिखाता है कि हम अपने कर्मों पर ध्यान दें और परिणाम की चिंता न करें।

# इजरायल ने गाजा में फिर दागे मिसाइल, 40 की मौत, सैकड़ों घायल

गाजा (एजेंसी)। इजरायल और हमास के बीच जंग जारी है। इजराइल हमास को खत्म करने के लिए लगातार हमले कर रहा है। पिछले 24 घंटों के दौरान इजरायली हमलों में कम से कम 40 फिलिस्तीनी मारे गए और 224 घायल हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गाजा में स्वास्थ्य अधिकारियों के हवाले से बताया कि कुल फिलिस्तीनी मौतों की संख्या अब 37,834 हो गई है। अक्टूबर 2023 से फिलिस्तीनी-इजरायल संघर्ष शुरू होने के बाद से 86,858 लोग घायल हुए हैं।

अधिकारियों का कहना है कि इजरायली सेना और हमास के बीच झड़पों के कारण बचाव दलों को कई बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है। खास कर दक्षिणी गाजा के रफाह शहर और पूर्वी गाजा के शुजाया में जहां शरणार्थियों के शिविर हैं। इजरायली सैन्य प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि इजरायली सेना शुजाया क्षेत्र में आतंकवादी ठिकानों पर हमला कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ घंटों में सेना ने झड़पों में कई को मार गिराया। रफाह में इजरायली सेना ने कई आतंकवादियों को मार गिराया और सुरंग समेत बुनियादी ढांचे को नष्ट कर दिया है।

इस बीच फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि हजारों लोग आश्रय, भोजन, दवा और साफ पानी की समस्या से जूझ रहे हैं, हालात और भी खराब हो गए हैं। अमेरिका ने शुक्रवार को घोषणा की कि मानवीय सहायता के लिए गाजा के तट पर लंगर डाले हुए अमेरिकी जहाज को प्रतिकूल मौसम के कारण हटा दिया गया है।

# युक्रेन पर रुस के ताजा हमलों में 12 लोगों की मौत, कई इमारतें तबाह

**-ऊर्जा उत्पादन केंद्रों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बना रहा रुस**

कीव (एजेंसी)। रुस और यूक्रेन के बीच जंग को दो साल से ज्यादा हो चुके हैं लेकिन यह जंग खत्म होने पर नहीं आ रही है। जबकि इस जंग में रुस और यूक्रेन का काफी नुकसान हुआ है। वहीं रूस की ओर से पूर्वी यूक्रेन में किए गए हमले में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि निप्रो शहर में रूसी हमले से ध्वस्त इमारत के मलबे से एक और व्यक्ति का शव बरामद किया गया, जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर 12 हो गई। अधिकारियों ने बताया कि ये हमले ऐसे समय में हुए हैं जब रूस 1,000 किलोमीटर की सीमा पर कई क्षेत्रों में यूक्रेनी सेना को पीछे धकलने की कोशिश में है।

रुस और यूक्रेन के संसाधनों को खत्म करने के लिए हवाई हमले तेज कर दिए हैं और वह ऊर्जा सुविधाओं और अन्य महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बना रहा है। गवर्नर एलेक्सी स्मिरनोव ने सोशल मीडिया पर कहा कि रूस-यूक्रेन सीमा पर गोरोडिशे गांव में यूक्रेनी हमले के पीड़ितों में दो बच्चे भी शामिल हैं। ये हमले उस वक्त हुए जब रूस ने 1,000 किलोमीटर के मोर्चे पर कई क्षेत्रों में अपनी सेना तैनात कर रहा है। मॉस्को ने यूक्रेन के संसाधनों को खत्म करने के लिए हवाई हमले तेज कर दिए हैं और ऊर्जा उत्पादन केंद्रों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बना रहा है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि रूसी हमलों से यूक्रेन ने अपनी करीब 80 फीसदी तापीय ऊर्जा क्षमता और एक तिहाई जलविद्युत क्षमता खो दी है। डीनिप्रो में हुए हमले पर जेलेंस्की ने कहा कि यह यूक्रेन के सहयोगियों के लिए एक चेतावनी है कि देश को ज्यादा वायु रक्षा प्रणालियों की जरुरत है। यूक्रेनी वायुसेना ने शनिवार को कहा कि उसने रातभर में 10 रूसी ड्रोन मार गिराए है।

## अगर काला चश्मा पहना या दूसरे देश की फिल्म या गाना सुना तो मिलेगी मौत

**- सनकी किम जोंग का फरमान, शादी में दुल्हन को सफेद गाउन पहना भी बैन**

सियोल (एजेंसी)। काला चश्मा फैशन सेंस तो बताता ही है, गर्मी से भी बचाता है। लेकिन दुनिया का एक देश ऐसा भी है, जहां चाहे कितनी भी धूप हो आप काला चश्मा नहीं पहन सकते। अगर अपने काला चश्मा पहन लिया तो आपको सजा भी हो सकती है, इतना ही नहीं, यहां शादी में दुल्हन के सफेद गाउन पहनने पर बैन है। किसी दूसरे देश की फिल्म या गाना सुना तो फांसी पर भी लटकाया जा सकता है।

ये कोई और देश नहीं हां आप सही सोचे रहे हैं ये देश है उत्तहर कोरिया है जहां इस देश का शासक सनकी के साथ साथ क्रूर भी है। यहां के शासक किम जोंग उन दक्षिाण कोरिया को दुश्मन मुल्कह मानता हैं इसलिए वहां की कोई भी चीज उत्तकर कोरिया के लोग पहने या अपनाएं यह उसे पसंद नहीं। दक्षियण कोरिया में शादी के दौरान दुल्हएन सफेद गाउन पहनती हैं ये उनका कल्चकर है। यही देखकर उत्तर कोरिया की लड़कियां भी गाउन पहनने लगी थी। इस बात से किम जोंग इतना नाराज हुआ कि उसने सुरक्षाबलों को आदेश दे दिया कि अगर कोई ऐसा करता दिखे, तो उसे सजा दी जाए। दक्षिाण कोरिया की यूनिफिकेशन मिनिस्ट्रीं ने ये रिपोर्ट तैयार की है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, उत्तर कोरिया के सुरक्षाबल शादी के घरों में घुस जाते हैं और तलाशी लेते हैं कि कहीं कोई दक्षिण कोरिया के कल्चरर वाले कपड़े तो नहीं पहने है। लोगों को फैशनेबल कपड़े पहनने पर रोक है। दूल्हा-दुल्हैन को अपनी पीठ पर नहीं उठा सकता। ऐसा किया तो वह सजा का हकदार होगा। लोगों के फोन भी चेक किए जाते हैं। देखा जाता है कि कहीं, वे दक्षिाण कोरिया के किसी शख्स के संपर्क में तो नहीं है।

# टी20 विश्वकप जीतकर मालामाल हुई टीम इंडिया, इनाम में मिली 20 करोड़ से ज्यादा की राशि

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दक्षिण अफ्रीका को हराकर टी-20 विश्वकप चैंपियन बनी भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम को पुरस्कार स्वरूप 20.36 करोड़ रुपए मिले। इस बार टूर्नामेंट शुरु होने से पहले अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) रिकार्ड पुरस्कार राशि का बजट 93.51 करोड़ रुपए रखा था। उसी के अनुसार फाइनल में जीतने वाली भारतीय टीम को 20.36 करोड़ रूपए की राशि दी गई है। वहीं फाइनल में हारने वाली टीम दक्षिण अफ्रीका को 10.64 करोड़ रुपए से संतोष करना पड़ा।

इस बार टूर्नामेंट में रिकॉर्ड 20 टीमों ने भाग लिया था। सेमीफाइनल खेलकर बाहर होने वाली टीमों को 6.54 करोड़ रुपए। इनमें अफगानिस्तान और इंग्लैंड की टीमें शामिल हैं। दूसरे दौर यानी सुपर-8 को पार करने में नाकाम रहने वाली टीमों को 3.17 करोड़ रुपए तथा नौ से 12वें स्थान पर रहने वाली टीमों को 2.05 करोड़ रुपए तथा 13 से 20वें स्थान पर रहने वाली हर एक टीम को 1.87 करोड़ रुपए मिले। इसके अलावा हर एक टीम को टूर्नामेंट में जीतने वाले मैच पर अतिरिक्त 25.89 लाख रुपए दिए गए है।

मैच की बात करें तो भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। 34/3 पर सिमटने के बाद विराट (76) और अक्षर पटेल (31 गेंदों में 47, एक चौके और चार छक्कों की मदद से) के बीच 72 रनों की जवाबी साझेदारी ने खेल में भारत की स्थिति को बहाल किया। विराट और शिवम दुबे (16 गेंदों में 27, तीन चौकों और एक छक्के की मदद से) के बीच 57 रनों की साझेदारी ने भारत को अपने 20 ओवरों में 176/7 तक पहुंचाया। केशव महाराज (2/23) और एनरिक नॉर्टजे (2/26) दक्षिण अफ्रीका के शीर्ष गेंदबाज थे। मार्को जेनसन और एडेन मार्करम ने एक-एक विकेट लिया।

177 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए प्रोटियाज का स्कोर 12/2 हो गया और फिर क्विंटन डी कॉक (31 गेंदों में 39 रन, चार चौके और एक छक्का) और ट्रिस्टन स्टब्स (21 गेंदों में 31 रन, तीन चौके और एक छक्का) के बीच 58 रनों की साझेदारी ने दक्षिण अफ्रीका को खेल में वापस ला दिया। हेनरिक क्लासेन (27 गेंदों में 52 रन, दो चौके और पांच छक्के) के अर्धशतक ने खेल को भारत से दूर ले जाने की मदद दी। हालांकि अर्शदीप सिंह (2/20), जसप्रीत बुमराह (2/18) और हार्दिक (3/20) ने डेथ ओवरों में शानदार वापसी की और दक्षिण अफ्रीका को 20 ओवरों में 169/8 पर रोक दिया।

## चहल, सैमसन और यशस्वी बिना खेले ही बन गये चैंपियन

**बारबाडोस (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट टीम ने एक दशक के बाद आईसीसी ट्रॉफी जीती है , इसके लिए टीम के सभी खिलाड़ियों ने दबाव में आये बिना ही शानदार प्रदर्शन किया। इससे टीम में बेहद खुशी का माहौल है। टीम को 13 साल के बाद खिताब मिला है। इससे पहले टीम ने 2014 में चैम्पयंस ट्रॉफी जीती थी। उसके बाद से ही टीम सेमीफाइनल या फाइनल में हार से बाहर हो जाती थी। इस विश्वकप में युजवेंद्र चहल, संजू सैमसन और यशस्वी जायसवाल ऐसे खिलाड़ी रहे जिन्हें एक भी मैच खेलने का अवसर नहीं मिला। भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज और अमेरिका में संयुक्त रुप से हुए इस विश्वकप में 8 मैच खेलकर सभी में जीत दर्ज की। इस दौरान चहल, सैमसन और यशस्वी को एक भी मैच में अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिली। चहल टीम में दूसरे विशेषज्ञ स्पिनर थे। वहीं पहले नंबर पर कुलदीप यादव थे। कुलदीप ने टूर्नामेंट में शुरु से इतना प्रभावी प्रदर्शन किया कि चहल को अवसर ही नहीं मिल पाया। वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को इसलिए अवसर नहीं मिला क्योंकि विकेकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने भी बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग में अपने प्रदर्शन से टीम को किसी और नाम पर विचार करने ही नहीं दिया। यह लगातार दूसरा विश्व कप है, जब युजवेंद्र चहल टीम में तो चुने गए, लेकिन अंतिम ग्याहर में जगह नहीं बना सके। युजवेंद्र और सैमसन को पहले ही इस बात का अंदाजा रहा होगा कि उन्हें शायद ही अंतिम ग्याहर में जगह मिले पर यशस्वी साथ ऐसा नहीं हैं। वे टीम के विशेषज्ञ ओपनर हैं। टीम में रोहित के अलावा सिर्फ वही एक विशेषज्ञ ओपनर थे। ऐसे में यशस्वी को अंतिम ग्यारह में जगह की उम्मीद थी पर रोहित ने टीम में बदलाव नहीं किया जिससे उनकी उम्मीदें पूरी नहीं हुई। भारतीय क्रिकेट टीम के साथ रिंकू सिंह और खलील अहमद भी साथ रहे। इन दोनो को रिजर्व के प्लेयर के तौर पर टीम के साथ भेजा गया था।

## दक्षिण अफ्रीका पहली पारी में 266 पर ढेर, भारत ने बनाई 337 रनों की बढ़त

**चेन्नई (एजेंसी)।** स्नेह राणा (आठ विकेट) के शानदार स्पैल की बदौलत भारतीय महिला टीम ने बल्लेबाजी के लिये मुफीद चेपॉक की सपाट पिच मेहमान दक्षिण अफ्रीका रविवार को पहली पारी में 266 रन पर ढेर कर 337 रनों की बढ़त बना ली है। सुबह दक्षिण अफ्रीका ने चार विकेट पर 236 रनों के कल के स्कोर से आगे खेलना शुरु किया। कल दिन खेल समाप्त होने के समय मैरिजान कप्प (69) और नडीन डी क्लर्क ने (27) ने पारी को आगे बढ़ाया। स्नेहा राणा ने शुरुआत स्पैल में मैरिजान कप्प (74) को बोल्ड कर दक्षिण अफ्रीका को पहला झटका दिया। इसके बाद तो दक्षिण अफ्रीका की टीम मात्र 30 रन जोड़कर ताश के पत्तों की तरह ढ़ह गई। नडीन डी क्लर्क (39), सिनालो जाफ्टा (शून्य), अनरी डकर्सन (5), मासाबाटा क्लास (1) और नोनकुलुलेको म्लाबा (2) रन बनाकर आउट हुई। दक्षिण अफ्रीका की पूरी टीम 266 रनों पर सिमट गई। भारत को पहली पारी में बनाए गए (छह विकेट पर 603 पारी घोषित) के स्कोर के आधार पर 337 रनों की बढ़त मिली है। भारत की ओर से स्नेह राणा ने 25.3 में 77 रन पर आठ विकेट लिये। दीप्ति शर्मा को 21 ओवर में 47 रन देकर दो विकेट मिले।

## टी20 विश्व कप जीत के साथ द्रविड़ बोले, कोच के तौर पर यात्रा अच्छी रही

**-रोहित की सबसे ज्यादा याद आयेगी**

**ब्रिजटाउन (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट टीम के टी20 विश्व कप जीतने से उत्साहित मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कहा कि उनकी ये यात्रा काफी अच्छी रही। इसी के साथ ही द्रविड़ का कोच के तौर पर कार्यकाल भी समाप्त हो गया। उन्होंने कप्तान रोहित शर्मा की भी जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि उनकी मुझे सबसे ज्यादा याद आयेगी।

द्रविड़ ने विश्व कप 2024 जीतने के लिए टीम के प्रति आभार भी व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रतिष्ठित ट्रॉफी जीतना एक अच्छा एहसास है। द्रविड़ ने कहा, एक खिलाड़ी के तौर पर मैं ट्रॉफी जीतने के लिए भाग्यशाली नहीं रहा पर जब भी मैंने खेला, मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास किया। मैं भाग्यशाली रहा कि मुझे ऐसी टीम का कोच बनने का अवसर मिला जिसने मुझे ट्रॉफी जीत कर दी। यह एक शानदार अहसास है हालांकि इसके लिए मैंने कोई सुधार नहीं किये। ये केवल वह काम था जो मैं कर रहा था। मुझे रोहित और उनकी टीम के साथ काम करना पसंद रहा है, यह एक शानदार यात्रा थी और मैंने वास्तव में इसका आनंद लिया। द्रविड़ ने कप्तान रोहित शर्मा के टी20 से संन्यास पर कहा कि कप्तान जिस तरह के व्यक्ति हैं, उससे मैं प्रभावित हूं। साथ ही कहा कि रोहित की प्रतिबद्धता मुझे पसंद है। उन्होंने कहा, मैं उन्हें एक व्यक्ति के रूप में मिस करूंगा। जो चीज मुझे प्रभावित करती है, वह है कि वह उन्होंने मुझे जो सम्मान दिया है, टीम के लिए उनकी किस तरह की देखभाल और प्रतिबद्धता थी, उन्होंने किस तरह की ऊर्जा खर्च की और उन्होंने कभी पीछे कदम नहीं किये। मेरे लिए, रोहित वह व्यक्ति होगा जिसकी मुझे सबसे ज्यादा याद आएगी।

## जीत के बाद रोहित ने मैदान में लगाया तिरंगा

बारबाडोस। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने टीम के टी20 खिताब जीतने के बाद मैदान पर तिरंगा झंडा लगा दिया। भारतीय टीम को इस क्षण का पिछले 13 साल से इंतजार किया था। भारतीय क्रिकेट बोर्ड के सचिव जय शाह ने पहले ही कहा था कि भारतीय टीम रोहित की कप्तानी में इस बार टी20 विश्वकप जीतेगी जो अब सही साबित हुआ है। भारतीय टीम ने इससे पहले साल 2013 में महेंद्र सिंह धोनी की अगुवाई में दक्षिण अफ्रीका में चैम्पियंस ट्रॉफी जीती थी। रोहित ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल में जीत के बाद बारबाडोस के मैदान पर तिरंगा लगा दिया। इस दौरान रोहित के साथ तिरंगा लिए जय शाह और उपकप्तान हार्दिक पंड्या भी मौजूद थे। इससे पहले इसी साल 14 फरवरी 2024 को एक कार्यक्रम में जय शाह ने विश्वकप का कार्यक्रम जारी करते हुए कहा था की हम टी20 विश्व कप में झंडा लगायेंगे। तब टी20 विश्व कप 2024 के कार्यक्रम की घोषणा कर दी गयी थी पर ये तय नहीं था कि कप्तान कौन रहेगा। इसके बाद जय शाह का एक बयान मीडिया में आया था जिसमें उन्होंने ये उम्मीद जताई थी की भारतीय टीम रोहित की कप्तानी में ही टी20 विश्व कप खेलेगी। तब उन्होंने कहा थ कि भले ही टीम अहमदाबाद में एकदिवसीय विश्वकप का फाइनल नहीं जीत पायी पर वह इस बार टी20 खिताब जीतेगी। अब शाह की वही बात सफल हुई है।

## वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के लिए इंग्लैंड टीम घोषित, बेयरस्टो, फोक्स और लीच बाहर

लंदन - इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ श्रृंखला से पहले अपनी टेस्ट टीम से जॉनी बेयरस्टो, बेन फोक्स और जैक लीच को बाहर कर दिया। पहले दो टेस्ट के लिए 14 सदस्यीय टीम में इंग्लैंड ने तीन 'अनकैप्ड% (जिसने कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला हो) खिलाड़ियों को शामिल किया है जिसमें विकेटकीपर बल्लेबाज जेमी स्मिथ और तेज गेंदबाज गस एटकिंसन और डिलन पेनिंगटन शामिल हैं। लीच की जगह युवा स्पिनर शोएब बशीर को टीम में शामिल किया गया है। जेम्स एंडरसन को चुना गया है लेकिन यह 41 वर्षीय तेज गेंदबाज संन्यास लेने से पहले 10 जुलाई से लॉर्ड्स में शुरू होने वाले पहले टेस्ट में ही खेलेगा।

इंग्लैंड की टेस्ट टीम - बेन स्टोक्स (कप्तान), जेम्स एंडरसन (सिर्फ पहला टेस्ट), गुस एटकिंसन, शोएब बशीर, हैरी ब्रुक, जैक क्रॉली, बेन डकेट, डैन लॉरेंस, डिलन पेनिंगटन, ओली पोप, मैट पॉट्स, जो रूट, जेमी स्मिथ और क्रिस वोक्स।

## सूर्यकुमार को जय शाह से मिला 'सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक का पुरस्कार'

ब्रिजटाउन। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव जय शाह ने सूर्यकुमार यादव को सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक का पुरस्कार प्रदान किया जिन्होंने खतरनाक डेविड मिलर का शानदार कैच लपका जो भारत की जीत में निर्णायक साबित हुआ। भारतीय क्षेत्ररक्षण कोच टी दिलीप ने खिलाड़ियों को प्रेरित करने के लिए 'सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक' चुनने की प्रथा शुरू की थी। उन्होंने भारतीय टीम के क्षेत्ररक्षण की प्रशंसा 'भेड़ियों के झुंड' से की जिन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। दिलीप ने कहा, 'हम बड़े मुकाबलों में मौके के अनुसार प्रदर्शन करने की बात करते हैं लेकिन आज हमने सिर्फ प्रदर्शन नहीं किया बल्कि जीत हासिल की।' उन्होंने कहा, 'हमने पूरे टूर्नामेंट में और आज जो जज्बा, जो एकजुटता और जो लचीलापन दिखाया, वह असाधारण से कम नहीं है।' दिलीप ने कहा, 'हमने 'भेड़ियों के झुंड' की तरह क्षेत्ररक्षण किया। जैसा कि राहुल भाई और रोहित कहते रहते हैं। हर कोई अपनी भूमिका जानता था लेकिन हमने साथ मिलकर हर मौके का फायदा उठाया और कोई कसर नहीं छोड़ी।' भारत ने शानदार वापसी करते हुए दक्षिण अफ्रीका को पहला विश्व कप खिताब जीतने से महरूम कर दिया जिसमें अंतिम ओवर में सूर्यकुमार यादव का कैच निर्णायक रहा। सूर्यकुमार ने जिस संयम और सही समय पर लिये कैच से बेहतरीन मिसाल पेश की। जब उन्होंने डेविड मिलर का कैच लपका तब दक्षिण अफ्रीका को अंतिम ओवर में महज 16 रन की दरकार थी। सूर्यकुमार ने यह पुरस्कार प्राप्त करने के बाद कहा, 'दिलीप सर, मुझे यह मौका देने और जय (शाह) सर से यह पदक लेने के लिए आपका धन्यवाद।'

## तीसरा ओलंपिक पदक जीतने के लिए कौशल को निखारने पर पी वी सिंधू का फोकस

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू शारीरिक और मानसिक रूप से अच्छी स्थिति में हैं लेकिन उन्हें महसूस होता है कि ओलंपिक में तीसरा पदक जीतने के लिए उन्हें और अधिक 'चतुर' होने की जरूरत है। रियो और तोक्यो में पिछले दो ओलंपिक में क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीतने वाली सिंधू का लक्ष्य तीन ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनने का है। सिंधू ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ), भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) और भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) द्वारा आयोजित बातचीत के दौरान कहा, ''यह चुनौतीपूर्ण है। यह आसान नहीं है, पर असंभव भी नहीं है।''

उन्होंने कहा, ''तीसरे ओलंपिक में जाने से पहले मुझे और अधिक स्मार्ट होने की जरूरत है। मुझे अनुभव है, पर स्मार्ट होने की जरूरत है। मुझे उम्मीद है कि मैं पदक का रंग बदल सकती हूं और निश्चित रूप से देश के लिए एक और पदक जीत सकती हूं।'' वह अभी जर्मनी के सारब्रुकेन में हरमन-न्यूबर्गर स्पोर्ट्स्क्यूल में ट्रेनिंग कर रही हैं। वह 26 जुलाई को ओलंपिक शुरू होने से पहले सीधे पेरिस जायेंगी।

सिंधू ने कहा, ''शारीरिक और मानसिक रूप से मैं फिट हूं, बस मुझे स्मार्ट होना है और मेरे कोच अगुस (ह्वी सैंटोसो) इसका ध्यान रख रहे हैं। मेरे ट्रेनर भी ध्यान रख रहे हैं। मैं सभी स्ट्रोक्स पर काम कर रही हूं, चाहे वो डिफेंस हो, या अटैक या नेटप्ले। सभी चीजों में परफेक्ट होना महत्वपूर्ण है।'' उन्होंने कहा, '' मैं सिर्फ एक स्ट्रोक या तकनीक पर फोकस नहीं कर रही हूं। आप नहीं जानते कि क्या होने वाला है। ऐसे खिलाड़ी हैं जो काफी समझदार हैं और रणनीति में बदलाव करके प्लान बी पर आ जाते हैं। आपको इसके लिए तैयार रहने की जरूरत है। मेरा फोकस अभ्यास करने पर है।

## हार को पचा पाना मुश्किल : मारक्रम

**-आने वाले टूर्नामेंटों के लिए सुधार करेंगे**

ब्रिजटाउन दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम के कप्तान एडेन मारक्रम ने भारतीय टीम के हाथों फाइनल में मिली हार पर निराशा जताते हुए कहा है कि इसे स्वीकार करना बेहद मुश्किल है क्योंकि ये बेहद करीबी मुकाबला था। साथ ही कहा कि इस हार का दुख उन्हें हमेशा रहेगा पर टीम इससे सबक लेते हुए आगे आने वाले टूर्नामेंटों में बेहतर प्रदर्शन का प्रयास करेगी। दक्षिण अफ्रीकी टीम खिताबी मुकाबले में लक्ष्य का पीछा करते हुए अंतिम 30 गेंद में 30 रन नहीं बना पायी। अंतिम ओवरों में भारतीय टीम के गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या ने जबरदस्त गेंदबाजी की जबकि सूर्यकुमार यादव ने एक बेहद कठिन कैच कर मैच भारत के हाथों में ला दिया। मारक्रम ने मैच के बाद कहा, 'यह क्रिकेट का पहला मैच नहीं है जिसमें 30 गेंदों में से 30 की जरूरत वाली टीम को हार का सामना करना पड़ा है। भारत ने अच्छी गेंदबाजी और कमाल के क्षेत्ररक्षण से शानदार वापसी की और ऐसे में जीत का श्रेय उसे जाता है। कप्तान ने कहा, 'अभी किसी एक चीज को हार का कारण नहीं कहा जा सकता है। हम अगले कुछ दिनों में अपनी गलतियों पर विचार करेंगे और उन क्षेत्रों को ढूंढने का प्रयास करेंगे जिसमें हमें सुधार करना है। हम इसके साथ ही उन चीजों के बारे में भी सोचेंगे जो हमारे लिए वास्तव में अच्छा रहा है। हार के बाद भी कप्तान ने कहा कि जिस प्रकार टीम ने सभी मैच जीतकर फाइनल में जगह बनायी उसके लिए मुझे टीम पर गर्व है। उन्होंने कहा, 'मैं यह बात कहना चाहूंगा कि मुझे अपनी टीम के खिलाड़ियों पर काफी गर्व है। हम सिर्फ आज के प्रदर्शन से नहीं बल्कि टीम ने इस पूरे टूर्नामेंट और उससे पहले तैयारियों के दौरान शानदार प्रदर्शन किया है। मारक्रम ने कहा, 'यह हार दर्द देने वाली है लेकिन इससे आने वाले टूर्नामेंटों में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए टीम की इच्छा शक्ति बढ़ेगी। मारक्रम ने माना कि क्लासेन ने जिस प्रकार से मैच में खेला, उसको देखते हुए उनके लिए हार को पचा पाना संभव नहीं होगा। उन्होंने कहा, 'हमने उसे दुनिया भर में कई बार ऐसा करते देखा है। इस तरह के मंच पर ऐसी पारी खेलना वास्तव में एक विशेष प्रयास है। उसने टीम को जीत के काफी करीब पहुंचा दिया था। साथ ही कहा, 'यह क्रिकेट टूर्नामेंट है, यह कठिन क्रिकेट है, ट्रॉफियां जीतना आसान नहीं है और आपको ट्रॉफी जीतने के लिए भारत जैसी टीम को श्रेय देना ही होग। इसमें बहुत मेहनत लगती है।

## अफगान टीम के कप्तान राशिद खान की जर्नी प्रेरणादायक

**-राशिद का बचपन बेहद कठिनाई में रिफ्यूजी कैंप में बीता**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में हार के साथ अफगानिस्तान का सफर भले ही समाप्त हो गया हो, लेकिन उन्होंने पहली बार किसी विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। टीम के लिए यह एक बडी उपलब्धि है। इसके लिए ऑस्ट्रेलिया जैसी बड़ी टीम को भी मात दी।

अफगानिस्तान को यहां तक पहुंचाने में टीम के कप्तान राशिद खान ने अहम योगदान दिया। राशिद की जर्नी काफी प्रेरणादायक रही है जिन्होंने रिफ्यूजी कैंप से अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बनने तक का सफर तय किया है। राशिद का बचपन बेहद कठिनाई में बीता। 2001 में अफगानिस्तान में अमेरिका और तालिबान के बीच छिड़े युद्ध ने उनके परिवार को घर छोड़ना पड़ा और पाकिस्तान बॉर्डर के पास रिफ्यूजी कैंप में रहने लगे। पेशावर की गलियों में खेलते हुए राशिद का जीवन आगे बढ़ा। मैट्रिक की पढ़ाई के बाद उन्होंने 6 महीने तक अंग्रेजी की स्पेशल ट्यूशन ली और फिर इंग्लिश ट्यूशन पढ़ाने लगे। इंग्लिश के अलावा राशिद पश्तो, दारी, उर्दू, और हिंदी भी बोल लेते हैं। राशिद पढ़ाई में बेहद होशियार थे। उनकी मां का सपना था कि राशिद बड़े होकर डॉक्टर बनें, लेकिन अफगानिस्तान में तालिबान और अमेरिका के बीच बार-बार होने वाले युद्ध के कारण उन्हें कभी अफगानिस्तान तो कभी पाकिस्तान में हना पड़ा। इससे उनकी पढ़ाई प्रभावित हुई। जब राशिद बड़े हो रहे थे तो उस समय पाकिस्तानी ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी का अलग ही क्रैज था। उनको देखकर राशिद ने भी वैसी ही बैटिंग और स्पिन सीखी। क्रिकेट के अभ्यास के लिए वे भाइयों के साथ घंटों खेलते और इस तरह उनका क्रिकेटर बनने का सफर शुरू हुआ। इस दौरान उन्होंने यूट्यूब से भी सीखा। वह पसंदीदा स्पिनर्स की तकनीक वीडियो देखकर सीखते थे। कई पाकिस्तानी और अफगान प्रशंसक उन्हें अफगान अफरीदी भी कहते हैं। 2015 में मात्र 17 साल की उम्र में राशिद खान ने जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे और टी20 इंटरनेशनल में डेब्यू किया। इसके बाद 2018 में उन्होंने भारत के खिलाफ पहला टेस्ट खेला। 2019 में मात्र 21 साल की उम्र में उन्हें टीम के तीनों फॉर्मेट (टेस्ट, वनडे और टी20) का कप्तान बना दिया गया। हालांकि इसी साल उन्हें हटाकर असगर अफगान को कप्तानी दे दी गई। 2024 के टी20 वर्ल्ड कप के लिए उन्हें एक बार फिर से टीम का कप्तान बनाया गया था। करियर की बात करें तो 21 साल की उम्र में बने अफगानिस्तान टीम के कप्तान। कुल 201 मैचों (टेस्ट, वनडे और टी20) में 269 विकेट लिए हैं। मात्र 53 मैचों में 100 टी20 अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने का रिकॉर्ड।आईपीएल और बीबीएल सहित दुनियाभर की लगभग सभी बड़ी क्रिकेट लीग में हिस्सा लेना।

## रोहित-कोहली के नक्शेकदम पर रवींद्र जडेजा, टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की

**स्पोर्ट्स डेस्क (एजेंसी)।** भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली के नक्शेकदम पर चलते हुए रवींद्र जडेजा ने भी भारत की टी20 विश्व कप 2024 जीत के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों से संन्यास की घोषणा कर दी है। भारत के इस दिग्गज ऑलराउंडर ने बारबाडोस के केंसिंग्टन ओवल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 7 रन की जीत के बाद ड्रेसिंग रूम में विश्व कप ट्रॉफी के साथ अपनी तस्वीर पोस्ट करते हुए सोशल मीडिया के माध्यम से इसकी पुष्टि की।

जडेजा ने लिखा, 'कृतज्ञता से भरे दिल के साथ मैं टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों को अलविदा कहता हूं। गर्व से सरपट दौड़ने वाले एक दृढ़ घोड़े की तरह, मैंने हमेशा अपने देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ दिया है और अन्य प्रारूपों में भी ऐसा करना जारी रखूंगा। टी20 विश्व कप जीतना एक सपना सच होने जैसा था, मेरे टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का एक शिखर। यादों, जयकारों और अटूट समर्थन के लिए धन्यवाद।' महेंद्र सिंह धोनी के नेतृत्व में टीम में जगह बनाने के बाद से स्पिन-गेंदबाजी ऑलराउंडर ने लंबा सफर तय किया है। लेकिन हाल ही में समाप्त हुए टूर्नामेंट में वह अपनी लय हासिल नहीं कर पाए हैं। फरवरी 2009 में श्रीलंका के खिलाफ पदार्पण करने के बाद से उन्होंने जिन 74 मैचों में हिस्सा लिया है, उनमें कुल 515 रन बनाए हैं और सबसे छोटे प्रारूप में 54 विकेट लिए हैं। बल्ले से उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ आया, जहां उन्होंने 29 गेंदों पर 46 रन बनाए, जो अंतर साबित हुआ क्योंकि उन्होंने खेल को 49 रनों से जीत लिया। गेंद के साथ उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन 2021 टी20 विश्व कप में स्कॉटलैंड के खिलाफ था, जहां उन्होंने दुबई में 3/15 के आंकड़े हासिल किए थे। जडेजा के बारे में सबसे उल्लेखनीय विशेषता उनकी फील्डिंग रही है। ऐसे समय में जब हमारे पास सुरेश रैना और युवराज सिंह जैसे खिलाड़ी थे, सौराष्ट्र के ऑलराउंडर अपने करियर में कई मौकों पर लक्ष्य को हिट करने की अपनी क्षमता के साथ और भी अधिक उभरने में कामयाब रहे।

## टीम इंडिया में 13 साल बाद आया बड़ा उछाल : सहवाग

ब्रिजटाउन। भारतीय टीम ने टी20 विश्वकप जीतने के साथ ही पिछले एक दशक के आईसीसी खिताब के सूखे को समाप्त किया। इस अवसर पर पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने भी भारतीय टीम इंडिया को बधाई दी है। सहवाग ने शेयर बाजार से तुलना करते हुए कहा कहा, कल की जीत मुझे लगता है 13 साल बाद टीम में आया एक बड़ा उछाल है। सहवाग ने कहा कि क्रिकेट में भी कुछ-कुछ शेयर बाजार की तरह ही होता है। स्टॉक लंबे समय तक एक दायरे में रहता है और फिर अचानक उस दायरे से बाहर निकल कर ऊपर चढ़ जाता है। वैसे ही भारतीय टीम सालों से एक रेंज में अच्छा प्रदर्शन कर रही थी, पर कोई भी आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीत पाती थी। कल की जीत मुझे लगता है 13 साल बाद टीम का एक बड़ा उछाल है और इसे एक निर्णायक जीत की तरह देखा जा सकता है। मेरा मानना है कि इस जीत के बाद आने वाले वर्षों में टीम लगातार आईसीसी ट्रॉफी जीतती रहेगी। टीम इंडिया को ये जीत लंबे इंतजार के बाद मिली है। साल 2007 के बाद भारत ने एक बार फिर टी20 ट्रॉफी उठाई है। भारतीय टीम टी20 विश्वकप के फाइनल में अंतिम बार 2014 में पहुंची थी। तब श्रीलंका के हाथों खिताबी मुकाबले में उसे हार का सामना करना पड़ा था।

# सीटीआई राजपाल सिंह राठौड़ का किया नागरिक अभिनन्दन

तेज | जगदीश सोनी. चूरू

नगर में मित्र परिषद व गोल्डन मैमोरिज ग्रुप के संयुक्त तत्वावधान मे सीटीआई राजपाल सिंह राठौड़ का उल्लेखनीय कार्यो के लिए अभिनन्दन समारोह व संगीत सध्या का आयोजन किया गया। सुप्रसिद्व साहित्यकार व शिक्षाविद्व प्रोफेसर कमल सिंह कोठारी की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में युथ हॉस्टल के राष्ट्रिय अध्यक्ष पराक्रम सिंह राठौड़, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इस्माइल खांन, समाजसेवी राजेन्द्र सुराणा, पवन बगड़िया, विनोद लुणिया व पदमसिंह राठौड़ मचस्थ रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में गोल्डन मेमोरी ग्रुप के पंडित लक्ष्मीकांत व्यास के द्वारा मंगलाचरण किया गया एवम् राकेश दाधीच व विष्णु कसेरा ने अभिनंदन की बेला में स्वागत गणपति भजन गाकर गणेश वंदना की। इस अवसर पर मित्र परिषद के सरंक्षक विजेन्द्र दाधीच ने स्वागत भाषण देते हुऐ कहा कि चूरू की इस अनुठी परम्परा का निर्वहन करने के लिए इन संस्थाओं के द्वारा जो समाज सेवा मे अग्रणी रहे है उनके लिए समय समय पर ऐसे आयोजन किये जाते है। इस आयोजन का उदेश्य मित्रता को और प्रगाढ करना है। मित्र परिषद् के अध्यक्ष संदीप पाटील ने मचस्थ अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस अवसर पर बोलते हुऐ युथ हॉस्टल के राष्ट्रिय अध्यक्ष पराक्रम सिंह राठौड़ ने कहा कि व्यक्ति की असली कमाई दूसरों की सेवा से अर्जीत शुभ कामनाऐं होती है। उन्होने कहा हमारी भारतीय परम्परा में सेवा को सबसे ज्यादा महत्व दिया गया है। व्यक्ति जिस पद पर सेवारत रहता है तो उसे अधिकाधिक सेवाभाव के साथ काम करना चाहिए। उन्होने चूरू की साझी विरासत की चर्चा करते हुऐ कहा कि चूरू की इस धरती में जो अपनत्व व प्रेम दिखाई देता है वैसा अन्यत्र मिलना मुश्किल है। उन्होने सेवानिवृत हो रहे राजपाल सिंह राठौड़ को शुभ कामना देते हुऐ कहा कि इन्होने जिस प्रकार रेल की नौकरी करते हुऐ लोगो की सेवाऐं की उनकी मदद की वह अपने आप में अविस्मरणीय है। कार्यक्रम में बोलते हुए प्रोफेसर कमल सिंह कोठारी ने कहा कि अनेक लोग है जो सेवा निवृति के बाद कही गुमनामी में खो जाते है परन्तु कुछ ऐसे लोग होते है जिनको सेवानिवृति के पश्चात भी समाज में मान सम्मान मिलता है इसका मुल कारण सेवारत रहते हुऐ सेवा को अपना मूल कर्तव्य मानना है। इस अवसर पर उन्होने अपनी दो स्वरचित कविता सुनाई। इस अवसर पर राजपाल सिंह राठौड़ ने कहा कि ऐसे भव्य कार्यक्रम के लिए वे अपने मित्र परिषद् व गोल्डन मैमोरिज ग्रुप के सदस्यो के प्रति आभार व्यक्त करते है। सेवानिवृति के पश्चात उनका समय समाज सेवा व मित्रो के बीच व्यतीत होगा। कार्यक्रम में राकेश दाधीच, विष्णू कसेरा, सुरेश मिश्रा, मनोज सिन्हा, रविन्द्र सिंह शेखावत ने शानदार गीत की प्रस्तुती दी वही सुप्रसिद्व बांसूरी वादक सोहनलाल शर्मा ने बांसूरी की तान छेड़कर लोगो को मंत्र मुग्ध कर दिया। इस अवसर पर उमेश दाधीच ने अभिनन्दन पत्र का वाचन किया एवम् सेवानिवृत सीटीआई राजपाल सिंह राठौड़ को साफा शॉल व अभिनन्दन पत्र भेंट कर उनका अभिनन्दन किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार गुरूदास भारती, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ शंकरसिंह गौड़ ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम मे विनित चोटिया, मुकेश औझा, शेरू गोयन्का, रामावतार लोहिया, श्यामसुन्दर शर्मा, अजय लोहिया, राजेन्द्र चौबे, कमल दायमा, ओमप्रकाश तंवर, छत्रसिंह डागा, दलीप सिंधी, अवकाश सैनी, विनोद टांईवाला, अशोक सिह शेखावत, नरेश सिंह शेखावत, सुनील भाउवाला, प्रदीप, सुनील व्यास, प्रदीप खुंगर, राकेश औझा, रवि सैन सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। आभार जगदीश शर्मा ने व्यक्त किया। संचालन रवि प्रकाश दाधीच ने किया।

# साध्वीजी का 'मंगल-भावना' का कार्यक्रम तेरापंथ भवन में आयोजित

तेज | रिपोर्टर हनुमानगढ़

टाऊन तेरापंथ सभा भवन में महामनिषी महातपस्वी आचार्य महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी सुदर्शना जी ठाणा-5 का लगभग 50 दिन के प्रवास के उपरांत 30 जून को सुबह 8.30 बजे 'मंगल-भावना' का कार्यक्रम रखा गया। इस अवसर पर महिला मंडल ने गीतीका द्वारा अपने भाव व्यक्त किये। तेरापंथ सभा अध्यक्ष संजय बांठिया ने साध्वी का प्रवास लगभग 50 दिन कृपा करवाने पर गुरुदेव का आशीर्वाद बताया व विदाई के पल को समाज के लिए कठोर होते हैं बताया। राजेन्द्र बेद, महेश भदानी, संजीव बांठिया, डॉ नरेश संकलेचा, तेयुप अध्यक्ष गोरव बेद, जियेश बांठिया, डॉ दीपीका जैन, सुक्रियाशी संकलेचा सभी ने साध्वी जी के प्रवास में जो धर्म लाभ मिला साध्वी सरल मना, मधुर भाषी, सहवर्ती साध्वी जी ने भी छोटे बड़े सभी को एक समान माना हमेशा धर्म के प्रति कुछ न कुछ सिखने की प्रेरणा हमे देते रहे। इसी क्रम में महिला मंडल अध्यक्षा मंजू बांठिया व सभा सचिव मनोज राखेचा ने गितिका द्वारा अपने भावों की अभिव्यक्ति दी। साध्वी पुनितयशा ने हनुमानगढ़ प्रवास को सातकारी बताया, साध्वी सुदर्शना ने अपने उद्बोधन में कहा की हनुमानगढ़ टाऊन का श्रावक समाज जागरूकता के साथ सेवा भावी भी है यह जागरूकता हमेशा बनीं रहे संघ ओर संघपति के प्रति सदा श्रद्धा वर्धमान रहे। कार्यक्रम में तेरापंथ सभा सदस्य, तेरापंथ महिला मंडल एवं तेरापंथ युवक परिषद् की उपस्थिति के साथ-साथ वरिष्ठ श्रावक बाबूलाल दुग्गड, पूर्व सभा अध्यक्ष विनोद बांठिया, सुरेन्द्र बोथरा, पदमचद बांठिया, विधा सागर बोरड, सोहनलाल बरडिया, राजकुमार बांठिया, मदनलाल सुखानी, कुलदीप पटावरी लोकेश बैद, विरेंद्र बोथरा, रतनलाल इत्यादि उपस्थित रहे।मंच संयोजन तेरापंथ सभा मंत्री मनोज राखेचा ने किया।

## प्रथम पेज का शेष...

### मां के नाम...

की अपील की। उन्होंने बताया कि कुवैत सरकार ने नेशनल रेडियो पर हिंदी में एक कार्यक्रम शुरू किया है। कुवैत रेडियो पर हर रविवार आधे घंटे टेलिकास्ट होता है। इस प्रोग्राम में भारतीय संस्कृति के अलग-अलग रंग शामिल होते हैं। इसमें भारतीय फिल्मों, कला जगत से जुड़ी चर्चाओं के बारे में बताया जाता है। दुनिया भर में मनाए गए 10वें योग दिवस पर पीएम मोदी जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में शामिल हुए थे। उन्होंने बताया कि हर साल योग दिवस में नए-नए रिकॉर्ड्स बन रहे हैं। कश्मीर में युवाओं के साथ-साथ बहनों-बेटियों ने भी योग दिवस में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया था।

**रेडियो पर संस्कृत समाचार के प्रसारण की गोल्डन जुबली:** 30 जून को आकाशवाणी के संस्कृत बुलेटिन टेलिकास्ट के 50 साल पूरे हुए। पीएम मोदी ने ऑल इंडिया रेडियो परिवार को बधाई दी। उन्होंने कहा संस्कृत की भारतीय ज्ञान-विज्ञान की प्रगति में बड़ी भूमिका रही है। समय की मांग है कि हम संस्कृत को सम्मान भी दें, और उसे अपने जीवन से भी जोड़ें। भारत के कई प्रोडक्ट्स की दुनिया-भर में बहुत डिमांड है। ऐसा ही प्रोडक्ट है अरकू कॉफी। यह आंध्र प्रदेश के अल्लुरी सीता राम राजू जिले में पैदा होती है। ये अपने रिच फ्लेवर-अरोमा के लिए जानी जाती है। अरकू कॉफी की खेती से करीब डेढ़ लाख आदिवासी परिवार जुड़े हुए हैं।

### 65 लाख से...

नरेंद्र मोदी से मिली है। उन्होंने प्रधानमंत्री पद की तीसरी बार शपथ लेते ही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 17वीं किस्त जारी की। इस योजना के माध्यम से हर वर्ष किसानों के खातों में 6 हजार रुपये जमा करवाए जा रहे हैं। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने राज सहकार व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना के तहत पात्र महिलाओं को 10-10 लाख रुपये की सहायता राशि के चौक सौंपे। इस दौरान उन्होंने कृषि उपज मंडी प्रांगण में पीपल लगाकर वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैया लाल चौधरी, सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक, ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर, किसान आयोग के अध्यक्ष सी.आर.चौधरी, पूर्व सांसद सुखबीर सिंह जौनपुरिया, प्रमुख शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी वैभव गालरिया, शासन सचिव सहकारिता शुचि त्यागी, रजिस्ट्रार सहकारिता अर्चना सिंह सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं भी किसान का बेटा हूं। उनकी परेशानियों से मैं भली-भांति अवगत हूं। इसलिए हमारी सरकार किसान हितों की रक्षा में सदैव तत्पर रहती है। उन्होंने कहा कि राज्य में गेहूं के 2275 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य के ऊपर 125 रुपये का बोनस प्रदान कर 2400 रुपये प्रति क्विंटल पर गेहूं खरीद की गई है। प्रदेश में 10 हजार सौर ऊर्जा संयंत्रों, 41 हजार हैक्टेयर क्षेत्रफल में ड्रिप और मिनी स्प्रिंकलर तथा 44 हजार हैक्टेयर क्षेत्रफल में स्प्रिंकलर संयंत्रों की स्थापना की गई है। शर्मा ने कहा कि राज्य के 47 हजार किसानों को कृषि कनेक्शन जारी किए गए हैं। किसानों को बिजली के बिलों में 8 हजार करोड़ रुपये से अधिक का अनुदान दिया गया है। किसानों को पर्याप्त बिजली उपलब्ध कराने तथा प्रदेश को बिजली सरप्लस राज्य बनाने के लिए 2.24 लाख करोड़ के एमओयू किए गए हैं। प्रदेश के 80 हजार से अधिक किसानों को 350 करोड़ रूपये का अल्पकालीन फसली ऋण मिला है तथा 21 कस्टम हायरिंग केन्द्रों की स्थापना की जा रही है।

### बीज खरीदने...

उन्होंने कहा कि शनिवार को क्षेत्र में बरसात हुई थी और आज रविवार को इस योजना का लाभ मिलने से बीज खरीदकर फसल उपजाएंगे। शर्मा ने कहा कि चीनी और गुड़ पर मंडी शुल्क को समाप्त कर दिया गया है। केंद्रीय सहकारी बैंकों के माध्यम से किसानों को 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक का ब्याजमुक्त फसली ऋण उपलब्ध करवाया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य में 100 नई पैक्स का गठन किया गया है। पशुपालकों के लिए त्वरित पशु चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने हेतु मोबाइल वेटेनरी सेवा प्रारंभ की गई है।

### बेहतर स्वास्थ्य...

विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

**1.07 करोड़ बच्चों को पल्स पोलियो खुराक का लक्ष्य:** चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से प्रदेश के 50 जिलों में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत 5 वर्ष तक की आयु के लगभग 1.07 करोड़ बच्चों को पल्स पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य है। इसके लिए 61 हजार 500 से अधिक बूथ बनाए गए हैं, जिन पर 77 हजार 500 से अधिक टीमें पल्स पोलियो की खुराक पिलाएंगी। अभियान के दौरान रविवार के अलावा अगले 2 दिन घर-घर जाकर भी दवा पिलाई जाएगी। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने बताया कि राज्य में दस्त संबंधी बीमारियों की प्रभावी रोकथाम के लिए 1 जुलाई से 31 अगस्त तक स्टॉप डायरिया अभियान चलाया जाएगा। अभियान के तहत आशा कार्यकर्ता घर-घर जाकर 5 साल तक की आयु के बच्चों को दस्त से बचाव हेतु ओआरएस पैकेट एवं जिंक की गोलियां उपलब्ध करवाएंगी। उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त समस्त चिकित्सा संस्थानों और आंगनबाड़ी केन्द्रों पर ओआरएस जिंक कॉर्नर संचालित किए जाएंगे जहां आमजन को दस्त से बचाव और उपचार की जानकारी दी जाएगी। साथ ही, स्वच्छता संबंधी गतिविधियों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा।

**आभा आईडी से मिलेगी बेहतर उपचार में मदद**

भारत सरकार द्वारा आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत हैल्थ अकाउंट यानी आभा आईडी बनाई जा रही है। इस 14 अंकों की आईडी की सहायता से आमजन स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं से अपने पुराने स्वास्थ्य रिकॉर्ड साझा कर सकेंगे। इससे उनके बेहतर उपचार में मदद मिलेगी। चिकित्सा विभाग की ओर से यह अभियान 2 माह तक चलाया जाएगा।

### पता नहीं कब...

जाए। जो करना है वो कर दीजिए। यमुना का पानी ऐसे नहीं आ रहा है तो मटका भर के भी ला दीजिए। कुंभाराम लिफ्ट परियोजना के सेकेंड फेज को आगे बढ़ाए बिना यमुना का पानी नहीं आएगा। ईआरसीपी पर गजेंद्र सिंह बड़ी बातें कर रहे थे। अब जो एमओयू हुए वो हम विधानसभा में देखेंगे।

**मुख्यमंत्री के इलाके में गरीबों के घर उजाड़ दिए:** डोटासरा ने कहा-अब ये समीक्षा कर रहे हैं, इनकी समीक्षा तो हो गई। छह महीने से कोई काम नहीं कर रहे हैं। विधानसभा में इनका झूठ उजागर करेंगे। मुख्यमंत्री के इलाके में हजारों गरीबों के आशियाने उजड़ रहे हैं। तीस साल से गरीब रह रहा है, उसकी तो सुध लेते। इन्होंने तो यूपी से बुलडोजर मंगवा लिए। मुझे इसमें साजिश लग रही है, कोई न कोई कमिटमेंट दिख रहा है। अतिक्रमण हटाओ, लेकिन जो गरीब पहले से बसा हुआ है। उसका तो पुनर्वास करते। शहर के अंदर 200 फीट के बाइपास का क्या मतलब। दाल में काला लग रहा है।

### उप चुनाव की...

में सीपी जोशी के अलावा विजय राहटकर और अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

**इन सीटों पर ये हैं समीकरण:** बता दें कि राजस्थान में दौसा, देवली उनियारा, झुंझुनू, खींवसर और चौरासी विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं। ये सभी सीटें कांग्रेस, आरएलपी और बाप के पास हैं। पिछले साल 2023 में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा को इन पांचों सीटों पर हार का सामना करना पड़ा था। भाजपा के लिए यह उपचुनाव काफी अहम माना जा रहा है। पार्टी इसे 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले एक सेमीफाइनल के तौर पर देख रही है। पार्टी ने इन सीटों पर जीत हासिल करने के लिए अभी से पूरी ताकत झोंक दी है।

### गुणवत्ता में कोताही...

पड़े। डिप्टी सीएम ने दो टूक कहाकि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता के साथ कोई समझौता नहीं किया जाए। अगर किसी ने ऐसा सोचा तो यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

**दुर्घटना सम्भावित क्षेत्र का होगा समाधान:** इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही करने पर संबंधित के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही के निर्देश दिए। उन्होंने प्रजैंटेशन के माध्यम से नेशनल हाईवे, स्टेट हाईवे, एमडीआर, ग्रामीण सड़कों के साथ ही सड़कों सहित निर्माणाधीन पूलों और अन्य निर्माण कार्यों की प्रगति रिपोर्ट देखी। इसके साथ ही उन्होंने नेशनल हाईवे पर दुर्घटना सम्भावित क्षेत्रों का सर्वे कर एनएचएआइ के अधिकारियों के साथ बातचीत कर उनके समाधान के आदेश दिए।

### अपने बच्चों की...

खुराक पिलाने में सहयोग करना चाहिए। सीएमएचओ डॉ. नवनीत शर्मा ने कहा कि रविवार को जिले में आयोजित पल्स पोलियो अभियान सफल रहा। 1210 से अधिक बूथों पर आज पोलियो रोधी दवा पिलाई गई। विधायकगण, जनप्रतिनिधियों, समाजसेवी संस्थाओं सहित आमजन ने आगे बढ़कर अभियान में सहयोग किया। उन्होंने कहा कि जिले में 1 लाख 76 हजार 419 बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाएगी जबकि आज रविवार को 1 लाख 41 हजार 664 बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई गई। जिले में 85.85 प्रतिशत बच्चों ने पोलियो की दवाई गटकी। इसके लिए 9053 पोलियो वाइल इस्तेमाल में ली गई। उन्होंने कहा कि अब 1 व 2 जुलाई को स्वास्थ्यकर्मियों की टीमें घर-घर जाकर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाएंगे।

**जनप्रतिनिधियों का रहा अभूतपूर्व सहयोग:** आरसीएचओ डॉ. विक्रम सिंह ने कहा कि जिले में पोलियो अभियान को सफल बनाने के लिए जिला स्तर पर जनप्रतिनिधियों एवं समाजसेवी नागरिकों ने अभूतपूर्व सहयोग किया। ब्लॉक स्तर पर भी जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं आमजन ने छोटे-छोटे बच्चों को पोलियो बूथ पर लाकर अभियान को सफल बनाया। ब्लॉक स्तर पर बीसीएमओ एवं अन्य सुपरवाइजरों ने पोलियो बूथों का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं जांची। उन्होंने कहा कि आगामी दो दिन में हाईरिस्क एरिया में घुमन्तु जातियां विशेष तौर पर गाडिया लौहारों, मनिहारों, पत्थरों का कार्य करने वालों व गृह निर्माण व ईट-भट्टों पर कार्य करने वाले श्रमिकों के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान सभी ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी, चिकित्सा अधिकारी प्रभारी लगातार अपने-अपने क्षेत्र में भ्रमण करेगें तथा सभी बच्चों को बूथ पर लाकर दवा पिलाने में सहयोग देंगे। साथ ही पल्स पोलियो अभियान की मॉनिटरिंग हेतु जिला स्तरीय अधिकारियों को विशेष चैक लिस्ट दी गई है, जो अपने-अपने क्षेत्रों का भ्रमण कर सभी बच्चों को दवा पिलाना सुनिश्चित करेंगें।

# बीकानेर रेंज में 900 से ज्यादा जगहों पर दबिश: 372 बदमाशों को गिरफ्तार किया

तेज | रिपोर्टर बीकानेर

संगठित अपराध करने वाले गैंगस्टर और गिरोह की कमर तोड़ने के लिए पुलिस ने एक बार फिर एरिया डोमिनेशन कार्यक्रम शुरू कर दिया है। रविवार को बीकानेर रेंज में एक साथ कार्रवाई करते हुए दो सौ 22 टीमों ने एक साथ कार्रवाई करते हुए 919 स्थानों पर दबिश दी। इस दौरान 372 बदमाशों को गिरफ्तार किया गया। ये कार्रवाई रेंज के बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ व अनूपगढ़ जिले में एक साथ चली। राज्य के पुलिस महानिदेशक एवं अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (क्राइम) के निर्देशन में बीकानेर रेंज के चारों जिलों में सुबह सवेरे से शाम तक दबिश देने का सिलसिला जारी रहा। इस दौरान बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ व अनूपगढ़ में संगठित अपराध करने वाले गैंगस्टर अथवा उनके सहयोगियों के ठिकानों पर रेड डाली गई। वांछित अपराधी व असामाजिक तत्वों की धरपकड़ की गई। बीकानेर आई जी ओम प्रकाश ने बताया- रेंज के समस्त जिला पुलिस अधीक्षक को थाना स्तर पर टीम बनाने के निर्देश दिए गए थे। गांव के स्तर पर अपराधियों की सूचियां तैयार करने एवं उनकी धरपकड़ के लिए विभिन्न टीमें गठित की गई। सभी जिला पुलिस अधीक्षक से समन्वय स्थापित कर वांछित व सक्रिय अपराधियों की सूची तथा रेड टीमें एवं रूट्स तैयार कर उन्हें अन्तिम रूप दिया गया। वरिष्ठ अधिकारियों ने स्वयं टीमों को ब्रीफ कर रवाना किया।

# 18 किलो अवैध डोडा पोस्त सहित दो तस्कर गिरफ्तार

**सूरतगढ़।** श्रीगंगानगर एसपी गौरव यादव के निर्देशन में अवैध नशे के खिलाफ जिले भर में लगातार कार्रवाई जारी है। एसपी गौरव यादव के निर्देशन में राजियासर पुलिस ने अवैध नशे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 18 किलो डोडा पोस्त सहित दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। राजियासर थाना अधिकारी सतीश कुमार यादव ने बताया कि, गस्त के दौरान एक बिना नंबरी बोलेरो गाड़ी आई हुई दिखाई दी जिस पर गाड़ी को रोक कर गाड़ी सवार व्यक्तियों से पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान अपना नाम पवन स्वामी (30) पुत्र ओमप्रकाश स्वामी और दूसरे ने अपना नाम हरिनारायण (19) पुत्र इंद्राज बताया। उनकी गाड़ी की तलाशी लेने पर गाड़ी से 18 किलो अवैध डोडा पोस्त बरामद हुआ। राजियासर पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर मामले की जांच सूरतगढ़ सिटी थाना के उपनिरीक्षक संपत धायल को सौंपी है।

# उत्कृष्ट सेवाओं के लिए वरिष्ठ प्रबंधक गुमान सिंह शेखावत का अभिनंदन

तेज | जगदीश सोनी. चूरू

बड़ौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक में 41वर्ष की सेवा के उपरांत सेवानिवृत्त हुए वरिष्ठ प्रबंधक गुमान सिंह शेखावत का अभिनंदन रविवार को आयोजित किया गया। इस मौके पर क्षेत्रीय प्रबंधक करणवीर सिंह ने कहा कि शेखावत ने अपनी बेहतरीन सेवाओ और उत्कृष्ट व्यवहार से एक जोरदार छवि बनाई है। उन्होंने कहा कि शेखावत की कार्यशैली हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। सेवानिवृत्त हुए गुमानसिंह शेखावत ने अपने सेवाकाल के अनुभव साझा किए और कहा कि उन्होंने बैंक को सदैव अपना परिवार समझा और उपभोक्ताओ की संतुष्टि को ध्येय समझकर काम किया। इस दौरान क्षेत्रीय प्रबंधक करणवीर सिंह ने शेखावत को बैंक का प्रतीक चिन्ह एवं श्रीफल देकर सम्मानित किया। उप क्षेत्रीय प्रबंधक राजेंद्र कुमार दरगढ़ ने शाल ओढाकर, साफा पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय कार्यालय के समस्त स्टाफ के साथ-साथ गुरदीप सिंह मथाडू, द्वारकाधीश अग्रवाल, शांताराम, अजीत सिंह धाभाई, रामकुमार कस्वा, रामनिवास सरावग ने भी इनके उत्कर्ष कार्य हेतु इनका सम्मान एवं अभिनंदन किया।

# साध-संगत ने लगाई ठंडे पानी की छबील

» शाह सतनाम जी ग्रीन एस वेलफेयर फोर्स विंग के सेवादारों ने राहगीरों को पिलाया ठंडा पानी

तेज | रिपोर्टर हनुमानगढ़

पूज्य गुरु संत डॉ. गुरमीत राम रहीम सिंह इन्सां की पावन प्रेरणा से शाह सतनाम जी ग्रीन एस वेलफेयर फोर्स विंग हनुमानगढ़ के सेवादारों की ओर से रविवार को हनुमानगढ़ जंक्शन में बायपास मार्ग स्थित एमएसजी डेरा सच्चा सौदा एवं मानवता भलाई केन्द्र के बाहर ठंडे पानी की छबील लगाई गई। करीब दो दर्जनभर सेवादारों ने दिन भर सड़क से गुजरने वाले वाहनों को रोककर ठंडा पानी राहगीरों को पिलाया। रविवार सुबह पवित्र नारा धन धन सतगुरु तेरा ही आसरा लगाकर छबील शुरू की गई जो शाम तक चली। दिनभर हजारों नागरिकों की प्यास बुझाई गई। नजदीक ही स्थित परीक्षा केन्द्र पर प्री-डीएलएड परीक्षा देने आए परीक्षार्थियों ने भी छबील पर रुककर ठंडा पानी पीकर हलक तर किए। इस दौरान बड़ी तादाद में राहगीरों और आने-जाने वालों ने ठंडा-मीठा पानी पीकर गर्मी से राहत महसूस की। स्थानीय लोगों ने डेरा सच्चा सौदा के सेवादारों के इस मानवीय कार्य की भरपूर प्रशंसा की। उनका कहना था कि इस भीषण गर्मी में डेरा अनुयायी जो निःस्वार्थ सेवा कर रहे हैं, वो काबिले तारीफ है। धन्य हैं ये सेवादार। समाज के अन्य लोगों को भी इनसे सीख लेनी चाहिए और ऐसे पुण्य के कार्य करने चाहिएं। शाह सतनाम ग्रीन एस वेलफेयर फोर्स विंग के जिम्मेवारों ने बताया कि बायपास मार्ग पर पीने के पानी की व्यवस्था नहीं होने से राहगीरों व वाहन चालकों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा था। ऐसे में सेवादारों ने गर्मी की शुरुआत में एमएसजी डेरा सच्चा सौदा एवं मानवता भलाई केन्द्र के बाहर ठंडे पानी की प्याऊ शुरू की। तब से राहगीरों को इस प्याऊ पर ठंडा पानी उपलब्ध करवाया जा रहा है। इस सेवा कार्य में 85 मेंबर हिमांशु इन्सां, पारुल इन्सां, सुमन कामरा इन्सां, शहर प्रेमी सेवक रणजीत इन्सां, सुरेन्द्र इन्सां, राकेश उपवेजा, अरुण इन्सां, मनोज गुलाटी, मोहित इन्सां, लखन रमानी, हनी इन्सां, मनोज इन्सां, सुनील इन्सां, लक्ष्मण इन्सां, पारस इन्सां, चन्द्रशेखर इन्सां, पवन सिंगला सहित अन्य सेवादारों का सहयोग रहा।

# समाज के चिकित्सकों को किया सम्मानित

» जांगिड़ सुथार समाज समिति का आयोजन

तेज | रिपोर्टर हनुमानगढ़

जांगिड़ सुथार समाज समिति की ओर से रविवार को राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे की पूर्व संध्या पर जांगिड़ सुथार समाज के डॉक्टर्स के सम्मान में जंक्शन स्थित विश्वकर्मा सामुदायिक भवन में समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति अध्यक्ष राधेराम सुथार व संरक्षक हरिराम सुथार ने की। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों ने भगवान विश्वकर्मा के चित्र समक्ष दीप प्रज्वलित कर की। इसके बाद जांगिड़ सुथार समाज के प्रतिभावान चिकित्सकों को सम्मानित किया गया। समारोह में डॉ. शंकर लाल सुथार, डॉ. रमेश सुथार, डॉ. दीपेंद्र सुथार, डॉ. प्रवीण सुथार, डॉ. राजपाल सुथार, डॉ. सुनीता जांगिड़, डॉ. अनुज जांगिड़, डॉ. मोनिका जांगिड़, डॉ. विनय, डॉ. सुनीता सुथार, डॉ. इशिका सुथार, डॉ. शुभम को सम्मानित किया गया। समिति के बेगराज खाती ने बताया कि समाज में प्रतिभावान चिकित्सकों की कोई कमी नहीं है। इस सम्मान समारोह से समाज की युवा पीढ़ी को भी प्रेरणा मिलेगी। वरिष्ठ अधिवक्ता लालचंद वर्मा ने धरती के भगवान कहे जाने वाले डॉक्टर को डॉक्टर्स डे की शुभकामनाएं दी और उनके कार्यों की सराहना करते हुए समाज के साथ जुड़े रहने के लिए प्रेरित किया। संरक्षक हरिराम सुथार ने चिकित्सकों को आश्वस्त किया कि कोई भी चिकित्सक यदि सामाजिक कार्य के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन करेगा तो समाज यथासंभव सहयोग प्रदान करेगा। इस मौके पर जयप्रकाश माकड़, बाबूलाल बैंस, नरसीराम, रामप्रताप, मांगेराम छाबड़ा, साधुराम, भानीराम, एडवोकेट कैलाश धामू, कोषाध्यक्ष बेगराज खाती, शिक्षा समिति अध्यक्ष किशनलाल आदि मौजूद रहे।

# मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के लाभार्थियों को मिली पहली किश्त

**श्रीगंगानगर।** राज्य सरकार की किसान उत्थान की दिशा में बजट में घोषित मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का शुभारम्भ माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा रविवार को टोंक में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में किया गया। कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री द्वारा सभी किसानों के बैंक खातों में प्रथम किस्त के रूप में 1000 रुपये की राशि डीबीटी के माध्यम से हस्तान्तरित की गई। समारोह के दौरान माननीय मुख्यमंत्री द्वारा लाभार्थी किसानो से संवाद भी किया गया। योजना का जिला स्तरीय कार्यक्रम श्रीगंगानगर की नई धानमंडी स्थित व्यापार मंडल हॉल में आयोजित किया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम को राज्य स्तरीय कार्यक्रम से वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से जोडा गया। कार्यक्रम में जिला कलक्टर लोकबंधु, अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रशासन) वीरेन्द्र सिंह चौधरी, नगर परिषद सभापति गगनदीप कौर, नगर विकास न्यास सचिव कैलाशचन्द्र शर्मा, नगर परिषद आयुक्त यशपाल आहूजा, प्रोबेशनर आईएएस रजत यादव, सीसीबी के प्रबन्ध निदेशक संजय गर्ग, डॉ. सतीश शर्मा, सुशील शर्मा, प्रीति गर्ग, सीताराम मौर्य सहित अन्य मौजूद रहे। सीसीबी के प्रबंध निदेशक गर्ग ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान गंगानगर और अनूपगढ़ जिलों के 1 लाख 44 हज़ार किसानों को डीबीटी के माध्यम से 14 करोड़ 45 लाख 45 हज़ार रुपये की राशि हस्तांतरित की गई। राशि मिलने पर किसानों ने मुख्यमंत्री का आभार भी व्यक्त किया।

# आज घर-घर जाकर पिलाएंगे 'दो बूंद जिंदगी की'

## - पहले दिन बूथ पर गटकी नौनिहालों ने दवा, विधायक बिहाणी ने किया उद्घाटन

तेज. रिपोर्टर | श्रीगंगानगर

जिले में रविवार से तीन दिवसीय पल्स पोलियो अभियान का आगाज हुआ, जो सोमवार एवं मंगलवार को भी जारी रहेगा। पहले दिन बूथ पर पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई गई। जिला मुख्यालय पर विधायक जयदीप बिहाणी एवं सीएमएचओ डॉ. अजय सिंगला ने बच्चों को पोलियो दवा पिलाकर अभियान की शुरुआत की। इस दौरान पूर्व उपसभापति लक्की दावड़ा, एसीएमएचओ डॉ. मुकेश मेहता, डॉ. संजय राठी, सीओआईईसी विनोद बिश्नोई, डीएसी रायसिंह सहारण, एसओ राजीव शर्मा, सोहनलाल एवं राकेश शिब्बू आदि मौजूद रहे। सीएमएचओ डॉ. सिंगला ने बताया कि जिले में शत प्रतिशत बच्चों को पोलियो दवा पिलाने का लक्ष्य रखा गया है और हाई रिस्क एरिया पर अधिक फोकस किया जा रहा है ताकि एक भी बच्चा दवा से वंचित न रहे, फिर भी यदि तीन दिवस में कोई बच्चा दवा से वंचित रह जाता है तो कंट्रोल रूम नंबर 0154-3590167 पर सूचना अवश्य दें ताकि वंचित बच्चों को दवा पिलाई जा सके। उन्होंने बताया कि विभाग की ओर से करीब एक लाख 30 हजार बच्चों को पोलियो दवा पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। रविवार को 808 बूथ स्थापित किए गए, जो सुबह 08 बजे से शाम 05 बजे तक क्रियाशील रहे, जबकि 12 मोबाइल बूथ और 32 ट्रांजिट टीमें भी कार्यरत रही। अब सोमवार व मंगलवार को डोर टू डोर दवा पिलाने के लिए 2594 टीमें रहेंगी। वहीं पहले दिन की तरह दोनों दिन 12 मोबाइल बूथ और 32 ट्रांजिट टीमें भी कार्य करेंगी। हाई रिस्क एरिया को लेकर विशेष निर्देश दिए गए हैं, जहां विशेष गतिविधियां आयोजित होंगी और सघन निगरानी की जाएंगी। तीनों दिन 140 सुपरवाइजर पोलियो अभियान की मोनिटरिंग करेंगे। इनमें स्वास्थ्य विभाग के साथ ही आईसीडीएस व आयुर्वेद विभाग का भी सहयोग रहेगा। इसके अलावा विभाग के आलाधिकारी, बीसीएमओ सहित राज्यस्तरीय अधिकारी भी अभियान के दौरान मोनिटरिंग कर व्यवस्था देखेंगे। वहीं जिलास्तरीय टीमें भी फील्ड में जाकर निरीक्षण करेंगी।

# भादरा नगरपालिका के वार्ड नंबर 32 में हुए उपचुनाव में हुआ 92.5 प्रतिशत मतदान

तेज | रिपोर्टर भादरा

भादरा नगर पालिका के वार्ड नंबर 32 में उपचुनाव को लेकर हुए मतदान में 92.5 प्रतिशत मतदान हुआ। कुल 422 मतदाताओं में से 390 मतदाताओं ने अपने-अपने मतों का प्रयोग किया। मतदान को लेकर वार्ड में भारी उत्साह देखा गया। सुबह 11.30 तक 50 प्रतिशत से अधिक मतदान हो चुका था। वार्ड नंबर 32 में नगर पालिका अध्यक्ष रही हाजन बैतूल बानो के इंतकाल के बाद वार्ड नंबर 32 का पद रिक्त हुआ था, अब इस वार्ड से उनकी पोत्री मुस्कान बानो कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में उम्मीदवार है। वहीं भाजपा ने प्रवीण गोयल को निर्दलीय चुनाव मैदान में उतारा है जो भाजपा नेता मांगीलाल गोयल के भतीजे हैं ।वार्ड में सुबह से ही काफी गहमा गहमी रही भारी पुलिस जाता तैनात किया गया था। कुल मिलाकर मतदान स्थल पर शांति बनी रही। हालांकि इस समय भाजपा नगर पालिका के अध्यक्ष पद पर भाजपा के बलवंत सैनी कार्यवाहक अध्यक्ष के रूप में कार्य कर रहे हैं, वहीं विधायक भी संजीव बेनीवाल भाजपा से है परंतु वार्ड नंबर 32 में भाजपा समर्थित उम्मीदवार कही टक्कर में दिखाई नहीं दिया। आज राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मैं प्रात 9:00 बजे मत गणना होगी तत्पश्चात परिणाम की घोषणा की जाएगी। वही नगर पालिका अध्यक्ष को लेकर 8 अगस्त को मतदान होगा तथा मुस्कान बानो अध्यक्ष पद के लिए कांग्रेस से संभावित उम्मीदवार मानी जा रही है।

## भाजपा नेता मनोज सोनी ने बच्चों को पिलाई पोलियो की दो बूंद

**तेज रिपोर्टर. रावतसर।** रावतसर के राजकीय प्राथमिक विद्यालय में स्थित बुथ पर रविवार को 0 से पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो ड्राप्स पिलाई गई, भाजपा नेता मनोज सोनी ने बताया कि रविवार को केंद्र पर 0 से पांच वर्ष तक के सैंकड़ों बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई गई। उन्होंने केंद्र पर बच्चों को दवा पिलाने आए बच्चों के माता-पिता व अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि अधिक से अधिक संख्या में 0 से पांच साल तक के बच्चों को दवा पिलाएं, आस पड़ोस में वंचित रहे बच्चे के परिवारों को जागरूक करे ताकि वो अपने अपने बच्चे को पोलियो की दवा पिलाए ताकि भारत के बच्चे पोलियो मुक्त हो सके, भाजपा नेता मनोज सोनी ने कहा कि पोलियो अभियान को दो दिन और चलाया जाएगा। जिसमें आशा वर्कर व स्वास्थ्य सहायिका घर-घर जाकर तथा प्राथमिक स्कूलों में पहुंच कर 0 से पांच साल तक के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाएगी। इस मौके पर एएनएम सुनैना, कार्यकर्ता सुदेश, आशा कर्मी पुष्पा आदि उपस्थित रहे

## जीएसटी दिवस पर शास्त्रीय नृत्य 'एकात्मा' का आयोजन आज

**तेज. जयपुर।** जीएसटी के सात वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 'सशक्त व्यापार-समग्र विकास' के थीम के परिप्रेक्ष्य में 01 जुलाई को जीएसटी दिवस, 2024 के अवसर पर सायं 06.15 बजे से बिड़ला सभागार, स्टेच्यू सर्किल, जयपुर में कत्थक धरोहर संस्था, नई दिल्ली द्वारा शास्त्रीय नृत्य 'एकात्मा' का आयोजन किया जायेगा। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डां. प्रेमचन्द बैरवा, उपमुख्यमंत्री, राजस्थान सरकार एवम् विशिष्ट अतिथि रविप्रकाश मेहरडा, IPS, महानिदेशक, ACB, राजस्थान होंगें। इस समारोह से पूर्व दोपहर 12.00 बजे से कॉमन हॉल, नव केन्द्रीय राजस्व भवन, स्टेच्यू सर्किल, जयपुर में 21 शीर्ष करदाता, जिन्होंने अधिकतम कर की अदायगी कर राष्ट्र निर्माण में बहुमूल्य योगदान दिया एवं विभाग में उल्लेखनीय सेवा प्रदान करने वाले 22 अधिकारियों को सम्मानित किया जायेगा। जिसके मुख्य अतिथि श्री के. सुब्रह्मण्यम, Principal Accountant General, Rajasthan होंगे।

## अनाथ प्यारो को करवाया भोजन

**तेज रिपोर्टर. भादरा।** स्थानीय भारत विकास परिषद की महारानी लक्ष्मी बाई महिला शाखा भादरा द्वारा रविवार 30 जून को संस्था के संस्थापक डॉ. सूरज प्रकाश की जयंती मनाई गई। इस मौके पर संस्था की तरफ से अनाज मंडी भादरा स्तिथ भाग्य श्री अनाथ आश्रम में भोजन की सेवाए प्रदान की गई। महारानी लक्ष्मी बाई महिला शाखा की अध्यक्ष मधु मारु, सहित सचिव राज स्वामी, कोषाध्यक्ष रानी सोनी, रिंकु जिंदल, ममता वर्मा, सीमा वर्मा, सुमन रानी, मीडिया प्रभारी पूजा तंवर, मुस्कान, एवम सुनिता चौबे ने संस्था से जुड़ कर अन्य लोगों को सेवा देने के लिए प्रेरित किया। संस्था अध्यक्ष सत्यवान वर्मा ने सभी का आभार प्रकट किया।

# डायरिया रोकथाम हेतु अभियान आज से

## - एक जुलाई से 31 अगस्त तक आयोजित होंगी गतिविधियां

तेज. रिपोर्टर | श्रीगंगानगर

जिले में डायरिया की रोकथाम के लिए सोमवार से अभियान शुरू होगा, जो 31 अगस्त तक चलेगा। इस संबंध में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार की ओर से विस्तृत गाइड लाइन जारी की गई, जिसके संबंध में सभी बीसीएमओ को निर्देशित किया गया है। सीएमएचओ डॉ. अजय सिंगला ने बताया कि इस बार की थीम 'डायरिया की रोकथाम, सफाई और ओआरएस से रखें अपना ध्यान' रखी गई है। अभियान 8 सप्ताह के लिए चलाया जाएगा। इन आठ सप्ताह में आशाएं 5 साल तक के बच्चों का घर-घर जाकर सर्वे करेंगी और ओआरएस के पैकेट तथा जिंक टेबलेट्स का वितरण करेंगी। एसीएमएचओ डॉ. मुकेश मेहता ने बताया कि सभी राजकीय चिकित्सालयों, आयुष्मान आरोग्य मंदिरों तथ आंगनबाडी केन्द्रों पर ओआरएस जिंक कार्नर स्थापित किए जाएंगे। इस दौरान उपचार के लिए आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को डायरिया के लक्षण और बचाव के प्रति जागरूक भी किया जाएगा। इन कॉर्नर्स की मदद से ओआरएस तथा जिंक टेबलेट्स का निशुल्क वितरण भी आवश्यकतानुसार किया जाएगा। अभियान से पूर्व सभी राजकीय चिकित्सा संस्थानों पर डायरिया नियंत्रण अभियान को गति देने के लिए ओआरएस, आईवी फ्लूड और जिंक टेबलेट्स की आपूर्ति की गई है। उन्होंने बताया कि अभियान में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, जलदाय विभाग, नगर निकाय का सहयोग भी लिया जाएगा।

# लैब टेक्नीशियन एवं सहायकों को दिया प्रशिक्षण

## - टीबी जांच में आएगा सुधार, मरीजों को मिलेगा लाभ

तेज. रिपोर्टर | श्रीगंगानगर

टूरूनोट मशीनों पर टीबी रोग की जांच की बेहतर क्वालिटी एवं कमियों में सुधार को लेकर एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। श्रीगंगानगर मेडिकल कॉलेज में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सभी लैब टेक्नीशियन एवं लैब सहायकों को प्रशिक्षित किया गया जो सीबी नॉट लैब में कार्यरत हैं। सीएमएचओ डॉ. अजय सिंगला ने बताया कि प्रशिक्षण का उद्देश्य एक्सटर्नल क्वालिटी एश्योरेंस के लिए जांच में आ रही त्रुटियों में सुधार करना है। इसके लिए इंजीनियर ने जांच में आ रही त्रुटियों के कारण एवं सुधार के सिलसिले में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही मशीन पर जांच करने का डेमो भी दिया। मशीनों की नियमित रूप से केलीब्रेशन क्लीनिंग के बारे भी जानकारी दी। इसके अलावा सैंपल कलेक्शन, सैंपल प्रोसीजर लेबलिंग आदि के बारे में बताया गया। इस दौरान मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. पीके बेरवाल, डीटीओ डॉ. गुंजन खुंगर, डॉ. सतीश लेघा, डॉ. मनीष छाबड़ा, डॉ. कर्ण शर्मा, डॉ. प्रगति ग्रोवर एवं डॉ. सारांश मित्तल आदि मौजूद रहे।

# थालड़का में 407 व भगवान में 146 बच्चों को पल्स पोलियो खुराक पिलाई गई

**तेज. थालड़का।** स्थानीय गांव में रविवार को पल्स पोलियो अभियान के तहत 0 से 5 साल के बच्चों को खुराक पिलाई गई। एएनएम सुमन कटारिया ने बताया की लक्ष्य 620 का था जिसमें से 407 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई गई। गांव भगवान के सरकारी स्कूल में पल्स पोलियो अभियान में बच्चो को दो बूंद जिंदगी की दवा पिलाकर शुरूआत की गई । उपस्वास्थ्य भगवान केंद्र प्रभारी एएनएम विमला ने बताया कि गांव के बूथ पर 0 से लेकर 5 साल तक के 146 बच्चों को दवा पिलाई गई और सोमवार को घर-घर जाकर के पोलियो की खुराक बुलाई जाएगी। इस मौके एएनएम विमला, आशा सहयोगिनी सविता,साहब राम अमित आदि मौजूद रहे।

# समस्या का नहीं हुआ समाधान, कलक्टर को ई-मेल भेजकर करवाया अवगत

तेज | रिपोर्टर भादरा

विकास संगठन झांसल के अध्यक्ष रुप किशोर भारद्वाज ने उपखण्ड अधिकारी भादरा एंव जिला कलेक्टर हनुमानगढ़ को जरिए ईमेल भेज कर पत्र लिखकर अवगत कराया कि दिनांक 21 जून को ग्राम पंचायत झांसल में रात्रि चौपाल में जिला कलेक्टर ने सुनवाई में विकास संगठन झांसल की तरफ गांव में कलेक्टर के समक्ष गांव की बहुत सी समस्याओं का मांगपत्र सौंपा। जिसमें जिला कलेक्टर ने पीने के पानी की समस्या को प्रमुखता से लिया और मुख्य अभियंता जलदाय विभाग नोहर को निर्देश दिया कि इस पानी की समस्या का अतिशीघ्र समाधान कर ग्रामीणों को स्वच्छ जल मुहाया करवाएं। विकास संगठन झांसल के सभी सदस्यों ने ग्रामीणों के सहयोग से जलदाय विभाग की दोनों डिग्गियो को साफ करवाया लेकिन जलदाय विभाग के कर्मचारियों ने इसमें कोई सहयोग नहीं किया। जो समस्या थी वह समस्या आज ज्यों की त्यों बनी हुई है जलदाय विभाग के कर्मचारियों ने कोई कार्रवाई नहीं की। संगठन के सभी सदस्यों रमेश थालोड़, मुकेश पूनिया, विजय सिंह नाई, नरेश मावलिया, दयाराम भाकर, मोनू भाकर, विजेंद्र, रोहित विश्नोई, मोनू गोदारा, मनीष शर्मा, दीपक मावलिया, दीपू जांगड़ा, विनोद पुनिया, प्रवीण थालोड, सरपंच अनिल, पंच कृष्ण पुनिया, संजय थालोड, जयदीप बेनीवाल, निर्मल सुथार, सुरेश पुनिया, सुनील महला, दीपी सोनी, नवीन पुनिया ने एक जुलाई तक जलदाय विभाग के अधिकारी कर्मचारी ग्राम पंचायत झांसल में पीने के पानी की समस्या के समाधान के लिए नहीं आए तो हमें मजबूरन दिनांक 2 जुलाई को जलदाय विभाग झांसल में अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन करेंगे।

## सादगी से मनाया जन्मदिन

**तेज रिपोर्टर. भादरा।** स्थानीय वर्मा हॉस्पिटल में अपनी सेवाए दे रहे डॉ. बी.एस. आजाद, रोशनी देवी के पुत्र आशीष का जन्मदिवस शनिवार रात्रि को अपने नव निर्मित भवन आशीष टावर में सादगी पूर्वक केक काट कर मनाया गया। इससे पूर्व सामूहिक रूप से पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर आशीष के दादा दलबिर सिंह, दादी संतोष देवी, नानी सिलोचना, मौसी मीतू, बहन आरजू, डॉ. बी.एस वर्मा, सोनू, प्रदीप, साहिला, पियूष, मुकेश आदि मौजूद रहे।

## बेटियां जब से कमाने लगी हैं

बेटियां जब से
कमाने लगी हैं,
बात-बात में ताने
सुनाने लगी हैं।
सोती-जागती,
उठती-बैठती
सब अपनी मर्जी से
चलाने लगी हैं।
बाहर भी जाती हैं
इच्छा हो तब आती हैं,
समझाएं तो हक़
जताने लगी हैं।
जब भी लड़ती है
कहे दबाया मां को आपने,
धमकियां थाने की
देने लगी हैं।
झगड़ा दोस्तों से हो
या हो घर में कभी,
ग़लती सामने वाले की
बताने लगी हैं।
भूल से ग़र मंगवालो
कोई भी चीज तो,
मौके-बेमौके
गिनाने लगी हैं।
बढ़ गई हैं मुश्किलें
किससे कहें अब,
भीतर ही भीतर
रुलाने लगी हैं।।

**दीनदयाल शर्मा, टाबर टोली, हनुमानगढ़, राजस्थान।**

## संजय सहारण ने गोल्ड मेडल प्राप्त कर अपने क्षेत्र का नाम नोशन किया

तेज. ऐलनाबाद | रमेश भार्गव

राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता 63 नेशनल सीनियर एथलेक्टिस खेल प्रतियोगिता में खेल इंडिया खेल, अजीज प्रताप सिंह खोसा खेल स्टेडियम, नोहर रोड, ऐलनाबाद के खिलाड़ी संजय सहारण ने गोल्ड मेडल प्राप्त कर अपने क्षेत्र ऐलनाबाद सिरसा का नाम रोशन किया और 20 किलोमीटर पैदल चाल रेस में समय 1.26.13 मे दौड़कर प्रथम स्थान हासिल किया। खेल इंडिया खेल के संरक्षक चौ. आत्मा राम झोरड़ ने बताया कि संजय सहारण छोटी सी उम्र में ही स्कूल के समय कठिन परिश्रम करता था और संजय सहारण पहले भी भारत देश की टीम में प्रतिनिधि के रूप में खेल रहा है और वर्ष 2023 में संजय सहारण ने अच्छा प्रदर्शन किया तथा खेल इंडिया खेल का नाम रोशन किया और संजय सहारण को देखकर सैकड़ों खिलाड़ी प्रतिदिन अभ्यास कर रहे हैं, खेल इंडिया खेल ने देश के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार कर देने का काम कर रही है.मिस्टर प्रहलाद सिंह कोच, जगनदीप सिंह, स.अमरपाल सिंह खोसा,राजेश वर्मा, सतवीर ठाकुर,सज्जन गोयल,प्रदीप, बिट्टू सिंह और संपत सिंह कोच खेल इंडिया खेल के गणमान्य व्यक्तियों ने इस खिलाड़ी को बधाई दी है।

# शिक्षक फर्जी, डिग्री फर्जी, परीक्षा फर्जी यहीं है हरियाणा के स्कूलों की पहचान: शैलजा

तेज. ऐलनाबाद | रमेश भार्गव

सिरसा लोकसभा सीट से कांग्रेस (इंडिया गठबंधन) की नवनिर्वाचित सांसद कुमारी शैलजा ने कहा कि शिक्षक फर्जी, डिग्री फर्जी, परीक्षा फर्जी यहीं हरियाणा के स्कूलों की पहचान बनकर रह गई है। स्कूल में विकास के नाम केवल और केवल फर्जीवाड़ा हुआ है जो प्रतिवर्ष अपना ही रिकॉर्ड तोड़ने में लगा हुआ है। स्कूलों में चार लाख बच्चों का फर्जी एडमिशन कर मिड डे मील, छात्रवृति, वर्दी और अन्य फंड का गबन कर बंदरबांट कर ली। इसमें कोई दो राय नहीं भाजपा की नीतियां फर्जीवाड़े से शुरू होकर फर्जीवाड़े पर ही खत्म होती हैं। आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा के इस भ्रष्ट शासन को कांग्रेस उखाड़ फेंककर जनता को भ्रष्टाचार से मुक्ति दिलाएंगी। मीडिया को जारी बयान में कुमारी शैलजा ने कहा है कि हरियाणा के सरकारी स्कूलों में वर्ष 2014 से 2016 के बीच 04 लाख फर्जी दाखिले हुए। उन्होंने कहा कि विजिलेंस जांच में 12924 स्कूलों में ऐसी गड़बड़ियां सामने आई, सात एफआईआर दर्ज की गई थी, 2019 में हाईकोर्ट ने सीबीआई को तीन माह में जांच कर रिपोर्ट देने का आदेश दिया गया था पर सीबीआई को इसमें भी चार साल लग गए। सीबीआई ने अब इस मामले में तीन एफआईआर दर्ज की है, जिसमें मिड डे मील, छात्रवृति, वर्दी और अन्य फंड के गबन को लेकर कागजात दाखिल किए गए है। उन्होंने कहा कि जून 2015 में जब शिक्षा विभाग ने 719 गेस्ट टीचर्स को हटाने का नोटिस जारी किया था, इस पर गेस्ट टीचर्स ने कोर्ट में याचिका दायर की, जिस पर सरकार ने अपना पक्ष रखते हुए कहा था कि स्कूलों में विद्यार्थी घट गए है, कोर्ट ने जब रिकार्ड मांगा तो पता चला कि 22 लाख में से चार लाख दाखिले फर्जी है। दो बार एसआईटी गठित कर जांच हुई पर कोई कार्रवाई न हुई। जांच में विजिलेंस का शिक्षा विभाग ने कोई सहयोग नहीं किया, सहयोग न करने वाले और मिड डे मील, छात्रवृति, वर्दी और अन्य फंड का गबन करने वालों पर सरकार ने कार्रवाई क्यों नहीं की। उन्होंने कहा कि सीबीआई ने तीन-तीन एफआईआर दर्ज की उसके बावजूद बीजेपी के नेताओं को, उस समय के शिक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री को बचा लिया। एफआईआर में उनका नाम नहीं डाला, उनसे पूछताछ नहीं गई, उन पर रेड नहीं की गई और न ही इस बात की जांच की गई कि इस करोड़ों रुपए के भ्रष्टाचार में उनका कितना हाथ था। उन्होंने कहा कि अगर इसमें गैर भाजपा का मंत्री या मुख्यमंत्री का नाम आ रहा होता तो अब तक भाजपा सरकार उसे सलाखों के पीछे डाल देती। पर सीबीआई ने इस घोटाले में भाजपा के किसी नेता, मंत्री और मुख्यमंत्री के खिलाफ कार्रवाई नहीं की। उन्होंने कहा कि जिस दिन प्रदेश की सरकार बदलेगी इनके सारे मामलों की जांच कर बच्चों की शिक्षा के नाम पर गबन और भ्रष्टाचार करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

# जल भण्डार डिग्गी की सफाई नहीं होने से दर्जन भर गांवों में दूषित पेयजल की सप्लाई, ग्रामीणों में आक्रोश

तेज. रिपोर्टर | थालड़का

ग्राम पंचायत थालड़का में रावतसर वितरिका के पास शहरी वाटर वर्क्स बनना हुआ है। इसी वाटर वर्क्स से नोहर शहर सहित दो दर्जन गांवों में पेयजल आपूर्ति होती है।मगर वाटर वर्क्स में बनी जल भंडार डिग्गी कि समय पर सफाई नहीं होने के कारण पानी दूषित हो रहा है। जल भंडार डिग्गी में बहुत ही ज्यादा मात्रा में केळी उगी हुई है। जिसके कारण जल भंडार डिग्गी में पानी नजर नहीं आ रहा है। केवल घास नजर आ रहे हैं। डिग्गी में इतनी ज्यादा घास उगी हुई है कि एक विशाल हरा-भरा पार्क नजर आ रहा है। डिग्गी में हरी घास को देखकर कभी आवारा पशु भी गिरने की संभावना रहती है। जल भंडार डिग्गी में हरा भरा घास क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। क्योंकि डिग्गी में पानी कहीं नजर नहीं आ रहा है। उपजिला प्रमुख मुकेश सहारण ने बताया कि शहरी वाटर वर्क्स में समय पर सफाई नहीं हो रही है जल भंडारी की हो या अन्य पानी सप्लाई के लिए चैंबर बने हुए हैं। उनकी भी सफाई समय पर नहीं हो रहा है। जिसके कारण लोगों को दूषित पानी पीना पड़ रहा है और लोगों में अनेकों प्रकार की बीमारियां फैल रही है। वाटर वर्क्स में सफाई को लेकर के जलदाय विभाग नोहर के उच्च अधिकारियों को कई बार अवगत करवाया मगर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। उपजिला प्रमुख मुकेश सहारण ने अरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा चलाई गई जल जीवन मिशन योजना के तहत जलदाय विभाग व ठेकेदारों के द्वारा जो गांव में काम किया गया है ।वह बिल्कुल घटिया स्तर का किया गया है। क्योंकि हर गांव में इन्होंने गलियों में पेयजल पाइपलाइन डालने के नाम पर फर्जीवाड़ा किया है। बिल्कुल घटिया स्तर की पाइपलाइन डाली लगे हैं। गांव की गलियों को जगह-जगह से तोड़कर छोड़ दिया। समय पर काम नहीं हो रहा है ठेकेदार और विभाग की लापरवाही के कारण आज लोगों को दूषित पानी पीना पड़ रहा है। इनके द्वारा गांव में जो पेयजल पाइपलाइन डाली हुई है वह जगह-जगह से लीकेज हो रही है। इसको लेकर के मैंने कई बार जिला परिषद की बैठक में भी मुद्दा उठाया और अब होने वाली बैठक में इसका मुद्दा उठाया जाएगा और ठेकेदारों को नोटिस दिया जाएगा। बताया कि जल जीवन मिशन योजना का हर गांव में अच्छे से कम होना चाहिए जिसका लोगों को फायदा मिल सके। करोड़ों में होने वाले काम में विभाग के अधिकारी और ठेकेदार मिलकर के घटिया काम करवाए जा रहा है। अगर समय रहते विभाग इस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। तो बड़े स्तर पर आंदोलन किया जाएगा।

# राजकुमारी और चांद खिलौना

एक राजा था उसकी एक छोटी सी बेटी थी। वह उसे बहुत प्यार करता था। एक बार राजकुमारी बीमार पड़ गई। कई डॉक्टर बुलाए गए लेकिन कोई भी उसका इलाज नहीं कर पाया। क्योंकि उसकी बीमारी का पता नहीं चल पा रहा था। एक दिन राजा उदास होकर राजकुमारी से बोला समझ में नहीं आ रहा कि मैं क्या करूं? तुम्हारे इलाज के लिउ कुछ भी करने को तैयार हूं।

यह सुनकर राजकुमारी झट से बोली फिर मेरे लिए चांद मंगवा दिजीए। मैं उससे खेलूंगी तो मेरी तबियत ठीक हो जाएगी। राजा ने खुश होकर कहा ठीक है मैं तुम्हारे लिए चांद मंगवाने का प्रबंध करता हूं।

राजा के दरबार में बहुत से योग्य व्यक्ति थे। सबसे पहले उसने अपने प्रधानमंत्री को बुलवाया और उससे धीरे से कहा रानी बेटी को खेलने के लिए चांद चाहिए। आज नहीं तो कल रात तक जरूर आ जाना चाहिए। चांद प्रधानमंत्री ने आश्चर्य से कहा। उसके माथे पर पसीना आ गया। थोड़ी देर बाद वह बोला महाराज मैं दुनिया के किसी भी कोने से कोई भी चीज मंगवा सकता हूं लेकिन चांद लाना मुश्किल है। राजा ने प्रधानमंत्री को तुरन्त दरबार से बाहर जाने का आदेश दे दिया। और प्रधान सेनापति को बुलवाया।

प्रधान सेनापति के आने पर राजा ने उनसे भी चांद लाने की बात कही सेनापति ने भी चांद लाने में अपनी असमर्थता व्यक्त की और तर्क दिया कि चांद को कोई भी नहीं ला सकता। वह यहां से डेढ़ लाख मील दूर है।

राजा ने उसे भी चले जाने को कहा और अपने खजांची को बुलाया उसने भी राजकुमारी के लिए चांद लाने में असमर्थता जताई। जाओ यहां से जाओं राजा चीखा और बोला दरबारी जोकर को बुलाओ। जोकर ने आते ही झुककर सलाम किया और पूछा सरकार आपने मुझे बुलाया? हां राजा रो पड़ा जब तक रानी बेटी को चांद नहीं मिलेगा तब तक उनकी तबियत ठीक नहीं होगी क्या तुम चांद ला सकते हो?



हां क्यो नहीं पर राजकुमारी कितना बड़ा चांद चाहती है कोई बात नहीं मैं खुद उनसे जा कर पूछ लेता हूं। जोकर बोला और सीधे राजकुमारी में कमरे में चला गया। राजकुमारी ने जोकर को देखकर पूछा कि चांद लाए। जोकर ने कहा अभी नहीं लेकिन जल्द ला दूंगा। पहले ये बताओं कितना बड़ा चांद चाहिए। राजकुमारी ने कहा कि मेरे अंगूठे के नाखून बराबर क्योंकि जब मैं आंख के सामने अंगूठे का नाखून कर देती हूं तो वह दिखाई नहीं देता। अच्छा यह और बता दो कि चांद किस चीज का बना है और कितनी ऊंचाई पर है? चांद सोने का बना है और पेड़ के बराबर ऊंचाई पर है राजकुमारी ने बोला।

ठीक है आज रात को मैं पेड़ पर चढ़कर चांद उतार लाऊंगा। जोकर ने कहा और राजा के पास चला गया और उसने राजा को बोला कि मैं कल राजकुमारी के लिए चांद का खिलौना ले आऊंगा। और उसने अपनी योजना राजा को बता दी। राजा योजना सुनकर बहुत खुश हुआ। अगले दिन दरबारी जोकर सुनार से एक सोने का चांद बनवा कर ले आया। उसने यह चांद राजकुमारी को दे दिया राजकुमारी बहुत खुश हुई। उसने चांद को जंजीर में डालकर गले में लटका लिया। उसकी तबियत ठीक हो गई। लेकिन राजा को चिन्ता खाय जा रही थी कि जब राजकुमारी जब खिड़की में से चांद को देखेगी तो क्या कहेगी। वह सोचेगी कि पिताजी ने उससे झूठा वादा किया था। रात को जब चांद निकला तो राजकुमारी उसे देखने लगी। राजा और जोकर उसके कमरे में खड़े थे। जोकर ने राजकुमारी से पूछा कि अच्छा राजकुमारी ये तो बताओ कि जब चांद तुम्हारे गले में लटका है तो आसमान में कैसे निकल आया?

राजकुमारी हंस कर बोली तुम मूर्ख हो जैसे मेरा जब दंत टूट जाता है तो दूसरा निकल आता है वैसे ही चांद भी दूसरा निकल आया है। यह सुनकर राजा ने राहत की सांस ली और खुशी खुशी राजकुमारी के साथ खिलौने से खेलने लगा।

# गुरु नानकदेव की सीख

एक डाकू गुरु नानकदेवजी के पास आया और चरणों में माथा टेकते हुए बोला- मैं डाकू हूँ, अपने जीवन से तंग हूँ। मैं सुधरना चाहता हूँ, मेरा मार्गदर्शन कीजिए, मुझे अंधकार से उजाले की ओर ले चलिए। नानकदेवजी ने कहा- तुम आज से चोरी करना और झूठ बोलना छोड़ दो, सब ठीक हो जाएगा। डाकू प्रणाम करके चला गया। कुछ दिनों बाद वह फिर आया और कहने लगा- मैंने झूठ बोलने और चोरी से मुक्त होने का भरसक प्रयत्न किया, किंतु मुझसे ऐसा न हो सका। मैं चाहकर बदल नहीं सका। आप मुझे उपाय अवश्य बताइए।

गुरुनानक सोचने लगे कि इस डाकू को सुधरने का क्या उपाय बताया जाए। उन्होंने अंत में कहा- जो तुम्हारे मन में जो आए करो, लेकिन दिन भर झूठ बोलने, चोरी करने और डाका डालने के बाद शाम को लोगों के सामने किए हुए कामों का बखान कर दो। डाकू को यह उपाय सरल जान पड़ा।

इस बार डाकू पलटकर नानकदेवजी के पास नहीं आया क्योंकि जब वह दिनभर चोरी आदि करता और शाम को जिसके घर से चोरी की है उसकी चौखट पर यह सोचकर पहुँचता कि नानकदेवजी ने जो कहा था कि तुम अपने दिन भर के कर्म का बखान करके आना लेकिन वह अपने बुरे कामों के बारे में बताते में बहुत संकोच करता और आत्मग्लानि से पानी-पानी हो जाता। वह बहुत हिम्मत करता कि मैं सारे काम बता दूँ लेकिन वह नहीं बता पाता।

हताश-निराश मुँह लटकाए वह डाकू एक दिन अचानक नानकदेवजी के सामने आया। अब तक न आने का कारण बताते हुए उसने कहा-मैंने तो उस उपाय को बहुत सरल समझा था, लेकिन वह तो बहुत कठिन निकला। लोगों के सामने अपनी बुराइयाँ कहने में लज्जा आती है, अतः मैंने बुरे काम करना ही छोड़ दिया। इस तरह नानकदेव जी ने उसे अपराधी से अच्छा इंसान बना दिया।

# शेख चिल्ली की चिट्ठी

बच्चो, तुमने मियाँ शेख चिल्ली का नाम सुना होगा। वही शेख चिल्ली जो अकल के पीछे लाठी लिए घूमते थे। उन्हीं का एक और कारनामा तुम्हें सुनाएँ।

मियाँ शेख चिल्ली के भाई दूर किसी शहर में बसते थे। किसी ने शेख चिल्ली को बीमार होने की खबर दी तो उनकी खैरियत जानने के लिए शेख ने उन्हें खत लिखा। उस जमाने में डाकघर तो थे नहीं, लोग चिट्ठियाँ गाँव के नाई के जरिये भिजवाया करते थे या कोई और नौकर चिट्ठी लेकर जाता था।

लेकिन उन दिनों नाई उन्हें बीमार मिला। फसल कटाई का मौसम होने से कोई नौकर या मजदूर भी खाली नहीं था अतः मियाँ जी ने तय किया कि वह खुद ही चिट्ठी पहुँचाने जाएँगे। अगले दिन वह सुबह-सुबह चिट्ठी लेकर घर से निकल पड़े। दोपहर तक वह अपने भाई के घर पहुँचे और उन्हें चिट्ठी पकड़ाकर लौटने लगे।

उनके भाई ने हैरानी से पूछा - अरे! चिल्ली भाई! यह खत कैसा है? और तुम वापिस क्यों जा रहे हो? क्या मुझसे कोई नाराजगी है?

भाई ने यह कहते हुए चिल्ली को गले से लगाना चाहा। पीछे हटते हुए चिल्ली बोले - भाई जान, ऐसा है कि मैंने आपको चिट्ठी लिखी थी। चिट्ठी ले जाने को नाई नहीं मिला तो उसकी बजाय मुझे ही चिट्ठी देने आना पड़ा।

भाई ने कहा - जब तुम आ ही गए हो तो दो-चार दिन ठहरो। शेख चिल्ली ने मुँह बनाते हुए कहा - आप भी अजीब इंसान हैं। समझते नहीं। यह समझिए कि मैं तो सिर्फ नाई का फर्ज निभा रहा हूँ। मुझे आना होता तो मैं चिट्ठी क्यों लिखता?

# कैसे बनी आइसक्रीम

बच्चो हम सब आइसक्रीम तो खाते है पर कभी ये जानने की कोशिश पहले कैसे बनाया जाता था ? भारत में मुगल शासनकाल के दौरान आइस जाता है कि अरब जगत के लोगों ने सबसे पहले आइसक्रीम के उत्पादन में शुरूकिया। वे फलों की बजाय चीनी मिलाकर इसको मीठा करते थे। फालूद और अफगानिस्तान से मानी जाती है। करीब 200 ईसा पूर्व के आस-पार मिश्रण को जमाकर खाने की परंपरा मिलती है। रोम का शासक नीरो (37- को मंगाता था और उनमें फलों के ऊपरी हिस्से को मिलाकर खाता था।

18वीं सदी में ब्रिटेन और अमेरिका की रेसिपी में आइसक्रीम बनाने की आधु ऑक्सफोर्ड इंग्लिश डिक्शनरी के अनुसार 1744 में पहली बार आइसक्रीम शब्द का उल्लेख मिलता है।दुनिया के पहले आइसक्रीम पार्लर की शुरुआत 1776 में अमेरिका में हुई थी।20वीं सदी में ब्रिटेन में आइसक्रीम बनाने के आसान तरीके विकसित होने से बढोतरी हुई। उसी दौर में रेफ्रिजरेटर के अस्तित्व में आने के बाद इसको घरों में संरक्षित रखा जाना शुरूहुआ। साइकिल में लेकर इसे बेचने की शुरुआत लंदन में 1923 में हुई थी। जिसमें बेचने वाले डिब्बे पर लिखा होता था- स्टॉप मी ऐंड बाई वन। अमेरिका आइसक्रीम का दुनिया में सबसे बडा उपभोक्ता है। दूसरे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया का नाम आता है।

# राज्यपाल व बिहाणी परिवार द्वारा संयुक्त व्यापार संघ अध्यक्ष संजय मोदी की सराहना

**» कन्या महाविद्यालय के निर्माण कार्य और लोकार्पण समारोह में अहम भूमिका निभाई**

तेज | रिपोर्टर. नोहर

गौरीशंकर बिहानी राजकीय महाविद्यालय के निर्माण कार्य और लोकार्पण समारोह के सफल आयोजन के लिए बिहानी परिवार ने संयुक्त व्यापार संघ अध्यक्ष संजय मोदी की पीठ थपथपाई। मुख्य अतिथि राज्यपाल कलराज मिश्र ने भी अपने उद्बोधन में संजय मोदी के कार्य की तारीफ़ की। ज्ञात रहे कि को गौरीशंकर बिहाणी राजकीय महाविद्यालय का लोकार्पण राज्यपाल कलराज मिश्र द्वारा किया गय। विदित रहे कि गौरीशंकर बिहानी राजकीय महाविधालय का निर्माण कार्य संजय मोदी की देखरेख में ही पूरा हुआ है। मोदी ने महाविद्यालय के भूमि पूजन से लेकर निर्माण और लोकार्पण कार्यक्रम को सफल बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। लक्ष्मीनारायण बिहानी और ओम नारायण बिहानी ने संजय मोदी की प्रशंसा करते हुए कहा कि मोदी ने कड़ी मेहनत लग्न और ईमानदारी से दिन रात एक करके इस कार्य को सफल किया है। ज्ञात रहे कि इनके साथ इनके पुत्र मयंक मोदी ने भी पूरे कार्य में महत्वपूर्ण भागीदारी निभाई है । संजय मोदी ने भी बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन हेतु नोहर क्षेत्र को राजकीय कन्या महाविद्यालय की सौग़ात देने के लिए बिहानी परिवार का आभार जताया। संजय मोदी ने कहा कि नोहर क्षेत्र के विकास में बिहानी परिवार के योगदान को आने पाली पीढ़िया भी याद रखेगी। विदित रहे की संजय मोदी स्वर्गीय संतलाल मोदी के पुत्र हैं। बिहानी परिवार का मोदी परिवार से गहरा लगाव है। राज्य सरकार से भवन निर्माण की स्वीकृति मिलने के बाद बिहानी परिवार ने उक्त महाविद्यालय के निमार्ण की जिम्मेदारी संजय मोदी को सोपी सरकार ने महाविद्यालय का निर्माण 2 वर्षों में करने को कहा मगर संजय मोदी के कुशल निर्देशन में महाविद्यालय का निर्माण डेढ़ वर्ष में पुरा हो गया।

## रोचक किस्सा

भामाशाह ओम बिहानी ने बताया कि वर्षों पुर्व स्व संतलाल मोदी ओर हम घुमाते हुए इधर आए ओर महाविद्यालय के लिए ये ही जगह देखी थी। स्व मोदी ने कहा था कि महाविद्यालय के लिए उक्त जगह सबसे उपयुक्त रहेगी। अब देखीए वर्षों बाद ये सच हो गया ओर इसका निर्माण भी उनके पुत्र संजय मोदी की देखरेख में हुआ है।

# गोदारा ओबीसी मोर्चा मण्डल अध्यक्ष नियुक्त

## पार्टी कार्यकर्ताओं ने किया अभिनंदन

तेज. रिपोर्टर. हनुमानगढ़। भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष पवन बागोरिया ने प्रदेशाध्यक्ष चंपालाल गेदर के निर्देशानुसार व जिलाध्यक्ष देवेंद्र पारीक की अनुशंसा पर मोर्चा के हनुमानगढ़ जंक्शन मण्डल अध्यक्ष पद पर महेन्द्र गोदारा की नियुक्ति की है। रविवार को नवनियुक्त मण्डल अध्यक्ष महेन्द्र गोदारा का भाजपा जिलाध्यक्ष देवेंद्र पारीक, मण्डल अध्यक्ष प्रकाश तंवर, भाजपा युवा मोर्चा जिला महामंत्री अपारजोत सिंह बराड़, मन की बात अभियान के जिला संयोजक गौरव जैन सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ताओं की ओर से स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। भाजपा जिलाध्यक्ष देवेंद्र पारीक ने कहा कि महेन्द्र गोदारा लंबे समय से निःस्वार्थ भाव से पार्टी की सेवा कर रहे हैं। उनके कार्य को देखते हुए इन्हें ओबीसी मोर्चा मण्डल अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष महेन्द्र गोदारा ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि पार्टी ने जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसका पूर्व कर्तव्यनिष्ठा से निर्वहन करते हुए पार्टी की रीति-नीति का प्रचार-प्रसार किया जाएगा। इस मौके पर बबलू पांडा, अंकित शर्मा, पंकज राव, महावीर राव, मांगी राव, विजय कुमार, निशांत शर्मा, सोनू जाट, अनिल, संजय राव, राकेश सिंह, टिंकू सहारण, निखिल गोदारा, बजरंग सेन, अंकित शेखावत, विष्णु शर्मा आदि मौजूद थे।

Happy Doctors Day
डॉ. आनंद गोदारा
MBBS, MS
General Laparoscopic Surgeon
राजकीय जिला चिकित्सालय, हनुमानगढ़

समस्त डॉक्टर्स व जिलावासियों को डॉक्टर्स-डे की हार्दिक शुभकामनाएं
-:: शुभेच्छू ::-
अनुज मेडिकोज
प्रो. अनुज शर्मा
हमारे यहां पर हर प्रकार की दवाई उचित मूल्य पर मिलती है।
राजकीय जिला चिकित्सालय के सामने, हनुमानगढ़ टाउन


## आंगनबाड़ी केन्द्र 16 ए पर पिलाई पोलियो की दवा

हनुमानगढ़। पल्स पोलियो महाअभियान के तहत रविवार को टाऊन स्थित अम्बेडकर कॉलोनी में आंगनबाड़ी केन्द्र 16 ए में बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाई गयी। यहां आशा वर्कर रेखा शर्मा, रेणु बाला द्वारा जीरो से 5 वर्ष तक के बच्चों को दवा पिलाई गयी। आशा वर्कर रेखा शर्मा ने बताया कि आज रविवार को आंगनबाड़ी केन्द्र पर काफी संख्या में माता-पिता अपने बच्चों को लेकर आए और पोलियो की दवा पिलाई गयी। उन्होंने बताया कि कल सोमवार व मंगलवार को घर-घर जाकर बचे हुए बच्चों को दवा पिलाई जाएगी।

# नामांकित में से 91.55 प्रतिशत परीक्षार्थी पहुंचे केन्द्रों पर

## कुल 36 केन्द्रों पर सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई प्री-डीएलएड परीक्षा

तेज. रिपोर्टर. हनुमानगढ़। प्री-डीएलएड परीक्षा रविवार को सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। प्रशासन व पुलिस के अधिकारियों ने की निगरानी में जिले में बनाए गए कुल 36 केन्द्रों पर नामांकित परीक्षार्थियों में से 91.55 फीसदी ने परीक्षा दी। परीक्षा के लिए कुल 12396 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। इनमें से 11349 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। कहीं से भी कोई समस्या या विवाद की स्थिति सामने नहीं आई। परीक्षा के जिला समन्वयक डॉ. रामपाल अहरोदिया ने परीक्षा में लगे अधिकारियों और कार्मिकों को बधाई देते हुए बताया कि दोनों पाठ्यक्रमों को मिलाकर जिले के 36 केन्द्रों पर 12396 अभ्यर्थी पंजीकृत थे। परीक्षा में कुल 11349 अभ्यर्थी उपस्थित रहे। कुल मिलाकर 91.55 फीसदी अभ्यर्थियों ने परीक्षा में शिरकत की। परीक्षा के अतिरिक्त जिला समन्वयक विनोद कुमार सांखला ने बताया कि सभी केन्द्रों पर प्रशासन और पुलिस की कड़ी चौकसी में परीक्षा सम्पन्न हुई। प्रशासन और पुलिस के अधिकारी लगातार केन्द्रों की निगरानी करते रहे। इसके अलावा केन्द्र पर्यवेक्षकों ने भी केन्द्रों का बारीकी से पर्यवेक्षण किया। टाउन के राजकीय नेहरू मेमोरियल स्नातकोत्तर महाविद्यालय में बने कंट्रोल रूम से पूरे जिले की निगरानी की गई। हर केन्द्र से पल-पल की जानकारी मिलती रही। जिला समन्वयक कार्यालय के कार्यालय सहायक सुन्दरलाल शर्मा की ओर से भी उत्कृष्ट कार्य किया गया। डीएलएड पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए रविवार को सम्पन्न हुई प्री-डीएलएड परीक्षा के लिए जिले के सबसे बड़े परीक्षा हनुमानगढ़ जंक्शन स्थित बेबी हैप्पी मॉडर्न पीजी कॉलेज में नामांकित कुल 1223 परीक्षार्थियों में से 1058 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। प्राचार्य डॉ. विशाल पारीक एवं उप्राचार्य डॉ. मनोज शर्मा ने बताया कि परीक्षा दोपहर 12.30 से अपराह्न 3.30 बजे तक हुई। महाविद्यालय प्रशासक परमानंद सैनी ने बताया कि परीक्षार्थियों में परीक्षा को लेकर भारी उत्साह देखा गया। पुलिस प्रशासन ने मुस्तैदी से परीक्षार्थियों की जांच कर परीक्षा केन्द्र में प्रवेश करवाया।


समस्त डॉक्टर्स व जिलावासियों को डॉक्टर्स-डे की हार्दिक शुभकामनाएं
:::शुभेच्छु:::
डॉ. हरविन्द्र सिंह
MBBS, MD (Paediatrics)
(Neonate & Child Specialist)
शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ
महात्मा गांधी राजकीय जिला चिकित्सालय, हनुमानगढ़
निवास: जिला चिकित्सालय रोड़, हनुमानगढ़ टाउन

Happy Doctor's Day
JAIN UDAI
DENTAL CARE CENTRE
65, 79, 80, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, मुख्य पोस्ट ऑफिस के पास श्रीगंगानगर रोड, हनुमानगढ़ जंक्शन
डॉ. पुनीत जैन
(B.D.S.)
(दंत रोग विशेषज्ञ)
Mob. 92143-48640
सुविधाएं:
* Root Canal Treatment (आरसीटी) * Implant के स्पोर्ट से फिक्स दांत लगाना
* टेढ़े-मेढ़े दांतों का Orthodontic Treatment. * फिक्स बत्तीसी लगाना।

समस्त डॉक्टर्स व जिलावासियों को डॉक्टर्स-डे की हार्दिक शुभकामनाएं
-:: शुभेच्छू ::-
डॉ. धर्मवीर कस्वां
चर्म, योग एवं कुष्ठ रोग विशेषज्ञ
हनुमानगढ़ टाउन

समस्त डॉक्टर्स व जिलावासियों को डाक्टर्स-डे की हार्दिक शुभकामनाएं
Happy Doctors Day
विनायक डायग्नोस्टिक लैब
विनायक मेडिकोज
आईडीबीआई बैंक के पीछे, श्रीगंगानगर रोड
हनुमानगढ़ जंक्शन
कृष्ण देव शर्मा
ऋषभ शर्मा

Happy DOCTOR'S DAY
डॉ. रामस्वरूप गोदारा
एम.डी. मेडिसीन (फिजीशियन)
राजकीय जिला चिकित्सालय, हनुमानगढ़

हनुमानगढ़ जंक्शन का पहला मल्टीस्पैशलिटी दांतों का हस्पताल
AJ's
बराड़ डेंटल क्लिनिक
Dr. S.P. Singh
M.D.S. (Govt. Dental College, Bangalore)
Ex. Redident, AIIMS, New Delhi
M. 94136-18259, 70148-21295

* हड्डी में फिक्स दांत (डेंटल इम्प्लांट) लगाने का हनुमानगढ़ का पहला स्पेशलाइज्ड डेंटल क्लिनिक।
* मसूड़ों से खून व पायरिया के इलाज का एकमात्र स्पेशलाइज्ड डेंटल क्लिनिक।
बी.डी. गुप्ता मार्केट, सम्राट होटल के पीछे, हनुमानगढ़ जंक्शन

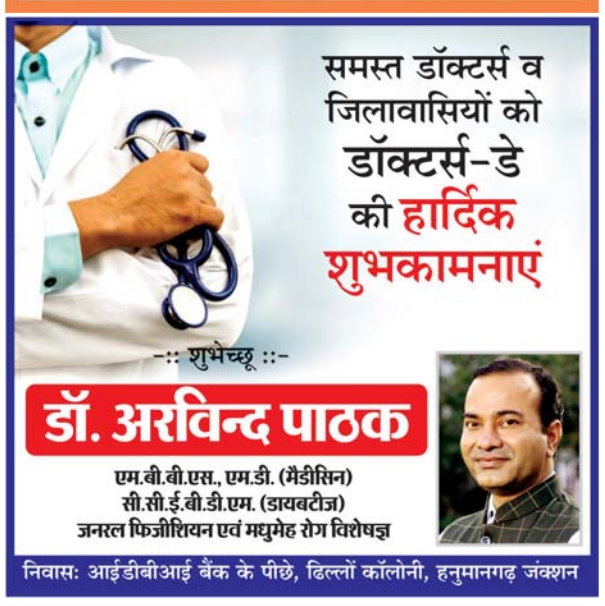
समस्त डॉक्टर्स व जिलावासियों को डॉक्टर्स-डे की हार्दिक शुभकामनाएं
-:: शुभेच्छू ::-
डॉ. अरविन्द पाठक
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मैडीसिन)
सी.सी.ई.बी.डी.एम. (डायबटीज)
जनरल फिजीशियन एवं मधुमेह रोग विशेषज्ञ
निवास: आईडीबीआई बैंक के पीछे, ढिल्लों कॉलोनी, हनुमानगढ़ जंक्शन

Happy Doctor's Day
डॉ. धर्मेन्द्र रोझ
जनरल फिजिशियन
M.B.B.S., M.D. (Medicine)
Reg. No. 22265/13285

HAPPY Doctors' Day
डॉ. विकास चौधरी
MS Ortho
राजकीय जिला चिकित्सालय, हनुमानगढ़

HAPPY Doctors' Day
Dr. Vinit Gautam
MD Forensic Medicine
Govt. District Hospital Hanumangarh

Happy DOCTOR'S DAY
डॉ. दलीप यादव
आंख, नाक व गला रोग विशेषज्ञ
राजकीय जिला चिकित्सालय, हनुमानगढ़

समस्त डॉक्टर्स व जिलावासियों को डॉक्टर्स-डे की हार्दिक शुभकामनाएं
गेट हॉस्पीटल
एण्ड एलर्जी सैन्टर
डॉ. सुखवीर सिंह गेट
M.D. (Medicine) Consultant Physician
Ph. 01552-230747
Reg. No.: RMC 001561/10192
Mob: 94142-46885
रावतसर रोड़, नजदीक रेलवे ओवरब्रिज, हनुमानगढ़ टाउन

Happy Doctor's Day
ASOPA
CHILDERN HOSPITAL
Town-Jn. Road, HANUMANGARH TOWN
Ph. 01552-222997
Dr. Rama Shanker Asopa
M.D. (Paed.)
Retd. Senior Specialist & Head Of Deptt.
Deptt. of Paediatrics

समस्त डॉक्टर्स व जिलावासियों को डॉक्टर्स-डे की हार्दिक शुभकामनाएं

-:: शुभेच्छू ::-
डॉ. मनोज शर्मा
एम.बी.बी.एस., एम.एस. (ऑर्थो.)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
नजदीक होण्डा एजेंसी, विजय सिनेमा के सामने
हनुमानगढ़ जंक्शन

समस्त डॉक्टर्स व जिलावासियों को डाक्टर्स-डे की हार्दिक शुभकामनाएं
मैट्रो डेन्टल क्लीनिक
एण्ड इम्प्लान्ट सैन्टर
डॉ. प्रथम अरोड़ा
Dental Surgeon
Mob. 75972-33341

हनुमानगढ़ जंक्शन का दांतों का अत्याधुनिक अस्पताल
डॉ. प्रथम अरोड़ा
दंत रोग विशेषज्ञ
भगतसिंह चौक, हनुमानगढ़ जंक्शन


स्वामी दैनिक तेज के लिए प्रकाशक व मुद्रक देवेन्द्र शर्मा द्वारा नजदीक भगत सिंह चौक, हनुमानगढ़ जंक्शन से प्रकाशित एवं शर्मा प्रिन्टिंग प्रेस नजदीक भगत सिंह चौक, हनुमानगढ़ जंक्शन (राजस्थान) से मुद्रित। सम्पादक देवेन्द्र शर्मा। आरएनआई रजि. नं. 23549/71, पोस्टल रजि. नं.गंगानगर/29/2024-2026, पोस्ट बॉक्स नं-26 फोन : 269443, 9414095543, फैक्स : 01552-268442